THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 136 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.4 2083 रविवार, 16 अगस्त-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

राहुल-खड़गे लगातार दूसरे साल लालकिले समारोह में नहीं पहुंचे

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लगातार दूसरे साल लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल नहीं हुए। 2025 में भी दोनों ने हिस्सा नहीं लिया था। इस पर भाजपा ने कहा कि राहुल नेता प्रतिपक्ष बनने के लायक नहीं हैं। उनकी सोच दिमागी नक्सल जैसी है। रक्षा मंत्रालय ने राहुल और खड़गे को स्वतंत्रता दिवस समारोह का औपचारिक निमंत्रण भेजा था। हालांकि, दोनों कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। इसके पीछे 2024 का विवाद बताया जा रहा है। उस समय कांग्रेस ने राहुल की सीटिंग व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई थी। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा-जिन्होंने आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, उन्हें हर चीज में अपमान नजर आता है।

महिला आरक्षण पर राजनीति न करें : पीएम मोदी

मोदी बोले-दिमागी नक्सलियों को पहचानें, उन्हें अलग करें ये समाज को भटका रहे

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने लाल किले पर 76 मिनट की स्पीच दी। पीएम ने कहा-'हथियारी नक्सल तो चले गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह-तरह के काम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा और इन्हें आइसोलेट करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।' पीएम ने युवाओं के लिए बड़ी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने बताया कि सरकार अगले एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल्स की ट्रेनिंग देगी। गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के युवाओं के लिए कई परीक्षाओं की फ्री ऑनलाइन कोचिंग दी जाएगी। इससे पहले लाल किले पर पहली बार वंदे मातरम गाया गया। पीएम ने तिरंगा फहराया। उसके बाद राष्ट्रगान हुआ, 21 तोपों की सलामी दी गई।

महिला आरक्षण पर : हमारी माताओं बहनों को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। वे भारत की नीति में अपना योगदान दें। समय की मांग है। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं। आइए महिला आरक्षण लागू करके महिलाओं के सम्मान में आप भी जुड़िए और क्रेडिट लीजिए लेकिन मेरी माताओं बहनों को हक दीजिए।

ग्लोबलाइजेशन पर : एक समय था जब मैं आत्मनिर्भरता की बात कर रहा था तो कुछ एयर कंडीशन चेंबर में बैठकर सोचने वाले लोग हमें बता रहे थे कि ग्लोबलाइजेशन का क्या होगा, लेकिन पूरी दुनिया देख रही है कि पिछले 1 दशक में ऐसा लग रहा है कि लोगों ने ग्लोबलाइजेशन बोलना ही बंद कर दिया।

युवाओं पर : 'एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई (एआई) स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही छात्रों के लिए ऑनलाइन फ्री कोचिंग व्यवस्था की शुरुआत भी की जाएगी।'

आत्मनिर्भर पर : बीते सालों में हमारा दृढ़ विश्वास रहा है कि भारत को अब दूसरे देशों पर निर्भर रहकर नहीं जीना है।

हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए। दुनिया में बहुत कुछ मिलता है, सस्ता मिलता है, जल्दी मिलता है लेकिन उससे हमारा सामर्थ्य तैयार नहीं होता। इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है। अपने हितों की सुरक्षा हमें खुद करनी है इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

दिमागी नक्सलियों पर

'हमने नक्सलवाद खत्म करने का संकल्प लिया था। आज नक्सल क्षेत्र में नक्सल मुक्त होने के कारण विकास का तिरंगा लहरा रहा है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। इन दिमागी नक्सलों को पहचानना होगा। इन्हें युवाओं को भटकाने से बचाना होगा।'

आपदाओं पर

'अब छोटे सपनों से काम चलने वाला नहीं है। हमें बड़े सपने देखने होंगे क्योंकि बड़े सपने हमारी सोच को भी विस्तार देते हैं।

हमारे संकल्प दृढ़ होने चाहिए। जब संकल्प दृढ़ होता है तो कठिनाइयों से, आपदाओं के बीच से रास्ते निकालने का सामर्थ्य अपने आप उभर कर आता है।

2047 के लक्ष्य पर

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। हमारी दिशा तय हो चुकी है। हमें उसे प्राप्त करके रहना है। इसके लिए हमें हमारे वर्क कल्चर और हमारी सोच को भी बदलना होगा। जो काम पिछले 5-7 दशक में नहीं हुए हैं, वो काम हमें आगामी 5-7 साल में करने हैं।

'माफी मांगें मनन मिश्रा' नलसार के छात्र संघ ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया से की मांग

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। नलसार लॉ यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट बॉडी स्टूडेंट बार काउंसिल ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की निंदा की है। छात्र संघ ने 2026 बैच पर लगाए गए उस बैन के लिए बीसीआई की आलोचना की है जिसमें उसने कहा था कि इस बैच के छात्रों के एनरोलमेंट होने नहीं देंगे, जिसके बाद वह कहीं प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। हालांकि सीजेआई के फटकार के बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया।

यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की चुनी हुई छात्र संघ, ने स्टूडेंट्स और फैकल्टी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के लिए बीसीआई के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा से माफी की मांग की है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब नलसार के 1,400 में से लगभग 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को चीफ गेस्ट बुलाने का विरोध किया। इसी को लेकर गुरुवार को बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया कि वे नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ से 2026 में ग्रेजुएट होने वाले किसी भी छात्र को अगले आदेश तक वकील के तौर पर एनरोल न करें, लेकिन आलोचना बढ़ने पर मनन मिश्रा ने जल्द ही यह आदेश वापस ले लिया। छात्र संघ का पत्र शुक्रवार देर शाम जारी किया गया। जिसमें उन्होंने कहा, हम (बीसीआई) पत्रों को वापस लेने और कार्रवाई की वजह खत्म होने की बात मानते हैं।

सीजेआई बोले-80 साल में देश ने कई चुनौतियां पार कीं

* अभी बहुत काम बाकी * युवा भविष्य की जिम्मेदारी संभालें

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि देश ने पिछले 8 दशक में कई कठिन चुनौतियों को पार किया है, लेकिन अभी बहुत काम बाकी है। यंग लॉ ग्रेजुएट्स और वकीलों को भविष्य की जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सीजेआई सुप्रीम कोर्ट कैम्पस में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने के बाद स्पीच दे रहे थे। आयोजन सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किया था। सीजेआई ने कहा, देश की यात्रा उसकी उपलब्धियों के साथ खत्म नहीं होती। हर उपलब्धि अपने साथ जिम्मेदारी और कर्तव्य का नया एहसास लाती है। अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है और आगे के सफर में कई मील तय करने हैं। युवा वकीलों को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय से बार ने जो जिम्मेदारी संभाली है, वह जल्द ही उनके कंधों पर होगी। सीजेआई ने कहा, बार और बेंच आपके विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आपको मार्गदर्शन देंगे, आपके लिए सार्थक अवसर बनाएंगे और आप पर भरोसा रखेंगे।

'भारत को विश्वगुरु बनाना है तो चुनौतियों से लड़ना होगा'

> स्वतंत्रता दिवस पर बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नागपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नागपुर में संघ मुख्यालय में तिरंगा फहराने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने लोगों से मूल सिद्धांतों से समझौता किए बिना देश को मजबूत करने और दुनिया का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र बनाने के लिए चुनौतियों का सामना करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह विविधता एकता को दर्शाती है।

आजादी को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस सभी भारतीयों के लिए गर्व और जश्न का दिन है। अगर आजादी की लड़ाई को 1857 से गिना जाए, तो देश के पूर्वजों ने आजादी हासिल करने के लिए लगभग 90 वर्षों तक लगातार बलिदान दिए। हमें उनके बलिदानों पर गर्व है और खुशी है कि उनका संघर्ष सफल रहा। लेकिन साथ ही, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि इतनी मेहनत और बलिदान से मिली आजादी को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

सावरकर का जिक्र, नागरिकों के कर्तव्य पर जोर

हिंदुत्व विचारक वी. डी. सावरकर का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि आजादी के सभी नेक, प्रगतिशील और सुंदर परिणाम देश का हिस्सा बनें। भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज के रंग, जब हम इसे फहराते हैं, तो महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि केसरिया रंग कर्म, ज्ञान और बलिदान का प्रतीक है।

सरसंघचालक ने कहा कि किसी देश की आजादी कड़ी मेहनत और बलिदान से मिलती है, और आजादी के बाद ये गुण देश को समृद्ध और सुरक्षित बनाने में मदद करते हैं। केसरिया रंग लोगों को बलिदान और समर्पण की जरूरत की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जब बलिदान, प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और ज्ञान लोगों के जीवन का हिस्सा बन जाते हैं, तो समाज शांतिपूर्ण रहता है और मन पवित्र होता है।

बरेली से दिल्ली में स्मैक की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश पुलिस ने दबोचे चार तस्कर

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में पूर्वी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने बरेली से दिल्ली में स्मैक की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडफोड़ किया है। पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 446 ग्राम स्मैक, तस्करी में इस्तेमाल कार व चार मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपितों की पहचान गिरोह के सरगना व बरेली निवासी राजा खान, इसके साथी आजाद अंसारी, नाजिम व शाकिर के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पूर्वी जिले में विशेष जांच और गश्त की जा रही है। इसी दौरान एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि बरेली निवासी दो युवक मयूर विहार फेज-तीन स्थित डीटीसी बस टर्मिनल के पास स्मैक की सप्लाई करने आने वाले हैं। टीम इंचार्ज अरुण कुमार के नेतृत्व में एसआइ राहुल मोंगा व एसआइ सविता की टीम बनाई। टीम ने घेराबंदी कर कार सवार आजाद अंसारी व राजा खान को गिरफ्तार किया।

भारत-पाकिस्तान में हमलों की साजिश रच रहा था बंगाल का असाफुल मलिक

बेंगलुरु पुलिस ने किया गिरफ्तार, टीटीपी से जुड़े तार

बंगलूरू, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने आतंकी साजिश का पर्दाफाश करते हुए पश्चिम बंगाल के 25 वर्षीय युवक असाफुल मलिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ मिलकर भारत और पाकिस्तान की सेना के खिलाफ हमले करने की साजिश रचने का आरोप है। केंद्रीय और स्थानीय खुफिया एजेंसियों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर बेंगलुरु पुलिस ने 11 अगस्त को बोम्मासंद्रा औद्योगिक क्षेत्र से आरोपी को हिरासत में लिया था।

लंबी पूछताछ के बाद बेंगलुरु सिटी पुलिस ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया है कि बेंगलुरु के जिगानी (एपीसी सर्किल) में रहकर सुरक्षा गार्ड की नौकरी करने वाला असाफुल मलिक फेसबुक

के जरिये अफगानिस्तान निवासी टीटीपी आतंकी इमरान अहिंदर के संपर्क में आया था।

अफगानिस्तान जाने की थी तैयारी

आरोपी ने टीटीपी में आधिकारिक तौर पर शामिल होने, हथियार प्रशिक्षण लेने और अफगानिस्तान जाने के लिए पासपोर्ट बनवाया था। वीजा के लिए आवेदन भी कर चुका था। हालांकि, किसी कारणवश वह अफगानिस्तान नहीं जा सका।

मलिक पाकिस्तान की सेना द्वारा वहां की मस्जिदों और आम नागरिकों पर कथित अत्याचार और इस्राइल-फिलीस्तीन संघर्ष में इस्राइल को दिये जा रहे समर्थन से गुस्से में था। वह पाकिस्तान की सेना से बदला लेने के साथ-साथ भारत में भी आतंकी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में था।

मोबाइल से मिले ऑडियो-वीडियो सबूत

पुलिस ने आरोपी के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। इस फोन में संदिग्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग, चैट और संदेश मिले हैं, जो उसकी आतंकी गतिविधियों और उसके टीटीपी में शामिल होने की मंशा की पुष्टि करते हैं। हेब्बागोडी पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 113(3) (आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने, उकसाने, सहायता करने या प्रयास करने) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। असाफुल मलिक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के नोवापाड़ा का रहने वाला है। पुलिस अब उसके स्थानीय संपर्कों और वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है।

नरेला में दो बच्चों की गड्ढे में गिरकर हुई मौत

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में नरेला सेक्टर जी-7, जी-8 स्थित हाउसिंग पॉकेट-4 के सामने वर्षा के पानी से बने गड्ढे में नहाने उतरे दो बच्चों की मौत के 24 घंटे बाद भी डीडीए की नींद नहीं खुली है। दोपहर तक यहां न तो कोई संकेतक लगाए गए थे और न ही गड्ढा भ्रवाया गया है। यहां सामान्य दिनों की तरह कुछ बच्चे खेलने आए थे। घटनास्थल के साथ ही युवा-बच्चे खेलने आते हैं। यहां किसी को अंदेशा तक नहीं था कि पानी के नीचे इतना बड़ा गड्ढा होगा। नितीन ने बताया कि यह गड्ढे घुटने या कमर तक ही होता था। यहां इतना गहरा गड्ढा कब खोद दिया गया पता ही नहीं चला। डीडीए को गड्ढा खुदवाने के बाद ध्यान देना चाहिए था कि वर्षा का पानी भरने के बाद इसकी गहराई का अंदाजा लगाना असंभव हो जाएगा। ऐसा हादसा बच्चों के साथ होना ही था, क्योंकि उनको गहराई का अंदाजा ही नहीं था। दो बच्चों की मौत को डीडीए भूल गया है। चार-पांच दिन बाद यहां के लोग भी भूल जाएंगे। कुछ बदलने वाला नहीं है।

कांग्रेस ने 'दिमागी नक्सल' वाली टिप्पणी पर मोदी पर पलटवार किया

इसे हताशा का संकेत बताया

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिमागी नक्सल वाली टिप्पणी पर पलटवार किया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इसे हताशा का पक्का संकेत बताया। रमेश ने कहा कि मोदी ने पहले अपने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा था और अब उन्हें दिमागी नक्सल कह रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को राजनीतिक भाषा में गाली देने में माहिर (मास्टर एब्यूज़र) भी बताया।

रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहले उन्होंने अपने विरोधियों को 'अर्बन नक्सल' कहा। अब वे उन्हें 'दिमागी नक्सल' कह रहे हैं। यह उनकी हताशा का पक्का संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक अलग बात है कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार वही किया जिसकी मांग या वकालत उन लोगों ने की थी जिन्हें उन्होंने अर्बन नक्सल या दिमागी नक्सल कहा था। देश के नाम अपने लगातार 13वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में, मोदी ने दावा किया कि देश से सशस्त्र नक्सलवाद खत्म हो गया है, लेकिन उन्होंने सतर्कता कम न करने की चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि जहां सशस्त्र नक्सलियों को जंगलों से खदेड़ दिया गया है, वहीं दिमागी नक्सल अभी भी हिंसा और अशांति फैलाने और समाज को गलत रास्ते पर ले जाने के मौके तलाश रहे हैं। मोदी ने कहा कि ऐसे बौद्धिक नक्सलियों की पहचान करने और उन्हें अलग-थलग करने की ज़रूरत है।

5000 का इनामी ड्रग तस्कर मंगल पंवार अरेस्ट, 326 किलो नशीली सामग्री बरामद

कुरुक्षेत्र, 15 अगस्त (एजेंसियां)। ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत नशीला पदार्थ सप्लाई करने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित मध्यप्रदेश के जिला नीमच के गांव सीमखेड़ा निवासी मंगल पंवार पर 5 हजार रुपये का इनाम रखा गया था। 24 जुलाई 2024 को एंटी नारकोटिक सैल की टीम अपराध तलाश में मुर्तजापुर बस अड्डा के पास मौजूद थी। पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर कैंटर चालक हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन के बरोड़ निवासी देवराज को राष्ट्रीय राजमार्ग -152 डी से काबू किया था।

पुलिस टीम द्वारा राजपत्रित अधिकारी के सामने कैंटर की तलाशी लेने पर उसके कब्जा से 8 कट्टों में रखा 326 किलो 560 ग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया था। आरोपित के खिलाफ थाना सदर पिहोवा में नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार ने गिरफ्तार किया।

नालागढ़ थाने में आइईडी ब्लास्ट मामले में एनआईए को बड़ी सफलता

धमाके के तीन आरोपी गिरफ्तार

शिमला, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने सोलन जिले के नालागढ़ पुलिस थाना के समीप हुए आइईडी धमाके मामले में तीन मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान महावीर कुमार उर्फ काका, अजय मेहरा और मनप्रीत सिंह उर्फ मणि के रूप में हुई है। आरोपितों को शिमला स्थित विशेष एनआइए अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपित महावीर कुमार और अजय मेहरा को आठ दिन की एनआइए पुलिस कस्टडी (रिमांड) में भेजने का आदेश सुनाया। तीसरे आरोपित मनप्रीत सिंह को न्यायिक हिरासत में भेजा है। एनआईए अब रिमांड के दौरान महावीर और अजय से धमाके की साजिश, फंडिंग और इसमें शामिल अन्य लोगों के इस बारे में पूछताछ करेगी।

एनआइए की अब तक की जांच में इन तीनों आरोपितों की साजिश को अंजाम देने और विस्फोटक प्लांट करने में मुख्य भूमिका सामने आई है। पुलिस रिमांड के दौरान इस साजिश के पीछे छिपे असली आकाओं और उनके मंसूबों का पता चल सकेगा। एक जनवरी 2026 को नालागढ़ पुलिस थाना परिसर में आइईडी धमाका हुआ था। शुरुआत में स्थानीय पुलिस इसकी जांच कर रही थी। मामले में आतंकी या किसी बड़े संगठित गैंग का हाथ होने के अंदेशे को देखते हुए गृह मंत्रालय ने इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का फैसला किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में गर्मी से बिगड़ी 10 बच्चियों की तबीयत, अस्पताल में भर्ती

पलवल, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पलवल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान गर्मी से बच्चियों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को जिला नागरिक अस्पताल लाया गया है। बताया गया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जा रहा था। इस समारोह में मुख्य अतिथि खेल मंत्री गौरव गौतम थे। समारोह में प्रस्तुति देने के दौरान 10 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई और कई बच्चियां बेहोश हो गईं। इसके बाद आनन-फानन में सभी बच्चियों को जिला अस्पताल में लाया गया। एक बच्ची को रेफर किया गया। फिलहाल सभी बच्चियों का उपचार चल रहा है।

दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन वीजा' तेज, दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य जिला के स्पेशल स्टाफ ने 'ऑपरेशन वीजा 1.0' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। दोनों पर भारत में तय समय से ज्यादा रहने और वीजा शर्तों के उल्लंघन का आरोप है। प्रारंभिक कानूनी प्रक्रियाओं के बाद, दोनों को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 'प्रतिबंध आदेश' जारी कर सेवा धाम डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है।

अब इनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक दिल्ली में वीजा नियमों का उल्लंघन कर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए आपरेशन वीजा 1.0' चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मध्य जिला के फॉरेनर्स सेल ने इलाके के होटलों और गेस्ट हाउसों में एक विशेष सत्यापन अभियान चलाया। जांच के दौरान, पुलिस टीम नबी करीम (आराकशां रोड) स्थित एक होटल पहुंची, जहां ये दोनों बांग्लादेशी नागरिक ठहरे हुए थे।

दस्तावेज की जांच करने पर पता चला कि दोनों बीते 23 जून को 'डबल एंट्री वीजा' पर भारत आए थे। उनके वीजा नियमों के मुताबिक उन्हें प्रति यात्रा केवल 15 दिन ठहरने की ही अनुमति थी। तय अवधि समाप्त होने के बावजूद वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान हबीबगंज निवासी एमडी अनहारुल इस्लाम सौरभ खान एवं कुमिला निवासी तारिकुल इस्लाम सुजान के रूप में हुई है।

शुभेंदु अधिकारी ने बेटियों को दी खुशखबरी कन्या रत्न योजना की राशि हुई डबल

कोलकाता, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने और छात्राओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कन्या रत्न योजना के तहत मिलने वाली मासिक वित्तीय सहायता बढ़ाकर डबल कर दी है। इस योजना के तहत पहले 1,000 रुपए प्रति माह छात्रवृत्ति दी जाती थी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस राशि को बढ़ाकर डबल यानी प्रति माह 2,000 रुपए करने का ऐलान किया है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सरकार की इस घोषणा से लाखों छात्राओं को उच्च शिक्षा और दैनिक शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। पश्चिम बंगाल की शुभेंदु अधिकारी सरकार के इस महत्वपूर्ण कदम का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को पढ़ाई बीच में छोड़ने से रोकना और उन्हें कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा जारी रखने के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। सीएम ने कहा है कि बढ़ी हुई धनराशि पारदर्शी तरीके से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थी छात्राओं के बैंक खातों में भेजी जायेगी। सरकार को उम्मीद है कि इस वित्तीय प्रोत्साहन से विशेष रूप से ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में बाल विवाह पर रोक लगेगी और उच्च शिक्षा में लड़कियों के नामांकन दर में इजाफा होगा। पश्चिम बंगाल सरकार की 'कन्याश्री योजना' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा चुका है। अब 'कन्या रत्न योजना' में सहायता राशि को दोगुना किये जाने से राज्य का सामाजिक कल्याण ढांचा और अधिक मजबूत होगा।

अटारी-वाघा बॉर्डर बना शांति का गवाह

मोमबत्तियां जलाकर दिया गया भारत-पाक के बेहतर रिश्तों का संदेश

अमृतसर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित वाघा-अटारी बॉर्डर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हिंद-पाक दोस्ती और आपसी भाईचारे के संदेश का गवाह बना। यहां आयोजित विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और दोनों देशों के बीच शांति, सद्भाव तथा बेहतर रिश्तों की उम्मीद जताई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। रात 12 बजे बॉर्डर परिसर देशभक्ति और भाईचारे के रंग में रंग गया।

कार्यक्रम में मोमबत्तियां जलाकर दोनों देशों के बीच अमन और शांति की कामना भी की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वाघा-अटारी बॉर्डर हर साल दोनों देशों के बीच दोस्ती और शांति का संदेश देता है। यहां पहुंचने वाले लोग देशभक्ति का जज्बा दिखाने के साथ यह संदेश भी देते हैं कि बातचीत और आपसी समझ के जरिए दोनों देशों के बीच शांति का रास्ता निकाला जा सकता है।

तीन पड़ाव पूरे, पुणे चौथा

'छात्रों की गूंज' में राहुल गांधी की एंट्री 22 अगस्त को कार्यक्रम में होंगे शामिल

पुणे, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 22 अगस्त को पुणे में कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान के चौथे चरण में शामिल होंगे। कोटा से शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक देहरादून और प्रयागराज में कार्यक्रम हो चुके हैं। पुणे में राहुल गांधी महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। राहुल गांधी ने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों और छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के उद्देश्य से 17 जून को राजस्थान के कोचिंग हब कोटा से 'छात्रों की गूंज' अभियान की शुरुआत की थी।

अभियान के दूसरे और तीसरे चरण को क्रमशः 17 जुलाई और 8 अगस्त को देहरादून तथा प्रयागराज में आयोजित किया गया था। इन कार्यक्रमों में छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बताया कि 'छात्रों की गूंज' अभियान का चौथा चरण 22 अगस्त को पुणे में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी मौजूद रहेंगे और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस का यह अभियान शिक्षा, रोजगार और छात्रों से जुड़े सवालों को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

महाराष्ट्र एटीएस का एक्शन

आतंकियों के वीडियो शेयर करने वाला ड्राइवर अरेस्ट

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र एटीएस ने सोशल मीडिया पर वांटेड आतंकियों के वीडियो प्रसारित करने के आरोप में पडघा के ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र एटीएस ने ठाणे जिले के पडघा से 35 वर्षीय एक ट्रक ड्राइवर को सोशल मीडिया पर वांटेड आतंकियों के भाषण वाले कट्टरपंथी वीडियो डाउनलोड कर साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है,कि आरोपी ने एक इंस्टाग्राम ग्रुप के जरिए इन वीडियोज को प्रसारित किया। जांच के लिए उसके डिजिटल डिवाइस जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं।

आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। इन वीडियो में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कमांडर फरहतुल्लाह घोरी और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर समेत वांटेड आतंकियों के भाषण शामिल बताए जा रहे हैं। इनके भड़काऊ भाषण आरोपी अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर करता था। हालांकि किस मकसद से आरोपी इन वीडियो को शेयर कर रहा था इसका पता लगाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी की पहचान सोहेल रज्जाक शेख के रूप में हुई है। वह मूल रूप से तलोजा का रहने वाला है और 2021 में पडघा आकर रहने लगा था।

वह पडघा के अर्जुनली इलाके में रह रहा था और वहां की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करता था। एटीएस ने बाद में सोहेल शेख को आगे की जांच के लिए पडघा पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं जांच एजेंसियों ने ऐसे ही मामले में चार अन्य लोगों से भी पूछताछ की है। फिलहाल मामले में पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस इस इंस्टाग्राम पेज की पीछे के पहलुओं को भी खंगालने में लगी है।

आज़ादी के दिन सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ देर के लिए हटाया गया, बाद में बहाल किया गया

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। शनिवार सुबह 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) का ऑफ़िशियल इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ देर के लिए हटा दिया गया था, लेकिन बाद में उसे बहाल कर दिया गया। पार्टी का आरोप है कि यह कदम आज़ादी के दिन उनकी आवाज़ दबाने की कोशिश थी। सीजेपी, जिसने हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, ने कहा कि उसने अपना अकाउंट सफलतापूर्वक वापस पा लिया है। पार्टी ने एक पोस्ट में कहा, कितनी शर्म की बात है कि जो लोग सीजेपी का विरोध करते हैं, उन्होंने हमारी आवाज़ दबाने की कोशिश के लिए भारत की आज़ादी का दिन चुना। हम ऐसी कायरतापूर्ण हरकतों से डरेंगे नहीं! सीजेपीके संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी अकाउंट हटाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पार्टी का ऑफ़िशियल इंस्टाग्राम हैंडल हटा दिया गया था और इस कदम के पीछे के लोगों को बेहद कायर कहा। यह घटनाक्रम सीजेपी द्वारा हाल के हफ़्तों में शुरू किए गए कई अभियानों के बीच हुआ है। इन अभियानों में सरकारी और ग्रामीण स्कूलों की स्थिति को उजागर करने वाले आउटरीच कार्यक्रम और छात्रों व शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन शामिल हैं।

पार्टी ने आज़ादी के दिन से पहले युवाओं से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय एजेंडे में शामिल करने की भी कोशिश की है। इसने एक अभियान शुरू किया था जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज़ादी के दिन अपने भाषण में देश के युवाओं को संबोधित करने का आग्रह किया गया था। इसमें बेरोज़गारी, शिक्षा और युवाओं को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों पर चिंता जताई गई थी। हाल के महीनों में, सीजेपी ने शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और छात्रों से जुड़े अन्य मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन और अभियान आयोजित किए हैं,

गर्भवती युवती की शादीशुदा प्रेमी ने की हत्या

भुवनेश्वर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले की एक युवती की हत्या के सनसनीखेज मामले ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में सामने आए इस मामले में पुलिस को हत्या और शव छिपाने का तरीका फिल्म 'दृश्यम' की याद दिला रहा है। मृतका ओडिशा के कोरापुट जिले के दसमंतपुर क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, युवती आंध्र प्रदेश के एक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। आरोप है कि युवक ने उसकी हत्या करने के बाद शव को दो दिनों तक छिपाकर रखा और बाद में गजपतिनगरम क्षेत्र में दफना दिया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और साइबर जांच की मदद से मामले का पर्दाफाश करते हुए शव बरामद कर लिया।

अब सबके लिए खुला है स्पेस का दरवाज़ा

बेंगलुरु, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप 'स्काईरूट एयरोस्पेस' के तीन-स्टेज वाले 'विक्रम-1' रॉकेट के सफल लॉन्च और मून बेस मिशन में नासा के इसरो को न्योता देने से भारत में स्पेस सेक्टर की प्राइवेट कंपनियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। प्राइवेट कंपनियां अब खास मिशन के लिए छोटे सैटेलाइट लॉन्च करने पर विचार कर रही हैं, खासकर खेती, फ्यूलिंग और री-फ्यूलिंग, हाइपर-स्पेक्ट्रल इमेजिंग और तेज़ी से कम लागत वाले लॉन्च के लिए।

प्राइवेट एजेंसियां स्पेस का कचरा (स्पेस डेब्रीस) हटाने के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेस एजेंसियों के साथ पार्टनरशिप करने पर भी विचार कर रही हैं, जो पूरी स्पेस कम्युनिटी के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। वे फ्लेक्सिबल, दोबारा इस्तेमाल होने वाले और कार्बन-न्यूट्रल मटीरियल का इस्तेमाल करके स्पेस सेक्टर में पर्यावरण से जुड़े पहलुओं पर भी काम कर रही हैं। मिशन साइकिल के आखिर में रॉकेट को वापस लाने के लिए भी प्रोग्राम को फिर से डिज़ाइन किया जा रहा है ताकि वे स्पेस के कचरे में न जुड़ें। ध्रुवा स्पेस के सीईओ और को-फाउंडर संजय नेक्कंती ने कहा कि स्काईरूट की सफलता पूरे भारतीय स्पेस इकोसिस्टम के लिए एक अहम पड़ाव है क्योंकि इससे भरोसा बढ़ता है। इससे एक गंभीर स्पेस टेक्नोलॉजी डेस्टिनेशन के तौर पर भारत में ग्लोबल भरोसा बढ़ेगा।

इंटरनेशनल कस्टमर अब भारत को सिर्फ़ इंजीनियरिंग टैलेंट के स्रोत के तौर पर नहीं, बल्कि ऐसी जगह के तौर पर देखेंगे जहाँ सैटेलाइट से लेकर लॉन्च और ऑपरेशन तक पूरे स्पेस मिशन को अंजाम दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इससे ग्लोबल पार्टनरशिप, सप्लाई चेन सहयोग और टेक्नोलॉजी के मिलकर विकास के लिए भी मौके खुलेंगे। निवेश के नज़रिए से, नेक्कंती ने कहा कि सफलता से भरोसा पैदा होता है और इस तरह के पड़ाव घरेलू और इंटरनेशनल, दोनों तरह के निवेशकों को ज़्यादा यकीन दिलाते हैं कि भारतीय स्पेस कंपनियां ग्लोबल स्तर पर मुकाबला करने वाले बिज़नेस बना सकती हैं। हम तेज़ी से डिप्लॉयमेंट, तय शेड्यूल और मिशन में लचीलेपन की तलाश कर रहे हैं।

जैसे-जैसे भारत ज़्यादा कमर्शियल लॉन्च की ओर बढ़ रहा है, हम सीमित लॉन्च विंडो का इंतज़ार किए बिना कस्टमर के पेलोड को ऑर्बिट में भेजने के और भी ज़्यादा मौके बना रहे हैं। हम भारत से हर महीने लॉन्च होते देखने से ज़्यादा दूर नहीं हैं। इससे सैटेलाइट कंपनियों के मिशन प्लान करने का तरीका पूरी तरह बदल जाता है। लॉन्च की उपलब्धता के हिसाब से डिज़ाइन करने के बजाय, कस्टमर अपनी बिज़नेस ज़रूरतों के हिसाब से डिज़ाइन करना शुरू कर सकते हैं, नेक्कंती ने कहा।

इसके साथ ही, ऑर्बिटएड एयरोस्पेस के फाउंडर और सीईओ शक्तिकुमार रामचंद्रन ने कहा कि स्काईरूट के विक्रम-1 की सफलता यह दिखाती है कि भारतीय स्टार्टअप जटिल स्पेस टेक्नोलॉजी बना सकते हैं, उनका टेस्ट कर सकते हैं और उन्हें लागू कर सकते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 16 अगस्त, 2026 3

सुविचार: गलती तुम्हारी है। जो मुर्खों के सवाल का जवाब देते हो।

तेलंगाना का पुनर्निर्माण कर भविष्य की मजबूत नींव रख रहे हैं : रेवंत रेड्डी

एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ने गोलकोंडा किले में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना का पुनर्निर्माण करने, कमजोर हुई व्यवस्थाओं को बहाल करने, कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ राज्य को विकास के मजबूत पथ पर आगे ले जाने के लिए काम कर रही है। शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हैदराबाद के गोलकोंडा किले में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के 32 महीनों के कठिन परिश्रम के परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछले 32 महीनों के दौरान राज्य सरकार ने जानबूझकर कमजोर की गई व्यवस्थाओं को बहाल किया, कल्याणकारी उपायों का विस्तार किया और विकास का नया मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार किए गए रोडमैप के साथ आगे बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025-26 के दौरान तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 4,18,931 रुपये रही। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से करीब 91 प्रतिशत अधिक है और यह तेलंगाना की मजबूत अर्थव्यवस्था को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कृष्णा और गोदावरी नदियों के जल में तेलंगाना के उचित हिस्से को सुरक्षित करने के मामले में कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि थुम्मादिहट्टी और पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना सहित लंबित सिंचाई परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सिंचाई का पानी सिंचाई क्षेत्र के अंतिम एकड़ तक पहुंचे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि जनता की सरकार तेलंगाना की एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि महिला समूह पेट्रोल पंप और सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित कर रहे हैं तथा परिवहन निगम की बसों के मालिक भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि तेलंगाना की महिलाएं अपने व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करें और देश की प्रमुख उद्यमियों के रूप में उभरें। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने अतिरिक्त 2.25 लाख लोगों को पेंशन लाभ देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों को नई पेंशन स्वीकृत की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंडल स्तर पर जनता की शिकायतों के समाधान के लिए 17 अगस्त से राज्यभर के सभी मंडल विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालयों में 'प्रजावाणी' अभियान शुरू किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही ऑनलाइन 'प्रजावाणी' पोर्टल भी शुरू किया जाएगा, जिसके माध्यम से राज्य के किसी भी हिस्से के लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। सरकार एक समर्पित निगरानी डैशबोर्ड के माध्यम से शिकायतों के समाधान की प्रगति पर लगातार नजर रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना अब केवल अन्य राज्यों से नहीं, बल्कि विश्व से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य औद्योगिक परियोजना अनुमोदन एवं स्वीकृति प्रणाली के माध्यम से 1.29 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर चुका है, जिससे 78 हजार से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आयोजित तेलंगाना राइजिंग वैश्विक शिखर सम्मेलन में 5.75 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों के जन-केंद्रित शासन के दौरान सरकार ने तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि राज्य को और मजबूत बनाने तथा तेलंगाना के लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने की प्रक्रिया को सरकार और तेज कर रही है।

जीएचएमसी कमिश्नर ने स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ हैदराबाद का आह्वान किया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को अपने मुख्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ अतिरिक्त आयुक्त (आईटी) पी. उदय कुमार, नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और स्टाफ भी शामिल हुए, जिसके बाद राष्ट्रगान और औपचारिक सलामी दी गई। सभा को संबोधित करते हुए कमिश्नर कर्णन ने नगर निगम के कर्मचारियों और नागरिकों से सार्वजनिक सेवा के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आह्वान किया।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लें: राज्यपाल

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शनिवार को प्रत्येक नागरिक से स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, साहस और देशभक्ति से प्रेरणा लेकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। राज्यपाल लोक भवन में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने पुलिसकर्मियों से औपचारिक सलामी भी प्राप्त की। राज्यपाल की पत्नी जानकी शुक्ला, राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, संयुक्त सचिव के. शशिकिरणाचार्य और लोक भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर तेलंगाना और पूरे देश को शुभकामनाएं देते हुए शुक्ला ने भारत की स्वतंत्रता हासिल करने में स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं द्वारा किए गए अदम्य बलिदानों को याद किया। उन्होंने कहा कि उनका साहस, बलिदान और देशभक्ति विकसित और आत्मनिर्भर भारत की ओर अपने सफर में देश को प्रेरित करती रहनी चाहिए। तेलंगाना को देश के विकास पथ में एक महत्वपूर्ण विकास इंजन बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि हैदराबाद ने खुद को भारत के प्रमुख विकास केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है।

तेलंगाना विधानसभा में अध्यक्ष ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने शनिवार को भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हैदराबाद स्थित विधानसभा परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में विधायक, विधान परिषद के सदस्य, परिषद सचिव डॉ. वी. नरसिम्हा चार्युलु, विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इससे पहले, अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेन्द्र रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और तेलंगाना तल्ली को पुष्पांजलि अर्पित की।

सिंगरेणी ने कोयले के दो नए ब्लॉक हासिल किए : सीएमडी

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के सीएमडी डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने कहा कि कंपनी ने राज्य सरकार की पहल और समर्थन से दो नए कोयला ब्लॉक हासिल किए हैं और आने वाले दिनों में और अधिक खदानों का अधिग्रहण करने की योजना बना रही है ताकि अपने परिचालन को मजबूत किया जा सके और तेलंगाना की बढ़ती बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। शनिवार को कोत्तागुडेम के प्रकाशम स्टेडियम में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अपना संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से सिंगारेनी ने हाल ही में लंबे समय से लंबित ताडिचेरला-2 कोयला ब्लॉक के लिए खनन पट्टा हासिल किया है। इस ब्लॉक में लगभग 340 मिलियन टन कोयले के उत्पादन की अनुमानित क्षमता है और इससे लगभग 40 वर्षों तक खनन कार्य जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी ने नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से पीके ओसी-2 डिप-साइड ब्लॉक भी हासिल कर लिया है, जिससे मनुगुरु क्षेत्र के विकास का एक नया अवसर मिला है। उन्होंने आगे कहा कि इस ब्लॉक में लगभग 12 करोड़ टन कोयले का अनुमानित भंडार है और यह मनुगुरु और व्यापक कोथागुडेम क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सीएमडी ने बस भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक वी. नागिरेड्डी ने कहा कि बदलते समय के अनुरूप टीजीएसआरटीसी को एक आधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली में परिवर्तित किया जा रहा है। नागिरेड्डी ने शनिवार को हैदराबाद के बस भवन में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि निगम यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई उपाय कर रहा है। नागिरेड्डी ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए यूपीआई और कार्ड आधारित भुगतान सहित डिजिटल सेवाओं के साथ-साथ लाइव बस ट्रैकिंग की सुविधा भी शुरू की गई है। नागिरेड्डी ने कहा कि आरटीसी सिर्फ एक सरकारी संगठन नहीं बल्कि एक सार्वजनिक संपत्ति है जो सभी की है। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और बसों और डिपो को साफ रखने की जिम्मेदारी साझा करने का आह्वान किया।

सीएस ने सचिवालय में तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तेलंगाना सचिवालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस समारोह में राज्य के शीर्ष नौकरशाहों, जिनमें विशेष मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और विभागीय सचिव शामिल थे, के साथ-साथ सरकारी अधिकारियों और सचिवालय के कर्मचारियों की एक बड़ी भीड़ ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पेटलाबुर्ज में मनाया गया 80 वां स्वतंत्रता दिवस

उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले 72 पुलिसकर्मी सम्मानित

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्तालय के तत्वावधान में पेटला बुर्ज स्थित सीएआर मुख्यालय में शनिवार को 80वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। शहर पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी ली। इस अवसर पर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के बलिदानों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद कर्तव्य निर्वहन में समर्पण और उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले 72 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पुलिस आयुक्त ने प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली खाद्य मिलावट पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विशेष रूप से एच-फास्ट विभाग का गठन किया गया है। यह विभाग कार्यबल और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के समन्वय से काम कर रहा है तथा मिलावटखोरों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जा रही है।

उन्होंने नववर्ष समारोह, श्रीराम नवमी और हनुमान जयंती की शोभायात्राओं के साथ ही हाल ही में संपन्न ऐतिहासिक आषाढ़ बोनालु उत्सवों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दिन-रात सुरक्षा व्यवस्था में जुटे पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष रूप से सराहना की। समारोह में सीएआर मुख्यालय के पुलिस उपायुक्त आर. वेंकटेश्वरलु, चारमीनार क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त किरण खरे, कार्यबल के पुलिस उपायुक्त गायकवाड़ वैभव रघुनाथ, पुलिस उपायुक्त (प्रशासन) के. वेंकट लक्ष्मी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बी. किश्तैया सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दमरे महिला कल्याण संगठन ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिकंदराबाद के चिलकलगुड़ा स्थित विद्या विहार हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया। संगठन की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने भी समारोह में भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव ने विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा विद्यार्थियों के बीच उपहार और अल्पाहार वितरित किया। इस अवसर पर वंदना श्रीवास्तव ने दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के साथ लालागुड़ा स्थित केंद्रीय अस्पताल का भी दौरा किया। उन्होंने अस्पताल के प्रसव कक्ष के लिए 236 लीटर क्षमता का रेफ्रिजरेटर तथा डायलिसिस इकाई में मरीजों की सुविधा के लिए व्हीलचेयर की पहुंच वाले रैंप सहित वजन मापने की मशीन भेंट की। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. निर्मला राजाराम तथा केंद्रीय अस्पताल की चिकित्सा निदेशक डॉ. च. पद्मा भी उपस्थित रहीं।

दक्षिण मध्य रेलवे ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने शनिवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया। सिकंदराबाद स्थित रेलवे खेल परिसर मैदान में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल की टुकड़ी की ओर से प्रस्तुत राष्ट्रीय सलामी ग्रहण की। समारोह में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, रेलवे की महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अरोमा सिंह ठाकुर, वरिष्ठ रेलवे अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य तथा रेलवे विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थी शामिल हुए। रेलवे डिग्री महाविद्यालय, कनिष्ठ महाविद्यालय और रेलवे मिश्रित उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। रेलवे सुरक्षा बल के कमांडो प्रदर्शन और श्वान दस्ते के प्रदर्शन ने भी दर्शकों को रोमांचित किया। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता हासिल करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस उनके योगदान को याद करने और राष्ट्र की प्रगति एवं विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। वर्तमान वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में दक्षिण मध्य रेलवे की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि रेलवे ने 4,060.57 करोड़ रुपये का सकल प्रारंभिक राजस्व अर्जित किया। इसमें माल ढुलाई से 2,640.80 करोड़ रुपये तथा यात्री आय से 1,236.88 करोड़ रुपये शामिल हैं। महाप्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण मध्य रेलवे परिवार के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहेगा तथा भारतीय रेल और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
RIKAB GUNJ, HYDERABAD
2nd & 3rd Floor, D.No. 21-1-974, Opp. to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad-500 002. E-mail : ceo@agrohabank.com

Special Notice to members : of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd
Special Notice of Extra-ordinary General Body Meeting :

The special notice is hereby given to the members, that - Extra ordinary special General body meeting of the members of Agroha co-operative Urban Bank Limited (T.A. No.1473) will be held on 30.08.2026, Sunday at 11:25 A.M. at Hotel Royalton, Chirag Ali lane, Abids, to pass the following Special Resolutions :

1. To consider, and approve, the board resolution passed unanimously by board of directors in their meeting no. 290 agenda 22 held on 24.07.2026 for considering amalgamation of Agroha co-operative Urban Bank Ltd Ghansi bazar, Hyderabad with Agrasen co-operative Urban Bank Ltd , siddiamber bazar, Hyderabad in terms of RBI/DoR/2025-26/270 DoR.HOL.REC.189/16-13-100/2025-26 November 28, 2025 Reserve Bank of India (Urban Co-operative Banks - Voluntary Amalgamation) Directions, 2025.
2. To consider transfer of All its assets and liabilities in whole to Agrasen Co-op. Bank in terms Section 44A and Section 35 A of Banking Regulation Act 1949 as amended vide Banking Regulation (Amendment)Act 2020(39 of 2020), read with section 56 of Banking Regulation Act 1949, and as per provisions of section 12 of T.S.C.S. Act 1964 -shareholders are required to pass the resolution by two -thirds in number and value present in the meeting called for this purpose.
3. To Authorize the Chairman of the Board of Directors / CEO of the Bank to submit the scheme of Amalgamation for Approval to RBI and Registrar of Co-operative Societies, Govt of Telangana.
4. To Authorize Directors, Chairman, CEO to implement the scheme of Amalgamation as approved by RBI.
5. To Discuss and approve the Swap Ratio for shares of Agroha Bank to Agrasen Bank as 1:1 offered by Agesen Bank.
6. To discuss and approve -In terms of section 44 A(3) dissenting members shall be required to claim within three months from date of sanction the value of the shares held by them as per the scheme as Approved By RBI.
7. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the depositors that the Interest of Depositors shall be fully protected.
8. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the Creditors of Agroha Bank that , the Interest of creditors shall be fully protected and their dues shall be immediately cleared as and due.
9. To approve the appointment of Statutory Auditors for conducting Audit of Balance sheet and Profit and Loss account.
10. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with relation to process of Amalgamation - with consent of Chairman.

Date : 08.08.2026
Place : Hyderabad

(By order of the Board of Directors)
Sd./- Mahesh Kumar Kedia
Chairman

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
E-mail: info@agrasenbank.bank.in Website: www.agrasenbank.bank.in
अग्रसेन बैंक
Estd.1998
(T.A. No. 1439)

NOTICE TO SHARE HOLDERS FOR SPECIAL GENERAL BODY MEETING

Notice is hereby given to the Share Holders of the Bank that a Special General Body Meeting will be held on 6th September, 2026 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500004, TG at 11.30 am to transact the following items of the Agenda:

1. To accept, consent & approve the amalgamation of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd., with The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd., in accordance with Section 44A read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949, TCS Act 1964 and the Scheme of Amalgamation to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
2. To accept, consent & approve the Scheme of Amalgamation.
3. To empower & authorize the Board to create, issue & allot such number of equity shares of The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd. to the members of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd in the Swap ratio of 1:1 and/ or in accordance with the Scheme to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
4. To empower & authorize the Board to make modification & alteration to the Scheme of Amalgamation including those as may be required or suggested by The Reserve Bank of India.

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager / CEO

Place : Hyderabad
Date : 14-08-2026

विधानभवन में सीएम योगी ने फहराया झंडा

'देश को बांटने वाली ताकतों से सतर्क रहना होगा'

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शनिवार को पूरा उत्तर प्रदेश देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानभवन में ध्वजारोहण किया। समारोह में पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन हुआ, इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। हेलीकॉप्टर से विधानभवन परिसर में पुष्पवर्षा भी की गई।

ध्वजारोहण के बाद कलाकारों ने बुंदेलखंड, ब्रज और पूर्वांचल के लोकगीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और अरुणाचल प्रदेश से आए कलाकारों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने शहीदों और राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित जवानों के परिजनों को सम्मानित किया।

भगवा पगड़ी में नजर आए योगी

समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवा पगड़ी में नजर आए। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक धोती-कुर्ता पहने दिखे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर भी ध्वजारोहण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को अराजकता और अशिक्षा से मुक्त करने के लिए देश को कमजोर करने वाली ताकतों से सतर्क रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि देश के गरीब, युवा, महिला और किसान चार प्रमुख वर्ग हैं और इनके लिए काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे।

तिरंगे से सजा पूरा प्रदेश

स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेशभर में घरों, दुकानों और सरकारी-गैर सरकारी इमारतों पर तिरंगा लहराता नजर आया। चौराहों और सरकारी कार्यालयों को तिरंगे से सजाया गया। जगह-जगह ध्वजारोहण और देशभक्ति के कार्यक्रम हुए। आगरा में बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाली, जबकि वाराणसी में बाबा विश्वनाथ का मंदिर तिरंगा स्वरूप में सजाया गया।

योगी बोले- 4 करोड़ से ज्यादा रोजगार का सृजन हुआ

सीएम योगी ने कहा- सुशासन के मॉडल का प्रभाव है कि प्रदेश को पिछले 9 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपए का इन्वेस्ट मिला है। 4 करोड़ से ज्यादा रोजगार का सृजन हुआ। बड़े उद्योगों की संख्या ढाई गुना बढ़ी। 22 हजार से ज्यादा स्टार्टअप भी हो गए हैं। 9 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। इंसेफ्लाइटिस जैसी संचारी बीमारियों को खत्म कर दिया गया है। स्कूलों में ड्रॉपआउट रेट 19 फीसदी से घटकर केवल 3 फीसदी बचा है। पिछले 9 साल में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को उचित मानदेय दिया है।

देश को विदेशी दासता से मुक्त कराना ही था रणबांकुरों का ध्येय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कहा कि लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान के परिणामस्वरूप 1947 में आज ही के दिन भारत को स्वाधीनता प्राप्त हुई। हर भारतवासी जिस उन्मुक्त वातावरण में स्वाधीनता का अहसास कर रहा है, वह भारत माता के महान सपूतों, बलिदानियों के त्याग, तपस्या व बलिदान का परिणाम है। देश अंतरविरोधों व षडयंत्रों के कारण गुलाम हुआ, लेकिन इसने मन-मस्तिष्क से गुलामी को कभी स्वीकार नहीं किया। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में गुलामी के खिलाफ अलग-अलग समय में संघर्ष और आंदोलन हुए। 1857 का प्रथम स्वातंत्र्य समर सामूहिक रूप से देश की स्वाधीनता के लिए किए गए प्रयास का महत्वपूर्ण पड़ाव था, जब बैरकपुर में मंगल पांडेय, झांसी में रानी लक्ष्मीबाई, मेरठ में धनसिंह कोतवाल आदि रणबांकुरों के नेतृत्व में हर गांव, जनपद, प्रांत में स्वाधीनता की लौ जलती दिखाई दे रही थी। उस समय सभी के मन में एक ही भाव था कि हमें देश को विदेशी दासता से मुक्त कराना है।

हैवान बाप : मनाना था 11 माह की बेटी का पहला जन्मदिन

यमुना में फेंककर मार डाला; निर्दयी पिता के नहीं कांपे हाथ

आगरा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा में मां-बेटी को मारने के लिए निर्दयी पिता ने गहरी साजिश रची। पहले जन्मदिन पर खुशियां मनाने के बहाने सुलह की। कपड़े खरीदवाने के लिए घर से लेकर आया। रास्ते में पुल पर सुहावने मौसम को कैमरे में कैद करने के बहाने रुक गया।

फिर जो किया उसे सुनकर लोगों की रूह कांप गई। जिस बेटी को गोद में उठाकर दुलारना था, उसे पल भर में पानी में डुबो दिया। चीखती पत्नी को भी फेंक देता अगर लोग नहीं आते। हर कोई यही बात कह रहा था कि आखिर पिता के हाथ नहीं कांपे। मासूम ने किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा था। पिता भूप सिंह का आरोप है कि दो साल पहले शादी के बाद से ही लक्ष्मी का ससुराल में उत्पीड़न शुरु हो गया।

पति रिंकू ग्रेजुएशन के बाद एसएससी की तैयारी कर रहा है। इसके बावजूद वह अपने घरवालों की तरह पत्नी का उत्पीड़न करता था। कई बार लक्ष्मी मायके पहुंचकर अपनी पीड़ा बताया करती थी। इस पर पंचायत कर समझाने का प्रयास किया। हर बार रिंकू फिर से उत्पीड़न न करने की कहकर वापस ले जाता था। बेटी होने के बाद उत्पीड़न बढ़ गया। जेठ भी परेशान करता था। लक्ष्मी पर दबाव बना रहा था कि वह पिता से प्लाट उसके नाम पर करा दे। तीन दिन पहले भी पत्नी से झगड़ा किया। बाद में उसने पत्नी के साथ बेटी को भी मारने की साजिश रच डाली। 17 अगस्त को ही बेटी वंशिका का जन्मदिन आने वाला था। वह बाजार से खरीदारी की कहने लगा। दोपहर में पत्नी से बात की। कहा कि वह सिकंदरा चलेंगे। पहले बेटी के लिए कपड़े खरीदेंगे। बाद में उसे भी साड़ी दिला देगा। मगर लक्ष्मी पति के इरादे नहीं भांप सकी। वह बेटी को गोद में उठाकर चल दी। गांव नेरे का पुल पर रुकने के बाद सुहावने मौसम की तस्वीर लेने के बहाने रुक गया। पहले पत्नी फिर बेटी के साथ फोटो खींचे। अचानक से उसे हवा में उछाल दिया। पत्नी को भी वो फेंक देता। मगर बाइक सवार आ गए। उन्होंने उसे बचा लिया। घटनास्थल पर पहुंचे लोग यही कह रहे थे बेटी को फेंकते समय पिता के हाथ नहीं कांपे।

स्वतंत्रता दिवस पर मायावती ने दी शुभकामनाएं

सरकारों से युवा मांग रहे जवाबदेही, जिसे गंभीरता से लें

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने देशवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश में अनेक समस्याओं के बावजूद लोग स्वतंत्रता दिवस का जश्न हर्ष-उल्लास से मनाएं, लेकिन 'विकसित भारत' और 'मेरा भारत महान' के सपने को साकार करने की क्षमता रखने वाली युवा पीढ़ी अब सरकारों से जवाबदेही भी मांग रही है। मायावती ने कहा कि वर्तमान में भारत की आबादी का लगभग 52 प्रतिशत हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं का है। यह युवा वर्ग अपने जीवन को आत्म-सम्मान के साथ बेहतर बनाने और भविष्य संवारने के लिए प्रयासरत है। इसके बावजूद व्यवस्था में बैठे लोगों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के कारण युवाओं में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि युवा बेहतर स्कूल, अस्पताल और सड़कों जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए शासन-प्रशासन से जवाबदेही चाहते हैं।

बीएसपी प्रमुख ने संविधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं के बीच स्थापित 'चेक एंड बैलेंस' की व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था कमजोर नहीं पड़नी चाहिए, ताकि कोई भी निरंकुश न हो सके और देश व समाज के सभी वर्गों को समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिले।

अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप के मालिक को मारी गोली

पटना, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पटना के कंकड़बाग इलाके में शुक्रवार रात ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाने पहुंचे बदमाशों ने विरोध करने पर दुकानदार को गोली मार दी।

घटना टेम्पो स्टैंड के पास अशोक नगर स्थित आंचल अलंकार ज्वेलर्स की है। गोली दुकानदार दीपक के पेट में लगी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जुड़ गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दुकान बंद करने के दौरान एक बदमाश बगल की तरफ का शटर उठाकर अंदर प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। उस समय दीपक और उनकी पत्नी दुकान में मौजूद थे। दोनों ने युवक को रोकने का प्रयास किया।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर कसा तंज

जिन्होंने तिरंगे का सम्मान नहीं किया, वे आज तिरंगा यात्रा निकाल रहे

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। पार्टी नेताओं ने लाखों क्रांतिकारियों और शहीदों को नमन करते हुए कहा कि उनके बलिदान से देश स्वतंत्र हुआ। संविधान मजबूत होगा तो लोकतंत्र भी मजबूत होगा और संविधान की मजबूती के लिए हर त्याग किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने कहा, आजादी के बाद भी किसान सबसे ज्यादा परेशान है। सरकार पर शिक्षा के क्षेत्र में संकट पैदा करने और स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग को खुद इलाज की जरूरत है। जिन्होंने तिरंगे का सम्मान नहीं किया, वे आज तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने भाजपा और आजादी को एक-दूसरे का विलोम बताया। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहली बरसात में सड़क ढह गई, जबकि 63 किलोमीटर सड़क की लागत चार हजार करोड़ रुपये से अधिक है। लाल किला झूठ बोलने की जगह नहीं है। महिला आरक्षण विधेयक 2027 में लागू करने की मांग करते हुए कहा कि सपा इसके लिए तैयार है। साथ ही सत्ता में आने पर समाजवादी पेंशन फिर शुरू करने का दावा किया।

अखिलेश बोले-गोरखपुर में ठेकेदार की हत्या हो गई

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पीडीए समाज के शोषण, अपराध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वंचित समाज के लोग इसका सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं। प्रतापगढ़ में सौरभ विश्वकर्मा की हत्या, बदायूं में डॉक्टर से मारपीट और गोरखपुर में बिजली ठेकेदार की हत्या की घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। भाजपा शासन में महंगाई और भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। थाना और कचहरी भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म और जाति देखकर फैसले किए जा रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध, जमीनों पर कब्जे और पुलिस हिरासत में मौत की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं।

950 ग्राम गांजा बरामद, पिता-पुत्र गिरफ्तार; पुलिस खंगाल रही पूरा नेटवर्क

समस्तीपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के लिलहौल गांव में शुक्रवार देर शाम पुलिस ने एक सरकारी शिक्षक के घर छापेमारी कर 950 ग्राम गांजा बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने मौके से शिक्षक और उनके पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में दोनों के गांजा के कथित अवैध कारोबार से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद गांजा कहां से आया और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

गुप्त सूचना पर शिक्षक के घर पहुंची पुलिस

सिंघिया थानाध्यक्ष श्याम कुमार मेहता के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि लिलहौल गांव के वार्ड संख्या-9 स्थित सरकारी शिक्षक दिलीप कुंवर के घर में गांजा रखा गया है। सूचना का सत्यापन कराने के बाद शुक्रवार शाम पुलिस टीम ने घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने करीब 950 ग्राम गांजा बरामद किया।

डिलीवरी बॉय को पीटने वाले कपल पर एफआईआर दर्ज

दोनों फ्लैट पर ताला लगाकर फरार

मेरठ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ में ब्लिंकिट के डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट करने के मामले में कपल पर एफआईआर दर्ज हो गई है। पुलिस ने बताया कि कपल अपना फ्लैट बंद करके मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस लगातार उन्हें पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। कपल पर आरोप है कि उन्होंने डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट की। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक युवक सामान पहुंचाने आए डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट करता है। इसके बाद आरोप है कि उसे फ्लैट के अंदर ले जाकर उसके साथ मारपीट की जाती है।

डिलिवरी बॉय को फ्लैट के अंदर पीटा

जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के गंगानगर स्थित गंगा हाइट्स में हुई। बताया जा रहा है कि एक युवक ने डिलिवरी बॉय को समय से थोड़ा देरी से आने के कारण अपने घर के सामने पीट दिया। इसके साथ ही आरोप है कि युवक ने अपने फ्लैट के अंदर ले जाकर भी डिलीवरी बॉय की पिटाई की।

पुलिस ने कपल पर दर्ज किया केस

इस घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित ने इस मामले में भावनपुर थाने में पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने दंपति के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों अपना फ्लैट बंद कर मौके से भाग गए है।

पुलिस मामले की जांच कर रही

इस घटना को लेकर सीओ सदर देहात सुधीर सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार की है। ब्लिंकिट के डिलीवरी एजेंट जब ऑर्डर लेकर आए थे, तो देरी से आने का हवाला देते हुए, उनके साथ अभद्रता और मारपीट की गई। पुलिस ने सभी लोगों की पहचान कर ली है। वादी से तहरीर प्राप्त कर थाना भावनपुर में केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सैन्य अधिकारी समेत दो की मौत

बेकाबू कार डिवाइडर पार कर दूसरी गाड़ी से टकराई

सहारनपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। सहारनपुर के सरसावा क्षेत्र में देहरादून-पंचकूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर झबीरन कट के पास हुए भीषण सड़क हादसे में सैन्य अधिकारी समेत दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में अंबाला निवासी अधिकारी परमिंदर सिंह (45) और उनके चालक रवि शंकर (35) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में आईटीबीपी अधिकारी का गनर और दूसरी गाड़ी में सवार तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। बताया गया कि परमिंदर सिंह अपने चालक रवि शंकर और गनर जयराम के साथ कार में सवार होकर मसूरी से अंबाला स्थित अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही कार राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव झबीरन के पास पहुंची, वह अनियंत्रित हो गई। कार डिवाइडर को पार करते हुए दूसरी दिशा से आ रही गाड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार में सवार परमिंदर सिंह और उनके चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।

अंकल, मुझे बचा लो : बंधक बना रखा है

नाबालिग की हिम्मत से खुला बच्चियों की खरीद-फरोख्त का खेल, पांच गिरफ्तार

अलीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अंकल, मुझे बचा लो... मुझे यहां बंधक बनाया गया है। अलीगढ़ में टप्पल के मौर गांव से डायल 112 पर आई एक नाबालिग की इस कॉल ने पुलिस को अंतरराज्यीय मानव तस्करी के संगठित नेटवर्क तक पहुंचा दिया। बच्ची ने घर की बहू के मोबाइल का पैटर्न लॉक खोलकर पुलिस को अपनी लोकेशन बताई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई की और उसे मुक्त कराया। जब जांच आगे बढ़ी तो दो और बालिकाओं को बचाया। पुलिस ने महिला सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार गिरोह छत्तीसगढ़, झारखंड और राजस्थान से आर्थिक रूप से कमजोर और बेसहारा बच्चियों को पढ़ाई-लिखाई और बेहतर भविष्य का झांसा देकर अलीगढ़ लाता था। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर 70 हजार से एक लाख रुपये तक में ऐसे लोगों को बेच दिया जाता था, जिनकी शादी नहीं हो रही थी। पुलिस को बच्चियों को दिल्ली-एनसीआर में घरेलू काम में लगाए जाने की भी आशंका है।

अलीगढ़ स्टेशन पर अकेली मिली नाबालिग

पुलिस के मुताबिक करीब चार महीने पहले एक 15 वर्षीय नाबालिग छत्तीसगढ़ से एक युवक के साथ निकली थी। कुछ दिन बाद युवक उसे अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर छोड़कर चला गया। परिजनों ने छत्तीसगढ़ में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। स्टेशन पर अकेली मिली बच्ची पर कथित तौर पर बबिता उर्फ चाची की नजर पड़ी। आरोप है कि बबिता ने बच्ची को सहानुभूति दिखाकर खाना खिलाया और मदद का भरोसा दिया। इसके बाद अपने सहयोगी सुखराम उर्फ महावीर के जरिये उसे टप्पल के मौर गांव निवासी विनोद जाट के हाथ बेच दिया गया।

जबरन शादी, मारपीट और फिर मोबाइल से गुहार

पुलिस के अनुसार विनोद ने बच्ची की जबरन अपने बेटे से शादी करा दी। आरोप है कि घर में उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी। इससे परेशान बच्ची ने मौका देखकर घर की बहू का मोबाइल उठाया और उसका पैटर्न लॉक खोल लिया। इसके बाद उसने डायल 112 पर फोन कर अपनी लोकेशन और बंधक बनाए जाने की सूचना दी। बीते सात अगस्त को कॉल मिलते ही सीओ खैर अभिषेक पटेल और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट सक्रिय हुई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को मुक्त कराया। पूछताछ और जांच में दो अन्य नाबालिग बच्चियों के भी गिरोह के संपर्क में होने की जानकारी मिली। दोनों को भी पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

तीन खरीदार भी पकड़े गए

पुलिस ने कथित सरगना बबिता उर्फ चाची निवासी प्रयागराज और उसके सहयोगी सुखराम उर्फ महावीर निवासी गोंडा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सुखराम मूल रूप से राजस्थान के डीग का रहने वाला है और पहचान छिपाकर यहां रह रहा था। इसके अलावा मौर गांव निवासी विनोद जाट, गोंडा निवासी बबलू और ओमपाल सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि इन तीनों ने शादी के नाम पर नाबालिग बच्चियों को खरीदा था।

करंट लगने से दो युवकों की मौत

आगरा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा के फतेहपुर सीकरी में शुक्रवार शाम अलग-अलग स्थानों पर करंट की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। हादसों के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

सौनौठी गांव निवासी प्रताप सिंह (25) पुत्र लाखन सिंह शुक्रवार शाम को कूलर में आ रहे करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे उपचार के लिए ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। वहीं, ग्राम गुर्जरपुरा में देर रात्रि इलेक्ट्रिक बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हो गया था। बताया गया है कि 18 वर्षीय पवन दत्ता पुत्र मंगल सिंह बोर्ड को ठीक कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया।

'गोरखपुर से अच्छा जौहर विवि, इसलिए जानबूझकर उसे तोड़ा, 2027 में होगा सत्ता परिवर्तन'

इटावा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। इटावा जिले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा आगामी विधानसभा चुनाव में इंकलाब के साथ सत्ता परिवर्तन करेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से सत्ता में आई डबल इंजन की सरकार देश और प्रदेश को बांटने का काम कर रही है। सपा लोगों को जोड़ने का काम करेगी और भाजपा को सत्ता से हटाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर शिवपाल ने कहा कि इटावा में गोरखपुर से बेहतर विश्वविद्यालय बना है।

इसलिए जानबूझकर विश्वविद्यालय को तोड़ने का काम किया गया। इटावा सदर विधायक के वायरल वीडियो पर उन्होंने कहा कि यह सत्ता के दंभ की भाषा है। गरीब ब्राह्मण जब परेशानी में जनप्रतिनिधि के पास पहुंचे और उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाए, तो शर्म आनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यही नारी वंदन है? युवकों पर मुकदमे दर्ज होने के सवाल पर शिवपाल ने कहा कि सरकार में झूठे मुकदमे लिखाने का चलन है। सत्ता परिवर्तन के बाद झूठे मुकदमे दर्ज कराने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा का गठबंधन है और आगे भी रहेगा।

नए स्मार्ट राशन कार्ड और नई पेंशन के वितरण पर महेश कुमार गौड़ ने संतोष जताया

स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य सरकार की ओर से वितरित किए जा रहे नए स्मार्ट राशन कार्ड और नई सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर प्रसन्नता व्यक्त की। स्वतंत्रता दिवस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर एआईसीसी सचिव व तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष के सह प्रभारी सचिन सावंत भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि गरीब, अत्यंत गरीब, बुजुर्ग, विधवा, दिव्यांग, एकल महिलाओं सहित सभी पात्र वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के उद्देश्य से जन सरकार आगे बढ़ रही है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि 15 अगस्त से राज्यभर में करीब 1.05 करोड़ नए राशन कार्डों के वितरण की शुरुआत करना सराहनीय कदम है। राज्य के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ वितरण शुरू किए जाने से पात्र परिवारों की खाद्य सुरक्षा और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि नए स्मार्ट राशन कार्डों में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किए जाने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और अनियमितताओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्यूआर कोड युक्त स्मार्ट राशन कार्ड लोगों के लिए दीर्घकाल तक उपयोगी साबित होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पात्र नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराना गरीबों के प्रति कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गरीबों का कल्याण कांग्रेस सरकार के लिए केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि जन सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल से लंबित अनेक कल्याणकारी मामलों का एक-एक कर समाधान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र परिवार तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राशन कार्ड और पेंशन तक सीमित न रहते हुए जनता से किए गए प्रत्येक वादे को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है और तेलंगाना में 'इंदिरम्मा राज्यम-जन कल्याणकारी शासन' को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लाना कांग्रेस सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पात्रता रखने वाला कोई भी परिवार कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के दिन लाखों गरीब परिवारों को स्मार्ट राशन कार्ड और नए पात्र लाभार्थियों को पेंशन उपलब्ध कराना जन सरकार के कल्याणकारी शासन का प्रमाण है। उन्होंने इसे तेलंगाना की जनता के लिए स्वतंत्रता दिवस का उपहार बताया।

कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी के आरोपों में सच्चाई : केटीआर

बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना भवन में तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का पर्दाफाश अब न केवल विपक्षी दलों द्वारा किया जा रहा है, बल्कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के विधायकों द्वारा भी खुले तौर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी द्वारा की गई टिप्पणियों से पूरी तरह सहमत हैं। केटी रामाराव ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के एक जन प्रतिनिधि को सरकार और उसके वरिष्ठ नेतृत्व के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, यह इस बात का प्रमाण है कि तेलंगाना में शासन व्यवस्था कितनी बुरी तरह बिगड़ गई है। शनिवार को तेलंगाना भवन में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि लंबे समय से कांग्रेस सरकार विपक्षी दलों द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को महज राजनीतिक आलोचना बताकर खारिज करती रही है।

भव्य काँवड़ यात्रा आज, तैयारी पूर्ण

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ द्वारा आज 16 अगस्त को चारमीनार स्थित श्री महादेव मंदिर से सुबह 6.31 बजे भव्य 29वीं गंगाजल पद यात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियाँ पूर्ण हुई हैं।

यात्रा महादेव मंदिर चारमीनार से यात्रा प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई सरूरनगर स्थित श्री उमा महेश्वर स्वामी देवस्थानम जाएगी। बंडारू दत्तात्रेय, पूर्व राज्यपाल, चन्द्रशेखर तिवारी, जनरल सेक्रेटरी, भाजपा तेलंगाना, एन. रामचंदर राव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना, टी. राजा सिंह, विधायक, गोशामहल, प्रेम सिंह राठौड़, पूर्व विधायक, सी.एन. गोपीनाथ रेड्डी, (सेवानिवृत्त आईपीएस), श्रीमती बी. सुनीति, पुलिस आयुक्त, मल्काजगिरी, श्रीमती बी. अनुराधा, आईपीएस, डीसीपी, एल.बी. नगर, डॉ. भगवंत राव, वरिष्ठ भाजपा नेता, गोविन्द नारायण राठी, वाइस चेयरमेन, महेश बैंक, सुश्री शशिकला मिश्रा, भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार एवं श्रीमती शांति देवी अक्का, बीआरएस नेता सम्माननीय अतिथि होंगे। काँवड़ यात्रा का जगह-जगह विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा।

सह प्रचार मंत्री पंकज वर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महादेव मंदिर में आयोजित बैठक में अध्यक्ष माँगीराम तायल ने तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर की प्रमुख संस्थाओं द्वारा काँवड़ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा का स्वागत मैढ़ स्वर्णकार समाज तेलंगाना काँवड़ समिति (मदन भवन, चारकमान), हिन्दू धर्म प्रेमी, भाग्यनगर (मामा जुमला फाटक), गो सेवा मित्र मंडल (रिकाबगंज, चारकमान), अग्रवाल समाज, घाँसी बाजार शाखा, श्री वीर हनुमान भक्त मंडल (एमबी टॉवर्स), कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति (एमबी टॉवर्स, घाँसी बाजार), भू लक्ष्मी माता मंदिर, मुक्तियारगंज दुर्गा माता मंदिर (विष्णु मित्तल), मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज (गौलीगुड़ा चमन), अग्रवाल समाज, हैदरगुड़ा शाखा (तिलक रोड), अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा (काचीगुड़ा सर्कल), माँ बनभौरी परिवार (रामकोट चौराहा), अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा (मलकपेट गंज), राम सेवा समिति ट्रस्ट (शिव गंगा टॉकिज रोड), गौ सेवा ट्रस्ट (घाँसी बाजार) द्वारा स्वागत किया जाएगा। इसके अलावा भाजपा नेता नितेश अग्रवाल (घाँसी बाजार), देवकीनंदन रमेशचंद परिवार, दिनेश कुमार फैमिली एंड फ्रेण्ड्स, डॉ. रंजीत सिंह, रमेशचंद परिवार (निम्बोलीअड्डा), सोनी परिवार (काचीगुड़ा), लाखन सिंह ठाकुर परिवार, किंकांण परिवार, हरिओम पॉली क्लीनिक की ओर से पूर्व पार्षद रेणु सोनी एवं गौरीशंकर सोनी तथा विनय कुमार अग्रवाल (दिलसुखनगर) द्वारा भी कांवड़ यात्रा का स्वागत किया जाएगा।

कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद ने बताया कि 1251 काँवड़धारियों ने पंजीकरण करवाया है। महादेव मंदिर मे कांवड़ यात्रा के प्रधान संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि यात्रा के सभी पडावों पर तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

बैठक में मांगेराम तायल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, मनीष किंकांण, कमल किशोर मालाणी, मीनू गुप्ता, नंदगोपाल भट्टड़, ओमप्रकाश अग्रवाल, ललित कडेल, सुरेश जागनानी , विजय कुमार अग्रवाल, संदीप मिश्रा, भरत अग्रवाल, पंकज वर्मा, शरद वर्मा, उमेश सोनी, भारत छाबरिया, नितेश अग्रवाल, अरिहंत बैद, विनय सोनी उपस्थित थे।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता जी मंदिर में स्वतंत्रता दिवस 80 वें आयोजित में ध्वजा रोहण में संरक्षक प्रभुराम परिहारीया, अध्यक्ष कालुराम काग, उपाध्यक्ष वक्तराम पंवार , सचिव डायाराम लचेटा,सह सचिव राजाराम गेहलोत, सलाहकार पुनाराम हाम्बड़, ओगड़राम सैणचा, तेजाराम काग, रताराम सोलंकी,जरुपराम,अर्जुन सिंह राठौड़, खीवाराम गेहलोत, पुनाराम पंवार, ताराराम भायल, देवाराम परिहारीया, पाबुराम परिहारीया, मुलाराम , कंचन देवी काग, राधा राठौड़, सुनिता काग व समाज बन्धु।

संगारेड्डी में जग्गारेड्डी के नेतृत्व में होगी विशाल जनसभा : महेश कुमार गौड़

संगारेड्डी, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि संगारेड्डी में विधायक जग्गारेड्डी के नेतृत्व में जल्द ही एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जग्गारेड्डी के नेतृत्व में संगारेड्डी में होने वाला हर कार्यक्रम राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण मोड़ साबित होता है। संगारेड्डी में मीडिया से बातचीत करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि वर्ष 2017 में जग्गारेड्डी के नेतृत्व में आयोजित राहुल गांधी की सभा ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सभाओं में सुरक्षा व्यवस्था के तहत सामान्यतः मंच पर केवल 50 लोगों के रहने की अनुमति होती है, लेकिन संगारेड्डी की सभा में जग्गारेड्डी ने 150 लोगों को मंच पर बैठाया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को विशेष सुरक्षा समूह की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद देशभर में उनकी सभाओं में चली आ रही इस परंपरा में पहली बार संगारेड्डी में बदलाव हुआ था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट राशन कार्ड गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाला माध्यम है। गरीबों को मिलने वाली आवश्यक वस्तुओं और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ स्मार्ट राशन कार्ड के माध्यम से उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड गरीबों के जीवन से सीधे जुड़ा हुआ अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। गरीब परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ राशन कार्ड के इर्द-गिर्द ही जुड़ा हुआ है।

संतोष नगर स्थित दक्कन कोआपरेटिव अर्बन बैंक में झंडारोहण किया गया। बैंक के चेयरमैन डा. रामकुमार तिवारी सीईओ एवं निदेशकगण अश्विनी कुमार, दशरथ प्रबंधक सुल्तान वली व शेयरधारक उपस्थित रहे।

एसबीआई मुख्यालय में झंडावंदन

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सर्कल के सीजीएम, नीलेश द्विवेदी ने स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, लोकल हेड ऑफिस, कोटी, हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रगान गाया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में कई तरह की सांस्कृतिक गतिविधियां भी हुईं, जिनमें कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कर्मचारियों के बच्चों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों और उनके बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती रश्मि द्विवेदी, प्रेसिडेंट, एसबीआई लेडीज़ क्लब; सतीश कुमार, (जनरल मैनेजर एनडब्ल्यू-2); रणविजय प्रताप, (जनरल मैनेजर एनडब्ल्यू-1); डिप्टी जनरल मैनेजर और अन्य सीनियर मैनेजमेंट अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के लोग उपस्थित थे।

एबिड्स हॉकर्स एसोसिएशन ने झंडारोहण किया। अवसर पर महेंद्र, अर्जुन सिंह, टी. विनायक सिंह और अन्य मौजूद थे।

निर्दोष समाजसेवी संस्था खैरताबाद के निर्दोष भवन में झंडारोहण करते अध्यक्ष डा. रामकुमार तिवारी एवं बडी संख्या में उपस्थि संस्था के स्वयंसेवक।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज हेडआफिस में झंडारोहण किया गया। अवसपर महाकाली थाने के सबइंस्पेक्टर प्रसाद रेडडी, ने झंडारोहण किया। अवसर पर सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक सिंह, मनीष गुप्ता, संजय सिंह, संतोष यादव, विनय सिंह, विकास सिंह, महेश व्यास अंजलि अंकित राज, मोहित रोहित आदि उपस्थित थे।

पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र-I में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र ट्रांसमिशन सिस्टम-I ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में फैले अपने सभी केंद्रों पर 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। एसआरटीएस-I मुख्यालय सिकंदराबाद में कार्यकारी निदेशक डोमन यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक टीवीएस प्रवीण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव ससाधन) अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (पीईएसएम) बीबी रथ, मुख्य महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) टीसीएस राव, पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारी, सेवानिवृत्त कर्मचारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य तथा बच्चे उपस्थित थे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के सिलसिले में, पावरग्रिड कर्मचारी कल्याण संघ और दीप शिखा महिला समिति द्वारा खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और पुरस्कार वितरित किए गए।

जामबाग डिवीजन, हैदराबाद के पूर्व कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गौलीगुड़ा मणिकंठा होटल, उस्मानगंज, पूसल बस्ती, के.के. संगम, समोसा गली, तुलजागुड़ा, मल्लाकुंटा और पटेल नगर सहित विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रध्वज फहराया। इस अवसर पर अमर सिंह, जगपति महेश, शंकर कुबेर, बालाजी ठाकुर, संजय जायसवाल, रवि जायसवाल, अमित, हरिनाथ, संदीप, बाबुराजा, सुरेश और शेखर सहित स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने भाग लिया।

शमशाबाद बडेर में स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि तेलंगाना सीरवी महासभा के अध्यक्ष हरजीराम काग,बडेर अध्यक्ष आसाराम गेहलोत ने ध्वजारोहण किया। इसमें बडी संख्या में समाज बंधुओं भोलाराम पंवार, चेलाराम काग, केसाराम काग, भीकाराम काग, भुराराम परिहार, हरिराम परिहारिया, जगदीश काग, बगदाराम परिहार ,धर्माराम काग, नरेश परिहार, राजुराम परिहार , सोहनलाल बर्फा,महिला मंडल अध्यक्षा पारी देवी काग,नवनिर्वाचित अध्यक्षा सन्तोष देवी परिहार, कमला देवी पंवार रतनलाल बर्फा, सोहनलाल मूलेवा,मल्लाराम पंवार, रमेश काग, रमेश हाम्बड, रमेश चोयल,भगाराम मूलेवा, धर्माराम काग आदि उपस्थित थे।

मिधानि ने 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने कंचनबाग परिसर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह का शुभारंभ 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन और भारत माता को नमन के साथ हुआ। मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर निदेशक (वित्त) के. माधुबाला, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) पी. बाबू , वरिष्ठ अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियन के प्रतिनिधि, कर्मचारी, सीआईएसएफ कर्मी, अतिथि तथा मिधानि परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। समारोह के दौरान सीआईएसएफ द्वारा भव्य परेड प्रस्तुत की गई। सीएमडी डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस अवसर पर उत्कृष्टता एवं उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। अनुसूचित जाति (एससी),अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से संबंधित कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न श्रेणियों में 'सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' पुरस्कार तथा मिधानि में 15 वर्ष की समर्पित सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मिधानि परिवार ने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन तथा 'विकसित भारत 2047' के संकल्प के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

रॉकवेल बिजनेस स्कूल हाईटेक सीटी माधापुर में देश का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में कॉलेज की प्रिंसिपल डा. उमा कोमपल्ली एवं डायरेक्टर महेश बिगाला ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया।

मल्लापुर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया गया। अवसर पर उपाध्यक्ष बीजाराम सैणचा, ओकाराम पंवार, नेमाराम हाम्बड़ ,राजुराम बर्फा,ओमप्रकाश पंवार , दुर्गा प्रसाद हाम्बड़, दुर्गाराम परिहारिया,डुगाराम राठौड़, जगदीश पंवार, वेनाराम काग, मांगीलाल बर्फा, कानाराम मुलेवा,भुराराम परिहारिया, मांगीलाल बर्फा, कैलाश सोलंकी,बाबूलाल मुलेवा, प्रकाश हाम्बड़, पार्वती देवी पंवार, लीला देवी पंवार, ललिता भायल,मिश्री देवी काग, कमला देवी हाम्बड़,राजी देवी गेहलोत, भंवरी देवी लचेटा,अन्य उपस्थित रहे।

बालाजी नगर स्थित श्री आई माताजी मंदिर, बडेर में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हीरालाल चोयल ने ध्वजारोहण किया। अवसर पर उपस्थित डूंगाराम सोलंकी, नरेश कुमार सोलंकी, सोहनलाल पंवार, वेनाराम चोयल,घेवरचन्द्र चोयल, मोहनलाल, अचलाराम, हेमाराम, राजुराम, हीरालाल काग, अशोक, समस्त कार्यकारणी सदस्यगण , रुपादेवी पंवार, हन्जा देवी जर्मनी देवी पुष्पा, कमला चोयल उर्मिला पंवार, कमला पंवार समस्त महिला मंडल एवं अन्य।

शापुर नगर स्थित गाजुला रामराम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस पर बंशीलाल प्रजापत, हरीसिंह उदावत , अशोक हाम्बड़ , जोराराम सोलंकी, रमेश, नरेश, सुरेश, व अन्य उपस्थित रहे।

ट्रम्प बोले-ईरान की हार के बाद होर्मुज अमेरिका का होगा

ईरान का पलटवार- सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कब्जा नहीं होता, ये हमारा ही रहेगा

वॉशिंगटन/तेहरान, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद वे होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का 'इलाका' घोषित करेंगे। उन्होंने यह बात शुक्रवार को न्यूयॉर्क में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कही। वे न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन पार्टी की रैली को संबोधित कर रहे थे।

ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान करीब छह महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए समझौते की कोशिश कर रहे हैं। उनके इस बयान के बाद ईरान ने भी पलटवार किया।

उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज ईरान की था, है और रहेगा। इसे किसी ट्वीट या चुनावी भाषण के जरिए नहीं कब्जाया जा सकता। उन्होंने कहा कि ईरान न तो धमकियों से डरता है और न ही किसी ताकत के आगे झुकता है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे अहम समुद्री रास्ता माना जाता है। इसी रास्ते से दुनिया के कई देशों तक तेल, प्राकृतिक गैस और खाद पहुंचती है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया की करीब 20% तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती थी। ट्रम्प ने ईरान को 'बुराई से भरा देश' बताते हुए कहा कि संघर्ष जारी रहने तक अमेरिकी लोगों को महंगे पेट्रोल के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है तो अमेरिकी लोगों को पेट्रोल के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा देने के लिए तैयार रहना होगा।

ट्रम्प पहले भी दावा कर चुके हैं कि अमेरिका का इस समुद्री मार्ग पर पूरा नियंत्रण है और वह इसे अपने नियंत्रण में बनाए रखेगा।

ट्रम्प ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को स्टील की दीवार बताया था। उन्होंने दावा किया था कि ईरान के पास इसका मुकाबला करने का कोई रास्ता नहीं है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि तेहरान का सैन्य ढांचा बुरी तरह कमजोर हो चुका है।

ट्रम्प के बयान के तुरंत बाद ईरान ने उनके दावे को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अब भी बंद है और जब तक उसकी शर्तें नहीं मानी जातीं, इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा।

पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) ने भी कहा कि अमेरिकी अधिकारियों के बार-बार यह कहने से कि होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है, जमीनी हकीकत नहीं बदलती। अथॉरिटी के मुताबिक, होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है और ईरान की शर्तें पूरी होने तक बंद ही रहेगा।

28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से तेल ढुलाई लगातार प्रभावित रही। समुद्री बारूदी सुरंगों, मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे, अमेरिका और ईरान की नाकेबंदी तथा बढ़ी बीमा लागत के कारण इस रास्ते से हर दिन गुजरने वाला कच्चा तेल 2 करोड़ बैरल से घटकर 37 लाख बैरल रह गया।

हॉर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित है। इसका उत्तरी किनारा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी किनारा ओमान के पास है। सबसे संकरी जगह पर इसकी चौड़ाई सिर्फ 21 नॉटिकल मील (करीब 39 किलोमीटर) है।

शुरुआत में दोनों देशों का समुद्री क्षेत्र सिर्फ 3 नॉटिकल मील तक माना जाता था। लेकिन बाद में समुद्री कानूनों में बदलाव के बाद ईरान ने 1959 में और ओमान ने 1972 में अपने-अपने समुद्री क्षेत्र की सीमा बढ़ाकर 12-12 नॉटिकल मील (करीब 22-22 किलोमीटर) कर दी।

इस फैसले के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट का सबसे संकरा हिस्सा पूरी तरह ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्रों में आ गया। हालांकि समुद्री आवाजाही जारी रहे इसके 2-2 नॉटिकल मील का चौड़ा ट्रांजिट लेन बनाया गया।

पुलिस ने 1050 किलो अफीम डोडा जब्त किया

स्वतंत्रता दिवस पर रांची से पंजाब जा रहे तस्कर से 1.60 करोड़ का डोडा जब्त

चतरा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा की खेप जब्त की, जिसे झारखंड से बिहार होते हुए पंजाब ले जाने की तैयारी थी।

पुलिस पंजाब के रहने वाले ट्रक चालक दीपक सिंह (35) गिरफ्तार किया है। ट्रक में सवार एक अन्य व्यक्ति जो जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पूछताछ में गिरफ्तार चालक दीपक सिंह ने खुलासा किया है कि यह खेप रांची के बुंडू-तमाड़ क्षेत्र से लोड की गई थी और इसे पंजाब के बड़े तस्करों तक पहुंचाना था। ट्रक में प्लास्टिक के कैरेट के नीचे छिपाकर रखे गए 85 बोरों से कुल 1050 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस खेप की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 60 लाख रुपये आंकी गई है। गुप्त सूचना के आधार पर चतरा-बगरा मुख्य मार्ग पर लमटा के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान पुलिस को यह कामयाबी मिली।

भारत को जिस फिफ्त जेन फाइटर की पेशकश की थी

रूस ने उसमें जोड़ा सिक्स जेन ड्रोन कमांड फीचर, और घातक बना

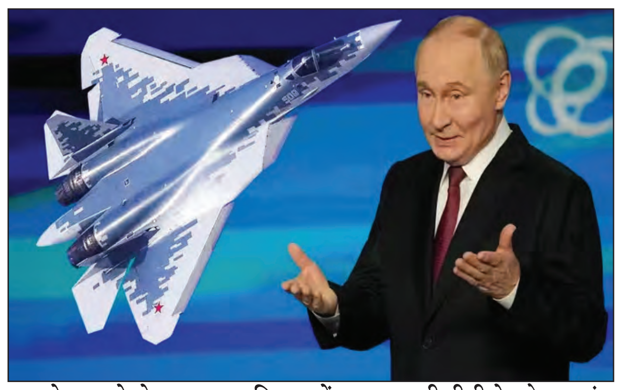

रूस ने 5th जेनरेशन लड़ाकू विमान में लगाया छठी पीढ़ी के ड्रोन कमांड

मॉस्को, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के सुखोई डिजाइन ब्यूरो ने एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के प्रस्तावित दो-सीट वाले वर्शन के बारे में एक बहुत बड़ी जानकारी दी है।

इस विमान को सिर्फ एक ट्रेनर के तौर पर नहीं बल्कि छठी पीढ़ी के कॉम्बैट एविएशन से जुड़ी टेक्नोलॉजी को पेश करने वाले एक प्लेटफॉर्म के तौर पर दिखाया गया है। डिजाइन ब्यूरो के डायरेक्टर मिखाइल स्ट्रेलेट्स के मुताबिक अतिरिक्त कॉकपिट की वजह से यह विमान एक एयरबोर्न कमांड पोस्ट के तौर पर काम कर सकेगा।

यह फाइटर जेट बिना पायलट वाले लड़ाकू विमानों को निर्देश देने के साथ-साथ पारंपरिक फाइटर मिशन भी पूरे कर सकेगा। एसयू-57डी के नाम से पहचाने जाने वाले इस विमान ने 19 मई को अपनी पहली उड़ान भरी थी।

स्ट्रेलेट्स ने बताया कि दूसरा क्रू सदस्य मानवरहित सिस्टम के प्रबंधन के लिए समर्पित होगा जिससे पायलट पूरी तरह से विमान उड़ाएगा और युद्ध करेगा जबकि दूसरा वायलट ड्रोन कमांड सेंटर को संभालेगा।

उन्होंने इस ड्रोन कमांड सेंटर को छठी पीढ़ी की क्षमता वाला बताया। रिपोर्ट के मुताबिक यह सिद्धांत मुख्य रूप से एस-70 ओखोटनिक भारी मानवरहित लड़ाकू विमान को नियंत्रित करने पर केंद्रित है जिसका विकास कई वर्षों से एसयू-57 के साथ-साथ चल रहा है।

रूस ने बार-बार ओखोटनिक को लड़ाकू विमान के साथ चलने वाले एक 'वफादार साथी' के रूप में पेश किया है जिसकी भारी हथियार क्षमता और एडवांस स्टील्थ क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली लड़ाकू विमान बना सकती हैं।

स्ट्रेलेट्स के मुताबिक दूसरा ऑपरेटर सिर्फ एक एयरक्राफ्ट के बजाय कई एआई-इनेबल्ड ड्रोन या पूरे झुंड को भी कंट्रोल कर सकेगा जिससे एसयू-57 की भूमिका पारंपरिक फाइटर जेट से कहीं ज्यादा बढ़ जाएगी। ऐसे में भविष्य की लड़ाकू एविएशन में एआई इंटीग्रेशन की भूमिका बहुत अहम होने की उम्मीद है। यह सेंसर फ्यूजन, टारगेट की पहचान, मिशन प्लानिंग, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और बिना पायलट वाले एयरक्राफ्ट के ऑटोनॉमस कंट्रोल में मदद करेगा।

इन सिस्टम्स को परखने के लिए ऑपरेशनल फाइटर का इस्तेमाल करने से नए सॉफ्टवेयर और ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट्स को बेहतर बनाया जा सकेगा।

भारत के सामने बेबसः सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तानी बिग्रेडियर बोले- अदालतों के दरवाजे पाकिस्तान के लिए बंद

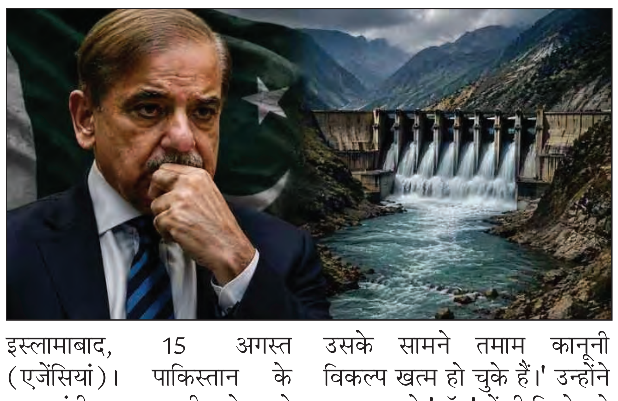

इस्लामाबाद, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त को सिंधु जल संधि पर भारत को गीदड़भभकी दी थी। उन्होंने कहा था कि सिंधु जल का एक एक बूंद पानी पाकिस्तान के लिए रेड लाइन है। लेकिन पाकिस्तानी सेना के पूर्व ब्रिगेडियर डॉ. राशिद वली जंजुआ ने डॉन में लिखे एक लेख में कहा है कि 'सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान भारत के सामने बेबस है और उसके सामने तमाम कानूनी विकल्प खत्म हो चुके हैं।' उन्होंने 24 जून को 'डॉन' में ही लिखे गये एक लेख का हवाला दिया है जिसमें सिंधु जल संधि पर भारत की कानूनी घेराबंदी की बात कही गई थी।

ब्रिगेडियर डॉ. राशिद वली जंजुआ (रिटायर्ड) ने डॉन में लिखा है कि 'पाकिस्तान कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी), और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत को घेरने में पूरी तरह से नाकाम रहा है।' उन्होंने लिखा है कि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन जहां पाकिस्तान पहले ही किशनगंगा/रातले परियोजना का मुद्दा उठा चुका है। 2025 में अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र की पुष्टि की लेकिन भारत ने इसका बहिष्कार किया है। समस्या यह है कि भारत ने गैर-कानूनी रूप से संधि को रोक रखा है और भारत के पीछे हटने के कारण मध्यस्थता के फैसले को लागू नहीं किया जा सकता है।

डॉ. राशिद वली जंजुआ (रिटायर्ड) ने आगे लिखआ है कि यूएनएचआरसी के संबंध में चूंकि पाकिस्तान और भारत दोनों ने संबंधित अनुच्छेदों की पुष्टि की है इसलिए कानूनी रास्ता वास्तव में खुला है। लेकिन इस प्लेटफॉर्स से सिर्फ तथ्य-खोज रिपोर्ट और सिफारिशें ही मिल सकती हैं बाध्यकारी आदेश नहीं। भारत इस फैसले को भी नहीं मानेगा।

चमोली टनल हादसे में छत्तीसगढ़ के 2 मजदूरों की मौत

कोंडागांव, 15 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली में हुए टनल हादसे में छत्तीसगढ़ के 2 मजदूरों की मौत हो गई। गुरुवार (13 अगस्त) शाम पीपलकोटी में निर्माणाधीन टनल में लैंडस्लाइड के बाद पानी रिसने लगा। मलबा और पानी भरने से अंदर काम कर रहे 22 मजदूर फंस गए थे। इसमें 6 मजदूर छत्तीसगढ़ के थे।

कोंडागांव के 2 मजदूरों की मौत हो गई, 2 घायल हैं, जबकि 2 मजदूर अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान लखेश्वर पोयाम (24), निवासी धनसूली और भुनेश्वर (25), निवासी मड़ानार के रूप में बताई गई है।

इसके अलावा देवनाथ (22), निवासी दहिकोंगा और चेतन पोयाम, निवासी धनसूली का अब तक पता नहीं चल सका है। दोनों की तलाश जारी है। घायलों में सुनील (20), निवासी दहिकोंगा और पेनसिंह (33), निवासी सबलपुर का चमोली जिले में इलाज चल रहा है।

हादसा विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में हुआ। गुरुवार (13 अगस्त) शाम अचानक टनल के अंदर पानी और भारी मलबा तेजी से घुस गया। मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और कई लोग सुरंग के अंदर फंस गए।

प्रशासन और बचाव दल ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कई मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन के मुताबिक हादसे में कुल 22 लोगों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी।

इनमें से 7 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें 2 मजदूर छत्तीसगढ़ के हैं और कुछ मजदूरों की तलाश जारी है।

समुद्र के नीचे मिला रोमन काल का जहाज

2000 साल पुराने इतिहास का पता चला सामानों को देख पुरातत्वविद हैरान

रोम, 15 अगस्त (एजेंसियां)। इटली के तट के पास पुरात्वविदों ने 2000 साल से भी पुराने एक जहाज की खोज की है। इसे हाल के वर्षों की सबसे अहम पुरातात्विक खोजों में से एक कहा जा रहा है। इस जहाज को सिसिली के तट पास समुद्र के नीचे खोजा गया है। इटली के स्थानीय मीडिया ने बताया कि गोताखोरों को माजारा डेल वैलो के पास समुद्र की सतह से लगभग 150 फीट नीचे यह मलबा मिला। खोजकर्ताओं को जहाज के अंदर ऐसी चीजें मिली हैं, जो आज भी अच्छी हालत में हैं। इंडिपेंडेंट ने अपनी रिपोर्ट में एक गोताखोर के हवाले से बताया कि जहाज के अंदर सैकड़ों अच्छी हालत में मिट्टी के जार भरे हुए थे। इनका इस्तेमाल वाइन, तेल और अनाज ले जाने के लिए किया जाता था।

फ्री डाइवर जियाकोमो डी मोला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसे अपनी जिंदगी की सबसे अद्भुत खोज बताया है। उन्होंने कहा, समुद्र हमें हमेशा हैरान करता रहा है। इस बार हमें सिर्फ एक मलबा नहीं मिला, बल्कि अपने इतिहास का एक हिस्सा मिला है। इटली के संस्कृति मंत्री एलेसेंड्रो गिउली ने कहा कि यह हाल के वर्षों की पानी की नीचे की सबसे अहम पुरातात्विक खोजों में से एक है। मंत्रालय ने इस जहाज को पहली या दूसरी सदी ईसा पूर्व का बताया है। गिउली ने कहा, समुद्र हमारे इतिहास के कीमती टुकड़े वापस लाता रहता है और माजारा डेल वैलो का मलबा हमें उन लोगों, रास्तों और लेन-देन के बारे में बताता है, जिन्होंने भूमध्य सागर को सभ्यताओं को मिलन स्थल बनाया।

रिपोर्टों में बताया गया है कि जहाज लगभग 70 फीट लंबा और 20 फीट चौड़ा था। यह वाइन ले जाने वाले पतले एम्फोरा जार से भरा हुआ था। पुरातत्वविदों ने हताया कि यह खोज बहुत अच्छी हालत में लग रही थी।

साइबर अपराधियों को हैकिंग से ही जवाब देगा अमेरिका

वाशिंगटन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों के खिलाफ अमेरिका ने अब बचाव के साथ जवाबी हमला करने की रणनीति भी अपना ली है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हैक बैक कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसके तहत जांची-परखी अमेरिकी निजी कंपनियां सरकार की निगरानी व मंजूरी के बाद विदेशी साइबर अपराधी गिरोहों के डिजिटल नेटवर्क में घुसकर उन्हें बाधित कर सकेंगी। यह अमेरिकी साइबर नीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

अब तक साइबर हमलों के खिलाफ आक्रामक अभियान मुख्य रूप से अमेरिकी सरकारी एजेंसियों, खुफिया तंत्र और सेना के दायरे में रहे हैं। नई व्यवस्था में चुनी हुई निजी कंपनियां साइबर निगरानी और साइबर प्रभाव वाली कार्रवाई कर सकेंगी। इनमें विदेशी आपराधिक साइबर नेटवर्क की निगरानी, उन्हें बाधित करना, डिजिटल ढांचे को निष्क्रिय करना और कुछ मामलों में उसमें बदलाव करना शामिल हो सकता है। कंपनियों को सीधे खुली छूट नहीं दी गई है। उन्हें सरकारी कार्यक्रम के तहत जांच के बाद शामिल किया जाएगा और अभियान संघीय निगरानी में चलेंगे। भाग लेने वाली कंपनियों को कम से कम 10 लाख डॉलर का ऋण पत्र या वित्तीय व्यवस्था रखना होगा, ताकि नियम तोड़ने पर जवाबदेही तय की जा सके।

इस पहल का मुख्य लक्ष्य विदेशी साइबर-सक्षम आपराधिक संगठन हैं, जो रैनसमवेयर, ऑनलाइन ठगी और दूसरे साइबर अपराधों में शामिल हैं।

रांची में छात्रनेता महतो को झंडा फहराने से रोका

अस्पताल में पुलिस से धक्का-मुक्की, पीएससी-जेएसएससी परीक्षा रद्द कराने के लिए भूख हड़ताल कर रहे

रांची, 15 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड पीएससी-जेएसएससी परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग पर बैठे छात्र स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। बीते 13 दिनों ने भूख हड़ताल कर रहे देवेंद्रनाथ महतो तिरंगा यात्रा शामिल होकर झंडा फहराना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें अस्पताल में ही रोक दिया।

इस दौरान छात्र नेता और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रशासन का कहना है कि स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर उन्हें जाने नहीं दिया गया। वहीं देवेंद्रनाथ महतो ने कहा- मुझे स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने से रोका जा रहा है, क्या यही आजादी है।

रांची सदर अस्पताल में सुरक्षा सख्त की गई है। मेन गेट से लेकर आईसीयू में बड़ी संख्या में फोर्स तैनात है। किसी को भी आईसीयू के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। छात्रों की तिरंगा यात्रा जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से निकल कचहरी चौक होते हुए लालपुर पहुंच चुकी है।

झारखंड में छात्र आंदोलन का आज 22वां दिन है। पांच छात्र अब भी भूख हड़ताल कर रहे हैं।

डेंगू के दुश्मन बन गए मच्छर?

ब्राजील के बेलेम ने अपनाई ऐसी तरकीब, बीमारी में 70% तक गिरावट

बेलेम शहर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील का बेलेम शहर दो वर्ष पहले तक डेंगू के भीषण प्रकोप से त्रस्त था। अस्पताल मरीजों से भर जाते थे और मच्छर मारने वाले रसायनों के अत्यधिक छिड़काव से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा था। फिर, उसने मच्छरों को ही मच्छरों की काट बनाने वाला अनूठा तरीका अपनाया। नतीजा, डेंगू और मच्छरजनित बीमारियों पर 70% तक काबू पा लिया गया।

ब्राजील का यह शहर अब दुनिया के तमाम देशों के लिए डेंगू के खिलाफ जंग में एक मिसाल बन गया है। बेलेम शहर ने स्थानीय स्तर पर एक बेहद सरल और क्रांतिकारी तरीका अपनाया, जिसमें लार्विसाइड युक्त विशेष बाल्टियों का इस्तेमाल किया जाता है। छोटे कूड़ेदान जैसी यह बाल्टी मादा मच्छरों को आकर्षित करने के लिए एकदम सही अंधेरी और नम जगह प्रदान करती है। बाल्टी के अंदर एक विशेष लार्विसाइड रसायन से युक्त जालीदार पट्टी होती है। जब मादा मच्छर वहां उतरती है, तो रसायन उसके शरीर से चिपक जाता है। फिर जब वह उड़कर अन्य प्रजनन स्थलों पर जाती है, तो रसायन भी साथ ले जाती है। इनके प्रभाव से उन अन्य जगहों पर पनप रहे मच्छरों के लार्वा भी नष्ट हो जाते हैं।

ब्राजील ने इस स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए पारंपरिक और जहरीले कीटनाशकों के छिड़काव से हटकर पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों का भी सहारा लिया है। इसी कड़ी में पिछले वर्ष उसने दुनिया की सबसे बड़ी मच्छर फैक्टरी स्थापित की थी। यह विशेष केंद्र बेलेम में कुछ मील दूर कुरितिबा में बनाया गया है।

पीएम रहमान की भारत यात्रा से पहले बांग्लादेश की शर्त

शेख हसीना को राजनीति से दूर रखा जाए, 21 अगस्त को दिल्ली आ सकते हैं

ढाका, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान 21 अगस्त को पहली बार भारत दौरे पर आ सकते हैं। यात्रा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, लेकिन इसे अंतिम रूप देने से पहले दोनों देशों के बीच कुछ अहम मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है। इनमें सबसे बड़ा मुद्दा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का है। ढाका से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश चाहता है कि भारत में रह रहीं शेख हसीना को राजनीतिक गतिविधियां चलाने या बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने वाले बयान देने की अनुमति न दी जाए।

शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटने के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश का आरोप है कि वह भारत से लगातार राजनीतिक बयान दे रही हैं। ढाका का कहना है कि इससे देश की आंतरिक राजनीति प्रभावित हो रही है और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है।

बांग्लादेशी अधिकारियों के मुताबिक, भारत की ओर से इस मुद्दे पर कुछ अच्छे संकेत मिले हैं। लेकिन ढाका चाहता है कि भारत का रुख और स्पष्ट हो, ताकि तारिक रहमान की यात्रा से पहले इस मुद्दे को लेकर कोई गलतफहमी न रहे।

दरअसल इसी महीने 5 तारीख को शेख हसीना ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने की दूसरी बरसी पर पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए और बांग्लादेश की राजनीति पर भी अपनी बात रखी।

इस पर बांग्लादेश सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई। ढाका का कहना था कि भारत में रहते हुए हसीना का सार्वजनिक रूप से राजनीतिक बयान देना दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बारे में भारत को पहले आगाह किया गया था लेकिन फिर भी भारत ने उन्हें यह प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की अनुमति दी। गौरतलब है कि भारत ने शेख हसीना का प्रेस कॉन्फ्रेंस रोकने से इनकार कर दिया था।

भारत ने कहा था कि उनका कार्यक्रम एक निजी मीडिया संस्था आयोजित कर रही है। इससे सरकार का कोई लेना-देना नहीं है।

बांग्लादेश से लौटेंगे 3,00,000 रोहिंग्या मुस्लिम

शरणार्थियों की वापसी पर म्यांमार का बड़ा ऐलान

नेपीडा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार की सेना समर्थित सरकार ने बांग्लादेश से रोहिंग्या मुस्लिमों को वापस लाने पर बड़ा फैसला लिया है। म्यांमार सरकार की ओर से शनिवार को बताया गया है कि बांग्लादेश में कैंपों में रह रहे 3,00,000 से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थियों की उनके देश में वापसी होगी। म्यांमार के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि ये रोहिंग्या शरणार्थी पश्चिमी रखाइन राज्य के रहने वाले हैं, सुरक्षा हालात बेहतर होने पर उनकी वापसी को मंजूरी दी जाएगी।

विदेश मंत्रालय का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रोहिंग्या शरणार्थी संकट नौवें साल में प्रवेश कर रहा है। अगस्त 2017 में रखाइन में सुरक्षा चौकियों पर रोहिंग्या विद्रोही समूह के हमलों के बाद सेना की कार्रवाई के बाद ये लोग बांग्लादेश के कैंपों में रह रहे हैं। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में ये लोग अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। एपी के मुताबिक, म्यांमार ने कहा है कि उसने जुलाई तक बांग्लादेश की ओर से दी गई सूची में शामिल 828,824 शरणार्थियों में से 426,545 की पहचान की पुष्टि करते हुए पाया कि इनमें से 308,797 लोग पहले रखाइन में रहते थे। 113,507 लोगों की पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी और 4,241 लोग ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए गए, जिन्हें मंत्रालय ने 'आतंकवादी गतिविधियां' कहा है।

बयान में कहा गया है कि जब रखाइन में सुरक्षा की स्थिति बेहतर हो जाएगी, तो वे सत्यापित पूर्व निवासियों को वापस लाने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करना जारी रखेंगे। मंत्रालय ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि रखाइन से 10 लाख लोग विस्थापित हुए थे। मंत्रालय का कहना है कि 2017 में हुई हिंसा के बाद 540,000 लोग बांग्लादेश गए, जबकि 200,000 उत्तरी रखाइन में रह गए।

म्यांमार और बांग्लादेश 2018 में दो साल की वापसी प्रक्रिया पर सहमत हुए थे। हालांकि 2021 में सेना के सत्ता पर कब्जा करने और आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को हटाने के बाद म्यांमार में सुरक्षा की स्थिति बिगड़ गई। इससे बड़े पैमाने पर सशस्त्र विरोध शुरू हो गया। गृह युद्ध के चलते रोहिंग्या शरणार्थियों की वापसी की योजनाएं सफल नहीं हो पाईं।

नागरकोइल से उज्जैन तक, ये हैं भारत के 5 मशहूर नाग मंदिर

इस साल नाग पंचमी का पावन पर्व 17 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा. इस खास अवसर पर जानते हैं भारत के उन 5 रहस्यमयी और प्रसिद्ध नाग मंदिरों के बारे में, जहां दर्शन मात्र से सर्पदोष से मुक्ति मिलती है।

भारत में नाग पूजा की परंपरा बेहद प्राचीन मानी जाती है. हिंदू धर्म में नागों को केवल सर्प के रूप में नहीं, बल्कि नाग देवता के रूप में पूजने की परंपरा रही है. देश के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे कई मंदिर हैं, जहां भगवान शिव, नागराज वासुकी, तक्षक या सर्प से जुड़े देवी-देवताओं की विशेष रूप से पूजा की जाती है. इन मंदिरों से जुड़ी मान्यताएं और परंपराएं इन्हें सामान्य मंदिरों से अलग बनाती हैं. नाग पंचमी के मौके पर इन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है. ऐसे में आइए जानते हैं भारत के उन 5 प्रसिद्ध नाग मंदिरों के बारे में, जिनसे जुड़ी मान्यताएं और धार्मिक परंपराएं बेहद खास हैं।

> **नाग पंचमी 2026 तिथि व मुहूर्त**
>
> **नाग पंचमी 17 अगस्त 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त 05:51 AM से 08:29 AM तक रहेगा। पंचमी तिथि 16 अगस्त 2026 की शाम 04:52 से 17 अगस्त 2026 की शाम 05:00 बजे तक रहेगी।**

नागचंद्रेश्वर मंदिर, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर देश के सबसे अनोखे नाग मंदिरों में गिना जाता है. यह मंदिर प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर परिसर में तीसरी मंजिल पर स्थित है. मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसका साल में केवल एक बार खुलना है. मान्यता के अनुसार, नागचंद्रेश्वर मंदिर नाग पंचमी के दिन श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे के लिए खोला जाता है. इस दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की नाग पर विराजमान प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उज्जैन पहुंचते हैं. यहां भगवान शिव और माता पार्वती को नागराज तक्षक के ऊपर विराजमान बताया जाता है. नाग पंचमी के दिन मंदिर में विशेष पूजा और अभिषेक किया जाता है. साल के बाकी दिनों में श्रद्धालु मंदिर के बाहर से ही दर्शन करते हैं।

मन्नारशाला नागराज मंदिर, केरल

केरल के अलाप्पुझा जिले में स्थित मन्नारशाला नागराज मंदिर नाग पूजा की अनोखी परंपरा के लिए प्रसिद्ध है. हरियाली और पेड़ों से घिरे इस मंदिर परिसर में नाग देवताओं से जुड़ी हजारों प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं.मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार यहां नागराज की विशेष पूजा की जाती है. संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपती भी इस मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं. मन्नारशाला मंदिर की सबसे खास परंपराओं में यहां की महिला पुजारी की भूमिका भी शामिल है. मंदिर की धार्मिक परंपरा में मुख्य पुजारिन को वलियम्मा के नाम से जाना जाता है. नाग देवता की पूजा और मंदिर की परंपराओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है.

नागराज मंदिर , नागरकोइल

तमिलनाडु के नागरकोइल शहर में नागराजा मंदिर स्थित है, जो नाग देवता को समर्पित एक प्राचीन मंदिर माना जाता है. खास बात यह है कि शहर का नाम भी इसी मंदिर के नाम से पड़ा है. मंदिर के गर्भगृह में नागराज की पूजा रेत से बने स्वरूप में की जाती है. यहां भक्तों को प्रसाद के तौर पर गीली रेत भी दी जाती है, जिसे बेहद खास माना जाता है. यह मंदिर नाग दोष, कालसर्प दोष, संतान प्राप्ति में बाधा और विवाह की अड़चनों को दूर करने के लिए जाना जाता है।

नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा नदी के तट पर स्थित नागवासुकी मंदिर भी नाग पूजा के प्रमुख धार्मिक स्थलों में माना जाता है. यह मंदिर दारागंज क्षेत्र में गंगा के किनारे स्थित है.पौराणिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन से जुड़ी कथा में नागराज वासुकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी. कहा जाता है कि समुद्र मंथन के बाद नागराज वासुकी ने इसी क्षेत्र में विश्राम किया था. इसी वजह से यहां नागवासुकी की पूजा की विशेष परंपरा विकसित हुई. नाग पंचमी के दिन मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. इस अवसर पर यहां मेले जैसा माहौल भी देखने को मिलता है. मान्यता है कि नागवासुकी के दर्शन और पूजा करने से सर्प भय से मुक्ति मिलती है।

थिरुनागेश्वरम नागनाथस्वामी मंदिर, तमिलनाडु

तमिलनाडु के कुंभकोणम के पास स्थित थिरुनागेश्वरम नागनाथस्वामी मंदिर भी नाग पूजा और नवग्रह उपासना के लिए प्रसिद्ध है. यहां भगवान शिव को नागनाथस्वामी के रूप में पूजा जाता है, जबकि राहु ग्रह की भी विशेष पूजा होती है. मंदिर का सबसे चर्चित धार्मिक अनुष्ठान राहु अभिषेकम है. इस दौरान राहु की प्रतिमा पर दूध से अभिषेक किया जाता है. श्रद्धालुओं के बीच यह मान्यता काफी प्रसिद्ध है कि अभिषेक के दौरान प्रतिमा पर चढ़ाया गया दूध नीला दिखाई देता है और नीचे गिरने के बाद फिर सफेद हो जाता है. इसी विशेषता के कारण यह मंदिर श्रद्धालुओं के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी काफी आकर्षण का केंद्र है. यहां राहु से जुड़ी पूजा और अनुष्ठान कराने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं।

> **नाग पंचमी पूजा विधि**
>
> **नाग पंचमी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की भी विधिवत पूजा करें।**
>
> **पूजा स्थान पर नाग देवता का चित्र लगाएं या फिर मिट्टी से नाग देवता बनाएं।**
>
> **नाग देवता की प्रतिमा या मूर्ति को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।**
>
> **इसके बाद नाग देवता को हल्दी, रोली, चावल, कच्चा दूध और फूल अर्पित करें।**
>
> **नाग देवता की मूर्ति पर तांबे के लोटे से दूध और जल चढ़ाएं।**
>
> **संभव हो तो इस दिन रुद्राभिषेक कराएं। साथ ही मंदिर में चांदी के नाग-नागिन जोड़े का दान करें।**

नाग पंचमी पर रवि योग का शुभ संयोग

घरों में कुल परंपरा अनुसार होगा नाग देवता का पूजन

उज्जैन में नाग तीर्थ की विशेष मान्यता

स्कंद पुराण के अवंति खंड में नाग तीर्थ और भैरव तीर्थ का उल्लेख मिलता है। उज्जैन में नाग देवता से जुड़े कई प्राचीन पूजन स्थल माने जाते हैं। रामघाट पर गायत्री मंदिर की सीढ़ियों पर अंकित नाग देवता की शिला तथा धर्मशाला के समीप स्थित नाग देवता का मंदिर भी श्रद्धा के प्रमुख केंद्र हैं। मान्यता है कि यहां पूजन से पारिवारिक सुख-शांति और दोषों की निवृत्ति होती है।

पंचांग की गणना के अनुसार 17 अगस्त को रवि और शुभ योग के संयोग में नागपंचमी मनाई जाएगी। घरों में कुल परंपरा अनुसार नाग देवता का पूजन होगा। इस दिन सूर्य भी राशि परिवर्तन करेंगे। साथ ही अगस्त के तारे का भी उदय होगा। धर्मशास्त्र के जानकारों के अनुसार महापर्व के दृष्टिकोण से यह सभी स्थितियां बेहद शुभ है।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला ने बताया पंचांग गणना के अनुसार सोमवार को पंचमी तिथि, चित्रा नक्षत्र, शुभ योग, बालव करण और कन्या राशि के चंद्रमा की साक्षी में नागपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। इसी दिन सवारी भी निकलेगी। नाग दोष की शांति के लिए नागपंचमी विशेष मानी जाती है।

इस दिन रवि योग का होना अनुष्ठान की सफलता और भक्त को उसका पूर्ण फल मिलने की दृष्टि से अत्यंत शुभ है। जन्म कुंडली में नाग दोष, राहु-केतु की विपरीत स्थिति अथवा ग्रहण दोष होने पर इस दिन पूजन कराना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि नाग पूजन से कार्यों में आ रही बाधाओं का निवारण, मानसिक शांति और अज्ञात भय से मुक्ति मिलती है।

दीवारो पर चित्र बनाकर नाग पूजा की परंपरा मालवा और राजस्थान के मेवाड़-मारवाड़ क्षेत्र में नागपंचमी पर दीवारों पर नाग देवता के परिवार का चित्र बनाकर पूजन करने की परंपरा आज भी प्रचलित है। इसमें नाग-नागिन के जोड़े के साथ श्रावण की उपस्थिति का चित्रांकन किया जाता है। इसे कई परिवारों में कुल परंपरा का हिस्सा माना जाता है।

नाग की बांबी और मिट्टी के नाग का पूजन

धर्मशास्त्रीय मान्यता के अनुसार नागपंचमी पर नाग की बांबी का पूजन तथा मिट्टी के नाग बनाकर पंचोपचार विधि से पूजा की जाती है। मान्यता है कि इससे परिवार से जुड़े ज्ञात-अज्ञात नाग दोष की शांति होती है।

राहु-केतु की अनुकूलता के लिए पूजा

जन्म कुंडली में राहु-केतु की प्रतिकूल स्थिति, ग्रहण योग अथवा इन ग्रहों की महादशा, अंतर्दशा या प्रत्यंतर दशा चल रही हो तो नाग पंचमी पर विधि-विधान से नाग देवता की पूजा करने की परंपरा है।

पंचमी पर सूर्य का सिंह राशि में प्रवेश

इसी दिन सुबह करीब 8 बजे सूर्य कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश के साथ ज्योतिषीय दृष्टि से विभिन्न परिवर्तन माने जाते हैं। इसी दिन रात करीब 8 बजे अगस्त के तारे का उदय भी होगा।

एक साल बाद खुलेंगे नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में नागपंचमी महापर्व के रूप में मनाई जाएगी। 16-17 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे मंदिर के पट खुलेंगे। महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा भगवान नागचंद्रेश्वर की पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद आम दर्शन का सिलसिला शुरू होगा जो 17 अगस्त की मध्य रात्रि 12 बजे तक अनवरत जारी रहेगा1 बता दें वर्ष में केवल एक बार नागपंचमी पर भगवान नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट खुलते हैं और पूजा अर्चना होती है। वर्षभर महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा मंदिर के द्वार पर प्रतीकात्मक पूजा की जाती है।

सावन में बेटियों का घर आना शुभ

आरती उतारकर स्वागत करने से चमक जाएगी मायके वालों की किस्मत... लेकिन शादी करना वर्जित क्यों

सावन का महीना न केवल देवाधिदेव महादेव की आराधना का पावन समय है, बल्कि पारिवारिक रिश्तों में मिठास और प्रगाढ़ता घोलने का भी एक सुंदर अवसर माना जाता है। सनातन परंपरा में इस महीने से जुड़े कई धार्मिक नियम, परंपराएं और त्योहार सदियों से चले आ रहे हैं।

इसी तरह सावन मास में शादी करना और बेटियों का मायके आना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं कि इसके पीछे की वजह क्या है।

सावन में विवाह क्यों नहीं होते

हिंदू धर्म शास्त्र के अनुसार, सावन के महीने में विवाह और अन्य बड़े शुभ-मांगलिक कार्य न करने के दो प्रमुख धार्मिक कारण हैं-

देवशयनी एकादशी और चातुर्मास: सावन का महीना 'चातुर्मास' के अंतर्गत आता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु चार महीनों के लिए क्षीरसागर में 'योगनिद्रा' में चले जाते हैं। भगवान विष्णु के निद्राधीन रहने के कारण इस दौरान कोई भी विवाह या मांगलिक कार्य नहीं किए जाते।

शिव आराधना को समर्पित समय: यह पूरा महीना भगवान शिव की कठिन साधना, तपस्या और वैराग्य से जुड़ा हुआ है। इस समय को उत्सव के बजाय आध्यात्मिक उन्नति, व्रत और संयम के लिए सर्वोत्तम माना गया है।

सावन में विवाहित बेटियों के मायके आने का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन के महीने में विवाहित बेटियों का अपने मायके आना बेहद शुभ और कल्याणकारी माना जाता है।

माना जाता है कि सावन में बेटी के घर लौटने से मायके में खुशहाली, सुख-संपन्नता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बेटी के सौभाग्य से परिवार की उन्नति होती है।

विवाह के बाद नए माहौल में ढलने वाली नवविवाहिता को सावन में मायके आने से मानसिक और भावनात्मक सुकून मिलता है। वैसे तो यह परंपरा नवविवाहित बेटियों के लिए विशेष है, लेकिन कोई भी शादीशुदा महिला इस परंपरा का पालन कर सकती है।

सावन में बेटी का स्वागत कैसे करें?

शास्त्रों और लोक-परंपरा के अनुसार मायके पहुंचने पर बेटी का स्वागत विशेष रीति-रिवाज से करना चाहिए-

मुख्य द्वार की दहलीज पर बेटी की आरती उतारें, माथे पर रोली-अक्षत का तिलक लगाएं। सावन के पारंपरिक व्यंजनों जैसे- घेवर, मालपुआ या खीर खिलाकर उसका मुंह मीठा कराएं।

बेटी के हाथों से घर-आंगन में तुलसी का पौधा लगवाना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। इसके बाद बेटी को श्रृंगार सामग्री, वस्त्र या कोई सुंदर उपहार देकर आशीर्वाद दें।

नागपंचमी का पर्व 17 अगस्त को श्रावण माह के तीसरे सोमवार को पड़ने से विशेष धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व रहेगा। ज्योतिषाचार्य हिमांशु-हुकुमचंद जैन के अनुसार, श्रावण शुक्ल पक्ष की पंचमी पर होने वाली नाग पूजा भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के साथ राहु-केतु और कालसर्प दोष से जुड़ी बाधाओं की शांति के लिए भी अत्यंत शुभ मानी जाती है। जिन लोगों की कुंडली में राहु-केतु की प्रतिकूल स्थिति, कालसर्प योग या राहु-केतु की महादशा चल रही हो, वे इस दिन नाग देवता का पूजन, शिवलिंग का जलाभिषेक और राहु-केतु शांति मंत्रों का जाप करें। तांबे के नाग का दान भी शुभ माना गया है।

सावन में नाग पूजा का खास महत्व

सावन माह भगवान शिव की आराधना के साथ नाग देवता की पूजा के लिए भी खास माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस महीने नाग पूजा का विशेष महत्व रहता है।

प्रतीकात्मक रूप में करें नागदेवता का पूजन

नागपंचमी केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण का भी संदेश देती है। वर्षा ऋतु में सांप अपने बिलों से बाहर निकलते हैं, इसलिए उन्हें नुकसान पहुंचाने के बजाय उनकी रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। जीवित सांपों को दूध पिलाने के बजाय प्रतीकात्मक रूप से नाग देवता की प्रतिमा पर दूध अर्पित करना ही शास्त्र सम्मत और वैज्ञानिक दृष्टि से उचित माना गया है।

चौरसिया दिवस मनेगा

नाग पंचमी पर चौरसिया समाज के लोग नाग बेल और पान की पूजा करते हैं। इस दिन को समाज की ओर से चौरसिया दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं चौरसिया समाज विकास संघ की ओर से नागपंचमी के मौके पर चल समारोह निकाला जाता है, इस बार भी तैयारियां की जा रही हैं।

समाज सुधार के पथ प्रदर्शक : ईश्वरचंद्र विद्यासागर

अतुल कुमार

स्वतंत्रता आंदोलन के पूर्व सामाजिक सुधार की अलख जगाने वाले प्रणेताओं में एक चर्चित नाम ईश्वरचंद्र विद्यासागर का है . वह प्रखर समाज सुधारक ,शिक्षाविद और दार्शनिक थे जिन्होंने तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के लिये पुनर्जागरण का शंख नाद किया . ऐसे सामाजिक दृष्टा कम हुए हैं जिन्होंने सामाजिक कुरीतियों , रूढीवादी परंपराओं , और अंधविश्वासों को दूर करने के लिये अपना जीवन झोंक कार्य किया हो . शिक्षा के प्रचार –प्रसार के प्रति उनका आग्रह इतना मज़बूत था कि उनके मूल नाम ईश्वरचंद्र बंदोपाध्याय के बजाए लोग उनको ईश्वरचंद्र विद्यासागर के नाम से संबोधित करते उसी नाम से आज भी याद किये जाते हैं .शिक्षा का प्रसार उनके जीवन का मिशन था .विशेष कर बालिका शिक्षा . 18 वी शताब्दी में जब बालिकाओं को घर की देहरी पार करने की पारिवारिक अनुमति नहीं होती थी तब घर –घर जा उन्होंने बालिका शिक्षा को बढावा देने का आवाहन किया और इसके लिये 35 बालिका विद्यालयों की स्थापना की. किसी कवि ने उनके ओजस्वी जीवन पर खूब लिखा " संघर्षों को अपनाया , थी लगन बेशुमार , किये कई सामाज उत्थान के कार्य / लडे नारी सम्मान के लिये , पल –पल थे वो संघर्षी आत्मभिलाषी ,बाल विवाह का विरोध ,विधवा पुनर्विवाह और नारी शिक्षा की अलख जगाई / थे वो अविनाशी ,अजय ,अमर ,तभी कहलाए विद्यासागर //

बालिका शिक्षा के प्रति आज जो विराट रूप और जागरूकता दिखायी देती है उसकी नींव रखने वालों में ईश्वरचंद्र विद्यासागर प्रमुख थे शिक्षा के प्रति बचपन से ही उनका नज़रिया दृढ था वो मानते कि शिक्षा के बिना ज़िंदगी अंधकारमय है . प्रसंगानुसार प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद उनके टीचर ने उनके पिता को कहा कि " यह बच्चा बहुत बुद्धिमान है इसे आगे की पढाई के लिये आप इसे कलकत्ता ले जा सकते हैं ताकि यह अंग्रेज़ी सीख सके और ब्रिटिश हुकूमत को जवाब दे सके . इस पर उनके पिता ने सहमति जताई .लेकिन कुछ पारिवारिक कारणों के चलते इसमें विलंब हुआ तो वह अकेले पैदल कलकत्ता की ओर चल पडे . तब उनकी उम्र सिर्फ आठ साल थी .

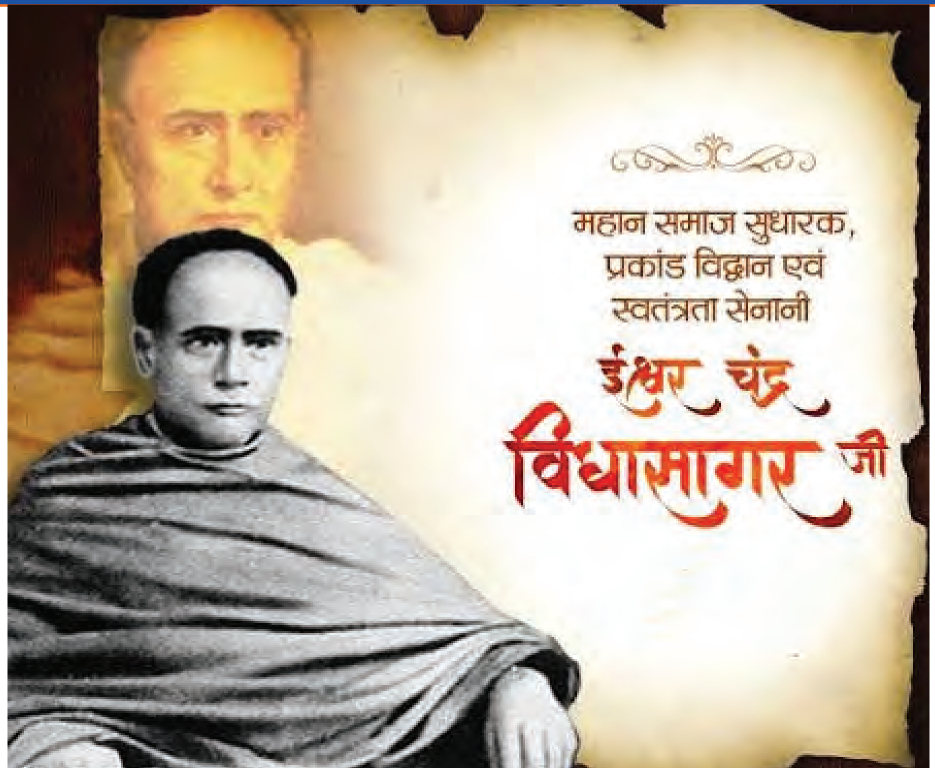

मील की दूरी पर पडने वाले पत्थर पर लिखे अंको से अंग्रेज़ी अंकों का ज्ञान हासिल करते हुए अपनी मंज़िल पर पहुंच गये .पढाई में इतने कुशाग्र कि 21 वर्ष की उम्र में फोर्ट विलियम कालेज कलकत्ता में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष बने . रविवार को साप्ताहिक अवकाश और मई जून में स्कूलों में (समर वेकेशन)गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत उन्होंने ही की ताकि विद्यार्थियों को शारीरिक तथा मानसिक विकास के लिये मनमुआफिक समय बिताने का मौका मिले . वही परंपरा आज भी चल रही है . कहते कि शिक्षा जीवन का अनमोल खज़ाना है जो आदमी की अंतिम सांस तक उसका साथ देती है .उसका मिलना ही व्यक्तिगत कल्याण को सुनिश्चित करता है . बल्कि समाज के व्यापक विकास का मार्ग प्रशस्त करता है .इसलिये अभिभावकों को चाहिये कि अपने बच्चों को कुछ दें या न दें पर अच्छी एजुकेशन अवश्य दें .वही उनकी असली ऐसेट होगी .

उनका परिवार गरीब था ,इसलिये उन सुविधाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते थे जिनसे वे आर्थिक रूप से सक्षम तरीके से अपनी पढाई पूरी कर पाते इन चुनौतियों के बावजूद सभी शैक्षणिक परीक्षाओं में सबसे अच्छा प्रदर्शन करते और उनसे मिलने वाली स्कालरशिप से आगे की पढाई करते . बाल विवाह के घोर विरोधी थे इसे उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य में बाधा डालने वाली बुराई बताया इससे उच्च शिशु मृत्यु दर में कमी आई . महिलाओं को सशक्त बनाने और इस प्रथा को समाप्त करने के साधन के रूप में लडकियों की शिक्षा की हर मंच से वकालत की . शिक्षा को जन्म सिद्ध अधिकार मानते . उनकी धारणा थी कि ज्ञान की पहुंच जाति के बंधनों से मुक्त होनी चाहिये ताकि सभी को शिक्षा मिल सके .

बोर्नो परिचोय' (बंगाली वर्ण माला का परिचय) आज भी बंगाली भाषी बच्चों को दी जाने वाली पहली पुस्तक है . बंगाली वर्ण माला के पुनर्निर्माण का श्रेय उन्हीं को है . इसमें संस्कृत ध्वनियों को हटा बंगाली मुद्रण को 12 स्वरों और 40 व्यंजनों तक सीमित कर आसान बनाया . दरअसल प्रसिद्ध उद्धरण " " यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता " अर्थात जहां महिलाओं का सम्मान होता है वहीं देवताओं का वास होता है " ने उनके मन पर गहरा असर डाला इसी उक्ति से प्रेरित हो महिला कल्याण के लिये कई कार्य किये महिला सशक्तिकरण के प्रखर प्रवक्ता थे .बंगाल के आरंभिक पुनर्जागरण में राजा राममोहन राय के बाद विद्यासागर महान सामाजिक सुधारवादी नेता थे जिनके तेजस्वी विचारों ने शिक्षा , संस्कृति और सामाजिक विचारों में बदलाव किये जिसका समाज पर गहरा असर पडा . विधवा पुनर्विवाह ,महिला शिक्षा की वकालत और बाल विवाह को रोकने के अथक प्रयास किये .उनको दयासागर भी कहा जाता क्यों कि गरीबों और ज़रूरतमंदो की सहायता के लिये हमेशा आगे रहते .

उनका जन्म 26 सितंबर 1820 को ब्रिटिश इंडिया की प्रेसिडेंसी में हुआ था . वह न केवल सुधारक थे बल्कि सशक्त लेखक भी थे उनको आधुनिक बंगाली भाषा का जनक भी कहा जाता है . प्रसंगानुसार जब वह संस्कृत कालेज के प्रिसिपल थे तब किसी ज़रूरी काम से अंग्रेज़ आफिसर से मिलने उनके आफिस में गये तब वह जूता पहने मेज़ पर पैर रख कर बैठा थे विद्यासागर ने ज़रूरी बात की और लौट आये कुछ दिनों बाद संयोग वश उस आफिसर को विद्यासागर से कुछ काम पडा और वह उनसे मिलने उनके कालेज में गये .अब बारी विद्यासागर की थी उन्होंने भी चप्पल पहने हुए अपने पैरों को मेज़ पर रख दिया और अंग्रेज़ आफिसर की ओर देखा भी नहीं आफिसर ने अपनी बे ईज़्ज़ती महसूस की और गुस्से में चले गये और इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारी से की तो विद्यासागर से इसकी पूछताछ हुई इस पर उन्होने करारा जवाब देते हुए कहा जब मैं उनसे मिलने गया तो वह इसी तरह बैठे थे .

मैंने समझा यह अंग्रेज़ों के शिष्टाचार का हिस्सा है मैंने भी इसी तरह उनका अभिवादन करना चाहा .इस पर अंग्रेज़ आफिसर शर्मिंदा हुए और विद्यासागर से माफी मांगी विद्यासागर साहसी समाज सुधारक थे जिन्होंने समय की धारा को मोडा जो आज भी रौशनी देने का कार्य कर रही है .28 जुलाई 1891 को उनका देहांत हुआ . अपनी ज़िंदगी से जिस गाथा को लिखा वह इतिहास का सुनहरा अध्याय बनी . किसी " शायर ने खूब लिखा " अंधेरे को चीर कर जो रौशनी दिखाए ,वही लोग ज़माने में मसीहा कहलाए / तोडी है बेडियां रस्मो –रिवाज़ की जिन्होंने इंसानियत को नयी राह दिखायी // महान समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने यही किया .

काव्य कुंज

पुस्तकों की महत्ता

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

मशीनों की इस दुनिया में,
मोल मशीनों का बहुत है
जीवन को सरल बनाने में
इसके सहयोग अनंत हैं ।।
सारी दुनिया है सिमट गई,
मुट्ठी में मोबाइल आने से
बच्चा बच्चा डूब रहा है
इसके अनंत ज्ञान सागर में ।।
पुस्तकों के पन्ने धूमिल हो गए ,
उपेक्षाओं की धूलि से
महत्व पुस्तकों का फिर से
इस पीढ़ी को समझाना होगा ।।
ये पुस्तक समाज का दर्पण है,
सदियों से अपने पन्नों में
हर युग की अनमोल संस्कृति को
संजो संजो कर रखा है ।।
लिखित रूप में रखा जीवंत है ,
हर वेद पुराणों और विद्याओं को
मानवीय संवेदनाओं से पूरित
समृद्ध साहित्य हमारा है ।।
पुस्तकों का अध्ययन करना,
उनका सम्मान बढ़ाना है
समझा कर अनमोल महत्व इनका
आकर्षण सतत बनाना है ।।
बचपन से पाने को ज्ञान,
प्रथम हाथों में पुस्तक आए
इनको आदर का पुष्प चढ़ाकर
मां पुस्तक धारिणी का सम्मान बढ़ाएं ।।

तिरंगा लहराने दो

कुमुद बाला,
हैदराबाद

फिर रणभेरी बजने दो , फिर सिंहनाद सुनाने दो,
भारत की संतानों में , फिर ज्वालामुखी जगाने दो!
रग-रग में अंगार भरो , आँखों में तूफान भरो,
माँ भारती के चरणों में , जीने का अभिमान भरो!
तिरंगा लहराने दो , आकाश को झुक जाने दो,
भारत की जय-जयकार से , धरती को गूँज जाने दो!
जिन वीरों ने हँसकर अपने , प्राणों की आहुति दी थी,
जिनके रक्त की धाराओं ने , आजादी की नींव लिखी
उनका ऋण कैसे उतरेगा?
यह प्रश्न खड़ा है सामने—
क्या हममें वह ज्वाला बाकी,
जो जलती थी परवाने में?
उठो! कि फिर इतिहास लिखें,
उठो! नया अध्याय बने,
भारत की हर एक धड़कन में,
माँ का जयघोष सुनाई दे!
सीमा पर यदि दृष्टि उठेगी,तो आँखों में अंगार होगा,
भारत की भूमि पर कैसे किसी दुश्मन का अधिकार होगा ?
हम शांति के पुजारी हैं,पर कायरता स्वीकार नहीं,
माँ की अस्मिता पर उठे जो हाथ—उसका कोई उपचार नहीं!
हमने रण में पीठ न दी है,हमने शीश कटाए हैं,
मिट्टी की सौगंध निभाकर, युग-युग दीप जलाए हैं।
हिमालय की चोटी से लेकरसागर की लहरों तक,
एक ही स्वर उठने दो—भारत माँ की जय गान करें!
पूर्व-पश्चिम एक हो जाए, उत्तर-दक्षिण साथ खड़े,
एक तिरंगे की छाया में, सौ करोड़ संकल्प बढ़े!
अब इतिहास हमें पुकार रहा,अब भविष्य हमारे हाथ
कल का भारत कैसा होगा,हम तय करेंगे आज!
कलम उठे तो सत्य लिखे,हल चले तो अन्न उगाए,
विज्ञान उठे तो नभ छू ले,युवा उठे तो युग बदल जाए।
श्रम की गाथा, ज्ञान की शक्ति,भारत का श्रृंगार बने,
विश्व-पटल पर भारत फिर से,सूर्य-सा साकार बने!
आओ! ऐसी शपथ उठाएँ—राष्ट्र प्रथम, फिर अपना मान।
भारत माँ के चरणों में,अर्पित हो तन, मन और प्राण!
न झुकेंगे! न रुकेंगे! न थकेंगे! न डरेंगे!
जब तक साँस शेष है तन में—भारत के हित में लड़ेंगे!
आजादी केवल उत्सव नहीं,यह बलिदानों की अमर निशानी है,
तिरंगा केवल ध्वज नहीं—यह भारत की अमर -कहानी है!
तिरंगा लहराने दो, आकाश को झुक जाने दो,
भारत की जय-जयकार से, धरती को गूँज जाने दो!
वंदे मातरम !वंदे मातरम!
भारत माता की जय!

जिन्दगी

टी तारासिंह
हैदराबाद

ये दुनिया भी है बडी निराली
यहां सच ना चले
झूठ का है बोलबाला
यहां सब है मासूम
मगर सब मे छुपा है शैतान
कब कौन क्या कर जाये मालूम नही ?
यहां सब गम मे भी हसते है
हसते - हसते जी लेते
एक दूसरे के आंसू पोछ लेते
यहां सबकी उलझी है जिन्दगी
फिर भी एक दूसरे से मिलकर रहते
सुबह - शाम दुआ - सलाम करते
इंसान वही जो एक दूसरे के काम आये
जिन्दगी छोटी है हस के जी ले ।।

हम हिंदुस्तानी

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

इतिहास के रास्ते से हटाए ना हटेंगे
हम एक थे, हम एक हैं,हम एक रहेंगे ।
खुशबू है जुदा फूलों से लेकिन है चमन एक
भाषाएं अलग लाख हों लेकिन है वतन एक
हम काम के धागे से बंधे हैं न कटेंगे
हम एक थे, हम एक हैं, हम एक रहेंगे ।
धरती को सजाना भी है छूना है गगन भी
हर दिल को बना देना है ख्वाबों का चमन भी
एक साथ जिए आज तक एक साथ जिएंगे ,
हम एक थे, हम एक हैं , हम एक रहेंगे ।
दुश्मन तो बहुत हैं अपने जो हरदम जाल बिछाते
तोड़ना है उसी जालों को -और हासिल करना फतह है
अब तक तो जीतते आए हैं आगे भी हम जीतेंगे
हम एक थे, हम एक हैं हम एक रहेंगे -।
इतिहास के रास्ते से हटाए ना हटेंगे
हम एक थे हम एक हैं हम एक रहेंगे ।

गुप्ताष्टक

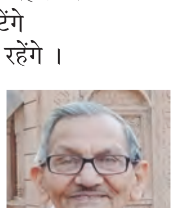

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

1.गुप्ता तुम परिवार में
रहियो मौन धराय,
जाने किसे कब कौन सी
बात बुरी लग जाय।
2.गुप्ता मन की व्यथा को
मन में रखो छिपाय,
सुनकर चल देंगे सभी
कोई न कहे उपाय।
3.गुप्ता हर परिवार में देखी कॉमन बात,
छोटे-बड़े मोबाइल में घुसे रहें दिन-रात।
4.बिन मांगे देना नहीं कभी किसी को सलाह,
इससे बड़ा जग में नहीं गुप्ता कोई गुनाह।
5.गुप्ता कुसमय जान कर धरियो मन में धीर,
काल अनोखा वैद्य है भरै घाव गंभीर।
6.गुप्ता लगती दुःख में चाल काल की सुस्त,
रखो भरोसा ईश पर कर देंगे दुःख मुक्त।
7.गुप्ता इस संसार में भांति भांति के लोग,
जैसा जिसका कर्म है वैसा उसका भोग।
8.विनय करो जगदीश से गुप्ता गर मन लाय,
कर देंगे दुःख दूर सब वे हैं सरल सुभाय।

मिट्टी

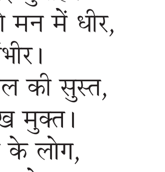

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

मिट्टी का पुतला हैं तू,
मिट्टी से ही आया था
मिट्टी में मिल जाएगा
चार कंधे रह जाएंगे,
मिट्टी में मिलाने को
किस चीज़ का घमंड करना,
क्यों किसी से बैर रखना
नाम, काम सब भूल जाते,
कुछ ही दिनों में दीवार पर टंग जाते
ये चमक ये तमगे धरे रह जाते
घरोंदे को बनाने में,
दिल और दिमाग लगाता है तू
टूट जाता है मिट्टी का घरोंदा,
क्यों इतनी मेहनत करता हैं तू
एक दिन छोड़ जाना हैं सब कुछ,
एक दिन छोड़ जाना हैं सब कुछ ।

यात्रा पुरातन से आधुनिक भारत की

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

पुरातन और सनातन का
अनमोल गठजोड़ है,
आधुनिक भारत की
कहानी भी बेजोड़ है,
आश्चर्यचकित हैं,
अचंभित हैं विश्व की
समस्त महाशक्तियां,
इसकी सांस्कृतिक विरासत का नहीं कोई तोड़ है।
पुरातन और आधुनिक भारत का अद्वितीय जोड़ है,
इतनी प्राचीन भारतीय सभ्यता भी आधुनिकता की धरोहर है,
दोनों का सामंजस्य एक अनुपम गठबंधन है,
सदाचार और नवाचार का यह अनोखा बंधन है।।
धर्मगत संस्कारों से लेकर डेमोक्रेसी तक की यात्रा,
शिवालय से प्रारंभ होकर पार्लियामेंट तक की गाथा,
टू जी से लगाकर सिक्स जी तक की डिजिटल विकास कथा,
है आधुनिकता के हर मापदंड को आत्मसात करने की प्रथा।
जिसके सम्मुख नतमस्तक हैं और सजदे में झुकती हैं,
सैंकड़ों वैश्विक सभ्यताओं और संस्कृतियों की श्रृंखलाएं,
ऐसी अतुलनीय, पुरातन से आधुनिक भारतवर्ष की यात्रा को,
हम भी सकारात्मक ऊर्जा से साकारित कर हर पल संवारें।।

हर दिल गीत गाएगा

गजानन पाण्डेय

साढ़े चार बज गए
चाय बनाना है
चाय पी कर, मूड़ बनेगा
काम में मन लगेगा ।
संगीत के सुरों से
फिर गीत बनेगा
हर दिल गीत गाएगा
मस्ती भरा समां
मदहोश कर जाएगा ।
पेड़ - पौधे झूम उठेंगे
कोयल गीत गाएंगी
पशु - पक्षी साथ हो लेंगे
बहारों का मौसम लौट आएगा।

जय हो भारत

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

जय हो भारत जय अभ्युदय
विकास ही एकमात्र अभिमत,
संघर्ष पथ नहीं समर्पण हो सही,
सेवा-सहयोग सुसंस्कार के राही,
सवाल नहीं समाधान सुधार में रत,
आंदोलन का मार्ग नहीं आचरण से,
अनुशासित संयमता सुचारुपथ से,
निर्माणों के पावन युग में कण-कण,
हम आगे बढ़े कर तन-मन-धन अर्पण ,
यही भावना सतत साधना है हमारी,
समाज-सापेक्षित कर्तव्य निष्ठा सारी,
भारत अभ्युदय के वैभव निहारे सभी,
सुनिश्चित है पुनर्वैभव का प्रयास अभी,
जय हो भारत जय-जय हो अभ्युदय।
विकास के पथ पर हो भारत अभ्युदय। ।

त्याग तप से करो देश कल्याण

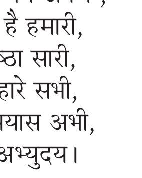

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

15 अगस्त 1947 को भारत देश हुआ था आजाद।
देश का हर नागरिक
देश को कर रहा था आबाद।
विभिन्न धर्म,जाति,अनेकता
में एकता की थी मिसाल,
मिलजुल आजादी पाई,
सदियों गुलामी के बाद ।।
हिन्दू,मुस्लिम,सिख,ईसाई,
सबका ही था साथ।
आजाद देश बनाने को सबका ही था हाथों में हाथ।
80 वर्ष आजादी बाद भी बहुत कुछ खोया हमने,
आज जिस डाल बैठे हैं हम, उसी को रहे हम काट।।
महान हमारे देश की ,समुद्र भाति। जनसंख्या विशाल
आई.आई.टी. उच्च विद्यालयों का जन्म बना था खास,
भारत धन से लेकर शिक्षा, विदेशों में नौकरी व प्रवास।
दुर्भाग्य हमारा,सबको नौकरी देने में असक्षम, निराश,
गुरुकुल शिक्षा प्रणाली हमारी थी विश्व में विख्यात।
बिन सोचे देखा देखी में शिक्षा पर हो रहा कुठाराघात।
कुछ तो सच हुए सपने,कुछ अधूरे , छूट रहे अपने,
स्वदेशी वस्तुओं से मन हटा,विदेशी मोह लिये पाल।।
समय आ गया समुद्र मंथन का,विष को आने न दें पास।
मनन करना होगा ,नहीं सफल होने दें धोखेवाली चाल।
अपनी अपनी मथनी से मथकर, अमृत को पाना होगा,
विष को दूर रखकर,सिर्फ अमृत का करना होगा पान।
तभी कहलाएगा हमारा भारत देश महान,भारत देश महान।
संत कबीर की धरती भारत, त्याग तप से करो देश कल्याण।।

बदल जायेगा स्वभाव

सत्यवान सौरभ

मन था निर्मल, प्रेम था,
मधुर वचन की छाँव।
अपने ही जब घाव दें,
बदल गया स्वभाव॥
हँसकर हर पीड़ा सही,
रखा सभी का मान।
अपनों ने ही तोड़ दी,
विश्वासों की शान॥
सच को जिसने ओढ़ लिया, पाया वही दुराव—
अपने ही जब घाव दें, बदल गया स्वभाव॥
झुकता रहा हर मोड़ पर, रिश्तों की ही आस।
टूट गया सम्मान जब, बिखर गया विश्वास॥
आँसू पीकर मुस्कुरा, करता रहा निभाव—
अपने ही जब घाव दें, बदल गया स्वभाव॥
चुप्पी मेरी पढ़ न सके, समझे सब लाचार।
मन के भीतर जल उठे, पीड़ा के अंगार॥
शब्द हुए अब तीक्ष्ण से, खो गया वह भाव—
अपने ही जब घाव दें, बदल गया स्वभाव॥
कड़वे लगते आज जो, मेरे सारे बोल।
बरसों के संताप ने, बदले मन के मोल॥
घाव समय ने दे दिए, बदला जीवन-गाँव—
अपने ही जब घाव दें, बदल गया स्वभाव॥
दोष न देना व्यक्ति को, समझो मन की पीर।
अपने ही जब दर्द दें, बदल जाए तक़दीर॥
'सौरभ' रिश्ते तब खिले, जब हो सच्चा भाव—
मन था निर्मल, प्रेम था, मधुर वचन की छाँव।
अपने ही जब घाव दें, बदल गया स्वभाव॥

तीज

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

तीज का त्यौहार,
होता बड़ा मज़ेदार।
ख़ूब सजो संवरो,
लाता जीवन में बहार।
मायके जाओ,
या ससुराल रहो।
पिया मन भाओ,
सासु मां से, उपहार पाओ।
चलो बाघ में चलते हैं।
ख़ूब झूला झूलते हैं।
सिंगार कर निकले गोरियां,
करती नदी में अठखेलियां।
ये कमसिन किशोरियां।
पूजा गौरी की करती हैं।
आशीष में मां से हमेशा,
प्यारा सा सुहाग मांगती है।
शिव पूजा करो , दीप जलाओ,
आई राखी,मायके जाओ,
भाई को राखी बांध,
मनचाहा उपहार पाओ।
भाई रक्षा करने का वादा करे,
बहन से आशीष पाता है।
यूँ भाई बहन का रिश्ता,
स्नेह से बंधा रहता है।

विभाजन का दर्द

संजीव ठाकुर,
रायपुर

किसी ने अपना घर खोया,
किसी ने घर में रहने वाले लोग।
किसी ने आँगन खोया,
किसी ने आँगन में खेलता बचपन।
किसी के हाथ में
एक छोटी-सी गठरी
उसमें कपड़ों से अधिक
बीते हुए दिनों की गंध।
किसी ने जाते-जाते
दरवाज़े को छुआ
जैसे दरवाज़ा नहीं,
उसका अपना कोई ।
पीछे छूट गया कुआँ,
जिसका पानी पहचानता प्यास को,
वह पेड़ भी छूट गया जिसकी छाँव में पिता बैठते ।
नदी वही मिट्टी वही आकाश भी वही
बस आदमी के बीच एक रेखा खिंच गई
जो बच गए, वे कहाँ पूरे बच पाये
उनके भीतर का घर
हमेशा के लिए उजड़ गया ।
उन्हें क्या मिला
एक नया देश, एक नया पता, एक नया घर।
क्या खोया पूछना कठिन
क्योंकि जमीन खोना
सिर्फ जमीन खोना नहीं होता,
जड़ों से अलग होना होता।
इसलिए इतिहास को याद रखना जरूरी
देश बाँटे जा सकते,
घर फिर बनाए जा सकते
लेकिन मनुष्यों के बीच
बँटवारे की पीड़ा
पीढ़ियों तक चलती ।
शायद सबसे बड़ा सबक यही
कि किसी की जमीन छीनने से पहले
हमें यह याद रखना चाहिए
कि जमीन के साथ
उसकी स्मृतियाँ भी जुड़ी होती ।
किसी को अपना कहने से पहले
हमें यह सीखना चाहिए
मनुष्य की सबसे बड़ी जमीन
मनुष्य की संवेदना ही है।

दूरी

डॉ टी महादेव राव

नहीं नाप सकते
सभी दूरियां मील के पत्थरों से
कहां-कहां का टिकट मांगोगे
जब मंजिल का पता नहीं है
हंसते दो होठों के बीच
देखते दो आंखों के मध्य
जान पहचान के चार
बातों के दरमियान
लेन-देन करते शरीरों के बीच
कौन सी दूरी किस रंग में है
तुम्हें भी नहीं मालूम
मैं भी नहीं जानता
अंतरिक्ष को करीब ला सकने की आसानी से
आत्माओं को दूर कर लिए हैं
समुद्र है या मरुस्थल
घना जंगल या हिमालय
दूरी का रूप जाने बिना
अपने आप को किस अस्त्र सा
बनाकर दूरी को ध्वंस करोगे
हाथ मिलाए कंधे मिलाकर
नींद मिलाई सपने मिलाकर
दूरियों की हिफाजत से पहरेदारी में
जाति धर्म रंग सीमाएं
ये मात्र दूरियां नहीं हैं
तुम्हें भी मालूम मुझे भी मालूम
चमड़े की थैली में
खून भरने जितना सरल नहीं
दिलों के बीच की दूरी को मिटाना
भौतिक हो या आत्मिक या आध्यात्मिक
दूरी की बात कहीं पर
तुम्हारा मुझे और मेरा तुम्हें
देखना सच्चाई तो नहीं है
इतने पास में भी हमारी अपरिचित अनजानी दूरी कोई है
नए महाद्वीप नहीं
अब दूरियों की खोज होनी चाहिए
आओ मैं तुम्हें अपने कांधे पर बिठाकर
मैं तुम्हारे कांधे पर बैठकर चलो चलते हैं

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

प्रधान मंत्री का लालकिले से 'विकसित भारत ' का संकल्प

अशोक भाटिया

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। 'विकसित भारत' का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं।

इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और

हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए। आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो—ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा।

निष्कर्षतः विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले। लालकिले की प्राचीर से गूंजा यह संकल्प देश के लिए एक महान आह्वान है। आने वाले दो दशक भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होने जा रहे हैं। यदि हम सब मिलकर पूरी निष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ इस संकल्प के प्रति समर्पित हो जाएं, तो निश्चित रूप से वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब वह विश्व पटल पर एक परम वैभवशाली, समर्थ और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

खुद ही कैसे जनगणना में परिवार का नाम डालें?

पीएम मोदी ने बताई ट्रिक, बिना झंझट यूं सेंसस में जुड़ जाएगा नाम

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से देश के युवाओं को जनगणना में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि युवा अपना समय दें और यह सुनिश्चित करने में मदद करें की परिवारों के बारे में जानकारी सही-सही दर्ज की जाए। पीएम मोदी ने अपील में कहा कि अपने परिवार के साथ बैठकर जनगणना में दी जाने वाली जानकारी ध्यान से भरें।

पीएम मोदी ने देश को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि युवा जनगणना प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा सकते हैं। युवाओं को इसके लिए एक-दो घंटे का समय निकालना चाहिए। देश के रजिस्ट्रार जनरल के अधिसूचित 40 प्रश्नों के मुताबिक उत्तरदाताओं से पहली बार मोबाइल नंबर, आधार नंबर, मतदाता पहचान संख्या,

पासपोर्ट नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस की स्थिति से संबंधित जानकारी के अलावा बैंक खातों की संख्या सहित विवरण मांगा जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से मदद मांग रहा हूं। मैं चाहता हूं कि सभी युवा इसमें आगे आएं। आपके समय का थोड़ा सा योगदान भी देश को बहुत मजबूती दे सकता है। जनगणना का डेटा केवल संख्यात्मक जानकारी तक सीमित नहीं है। इसका विवरण सरकारी नीतियों और योजनाओं को तैयार करने और देश के विकास के लिए रोडमैप तैयार करने में मदद करेगा।

बता दें कि 1872 से 2011 के बीच हुई पिछली जनगणनाओं में, जवाब देने वालों के पास मौजूद दस्तावेजों की जानकारी नहीं मांगी गई थी। आने वाली जनगणना में आजादी के बाद पहली बार सभी जवाब देने वालों की जाति की जानकारी भी दर्ज की जाएगी। इससे पहले, जनगणना में आम तौर पर सिर्फ यह दर्ज किया जाता था कि जवाब देने वाले अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति श्रेणी से हैं या नहीं। जवाब देने वालों को अपनी 'जानकारी या विश्वास' के आधार पर सवालों के जवाब देने होंगे और जनगणना करने वाले इन जवाबों को डिजिटल रूप से या जरूरी हालात में कागज पर दर्ज करेंगे।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर में टीएमसी सांसद शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा के एक लिखित सवाल के जवाब में कहा था कि जनगणना अधिनियम के तहत जनगणना के सवालों का जवाब देना अनिवार्य है। राय ने यह भी कहा कि आजादी के बाद से सरकार ने एससी और एसटी के अलावा किसी भी जनगणना में जाति-वार जनसंख्या की गिनती नहीं की है। मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति ने पिछले साल 30 अप्रैल को आने वाली जनगणना में जाति-वार गिनती को मंजूरी दी थी।

प्रश्नावली में क्या-क्या?

वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, जीवनसाथी का नाम, बताई गई राष्ट्रीयता, माता-पिता की जानकारी, विकलांगता की स्थिति, मातृभाषा, अन्य ज्ञात भाषाएं, साक्षरता, डिजिटल साक्षरता।

पूरी तरह से डिजिटल होने वाली इस प्रक्रिया में शैक्षणिक संस्थानों में उपस्थिति और हासिल की गई उच्चतम शैक्षणिक योग्यता के बारे में भी जानकारी मांगी जाएगी। राय ने कहा कि जनगणना से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी जाएगी और केवल अलग-अलग प्रशासनिक स्तरों पर कुल आंकड़े ही जारी किए जाएंगे।

आरजीआई के हालिया सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि जनगणना 2027 के दौरान अगर कोई अधिकारी जान-बूझकर 'कोई आपत्तिजनक या अनुचित सवाल' पूछता है, तो उसे सजा हो सकती है। दोषी पाए जाने पर 3 साल तक की जेल भी हो सकती है। पहले जारी किए गए सरकारी नोटिफिकेशन के अनुसार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फबारी वाले इलाकों में जनसंख्या की गिनती 1 से 30 सितंबर के बीच की जाएगी।

11,718 करोड़ मंजूर

देश के बाकी हिस्सों में अगले साल घर-घर जाकर जनसंख्या की गिनती शुरू होने से पहले 17 से 31 अगस्त तक खुद से जानकारी भरने (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा उपलब्ध होगी। हर 10 साल में होने वाली जनगणना, जो मूल रूप से 2021 में होनी थी। कोविड-19 महामारी के कारण टाल दी गई थी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 11,718 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

जब इलाज में ही परिवार की जमा-पूंजी निगल जाए

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में स्वास्थ्य सेवा का सवाल अब केवल डॉक्टर,अस्पताल,दवा और इलाज तक सीमित नहीं रह गया है। यह तेजी से परिवार की आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक न्याय और नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जुड़ता जा रहा है। किसी परिवार में गंभीर बीमारी आ जाए तो बीमारी से लड़ने के साथ- साथ उसे अस्पताल का बिल,जांचों का खर्च,दवाइयों की कीमत,कमरे का किराया और बीमा के दावों की जटिलताओं से भी लड़ना पड़ता है। इसी व्यापक चिंता को संसद की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट- ऑफॉर्डएबिलिटी एंड एक्सेससिबिलिटी ऑफ़ हेअल्थकेयर फेसिलिटीज इन पब्लिक एंड प्राइवेट सेक्टर ने सामने रखा है। यह रिपोर्ट 7 अगस्त 2026 को संसद में पेश की गई और इसमें कुल 368 सिफारिशें की गई हैं। इनमें निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार, जांच और सामान्य प्रक्रियाओं की लागत को मानकीकृत और सीमित करने की व्यवस्था बनाने से लेकर सस्ती स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के ज़ीएसटी ढांचे की समीक्षा तक कई सारे महत्वपूर्ण सुझाव शामिल हैं। इलाज महंगा होना अब सिर्फ स्वास्थ्य समस्या नहीं, आर्थिक संकट भी है, कल्पना कीजिए कि एक निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार का कमाने वाला सदस्य अचानक हृदय रोग, कैंसर,किडनी की बीमारी या किसी गंभीर संक्रमण की चपेट में आ जाता है। परिवार पहले सरकारी अस्पताल में इलाज की संभावना तलाशता है,लेकिन यदि वहां बेड,विशेषज्ञ डॉक्टर, जांच या तत्काल उपचार उपलब्ध नहीं होता तो उसे मजबूरी में निजी अस्पताल का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। यहीं से चिकित्सा खर्च का दूसरा संकट शुरू होता है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद कमरे का किराया, डॉक्टर की फीस, जांच,दवाइयां,उपकरण,प्रक्रिया शुल्क और अन्य खर्च मिलकर ऐसा बिल बना सकते हैं जिसे परिवार की वर्षों की बचत भी पूरा न कर पाए। संसदीय समिति ने निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार तथा जांचों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था बनाने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में 368 सिफारिशें की गई है,अब असली परीक्षा क्रियान्वयन की है। रिपोर्ट की सबसे बड़ी विशेषता केवल इसकी 368 सिफारिशें नहीं बल्कि यह है कि संसद की समिति ने स्वास्थ्य व्यवस्था की समस्या को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में एक साथ देखा है। इन सिफारिशों का कितना हिस्सा नीति, कानून और जमीन पर लागू होता है। किसी भी संसदीय समिति की रिपोर्ट तभी जनता के जीवन में परिवर्तन ला सकती है जब सरकार, राज्य सरकारें, नियामक संस्थाएं, बीमा कंपनियां और अस्पताल उसके सुझावों को क्रियान्वयन में बदलें। निजी अस्पतालों में कुछ बातें और देखने को मिलती है कि उनकी निजी फार्मेसी होना, प्रिस्क्रिप्शन में वही दवाइयां लिखना जो बाहर नहीं मिलती उस फार्मेसी में ही मिलती है, ज़ो कंज्यूमर प्रोटक्शन एक्ट 2019 में आता है।मरीज को तुरंत ही आईसीयू या वेंटिलेटर पर लगा देना जैसी अनेक बातें मरीजों द्वारा बताई जाती है। जिस पर नियमावक बनाने की जरूरत है।

बात अगर हम 176 वीं रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश,निजी अस्पतालों की कीमतों में पारदर्शिता को समझने की करें तो,गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए इस रिपोर्ट का सबसे सीधा अर्थ यह है कि इलाज की कीमत मरीज को पहले से पता होनी चाहिए और समान प्रकार के उपचार के लिए कीमतों में अत्यधिक अंतर नहीं होना चाहिए। समिति ने सभी निजी अस्पतालों में आवश्यक उपचार, डायग्नोस्टिक सेवाओं और सामान्य प्रक्रियाओं की लागत को मानकीकृत करने तथा उन पर सीमा तय करने की व्यवस्था बनाने की बात कही है। यह सुझाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में मरीज अक्सर ऐसी स्थिति में होता है जहां वह कीमत पर बातचीत नहीं कर सकता। वह डॉक्टर से यह नहीं कह सकता कि यह जांच महंगी है,दूसरी जगह करा लूंगा, क्योंकि गंभीर बीमारी में समय भी महत्वपूर्ण होता है। इसलिए मरीज को उपभोक्ता की तरह केवल बिल थमाने के बजाय उपचार से पहले अनुमानित खर्च, उपचार के विकल्प और पैकेज की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। यही पारदर्शिता भविष्य में अनावश्यक आर्थिक शोषण को रोकने की दिशा में बड़ा कदम हो सकती है।

कई बार मरीज को लगता है कि उसका मुख्य खर्च ऑपरेशन या इलाज पर होगा, लेकिन अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पता चलता है कि कमरे, नर्सिंग, जांच, दवाइयों और अन्य सेवाओं के अलग-अलग शुल्क ने बिल को कई गुना बढ़ा दिया। महानगरों में अस्पताल में रहने के लिए बड़ी रकम वसूलने की समस्या को रेखांकित किया है। इसलिए जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें मरीज को भर्ती करने से पहले कमरे का किराया, डॉक्टर शुल्क, संभावित जांच, प्रक्रिया शुल्क और अनुमानित कुल खर्च स्पष्ट रूप से बताया जाए। आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर उपचार के बीच अचानक नए और बड़े खर्च सामने आने की स्थिति पर भी नियमन होना चाहिए।स्वास्थ्य बीमा है, फिर भी परिवार क्यों परेशान होता है? एक आम मध्यमवर्गीय परिवार यह सोचकर स्वास्थ्य बीमा खरीदता है कि बीमारी आने पर उसका आर्थिक संकट कम हो जाएगा। लेकिन वास्तविकता में कई परिवारों को बीमा होने के बावजूद जेब से बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। कमरे की सीमा, सह-भुगतान, कुछ उपचारों का बाहर होना, ओपीडी खर्च,दवाइयों तथा जांचों की सीमाएं और क्लेम की प्रक्रिया मरीज के लिए परेशानी बन सकती हैं।संसदीय समिति ने कम लागत वाली स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था, विशेषकर उस वर्ग के लिए जो न तो पूरी तरह सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा में आता है और न ही महंगे निजी बीमा को आसानी से वहन कर सकता है, की आवश्यकता पर जोर दिया है। इसे आम भाषा में कहें तो यह उस बीच के वर्ग के लिए सुरक्षा कवच की जरूरत है जो बीमारी आने पर सबसे ज्यादा आर्थिक असुरक्षा सटीकता से महसूस कर सकता है। इलाज बाजार नहीं,मानवीय अधिकार की भावना से संचालित होना चाहिए इसको समझने की करें तो स्वास्थ्य सेवा में निजी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। निजी अस्पतालों ने भारत में आधुनिक चिकित्सा, सुपर- स्पेशियलिटी उपचार,तकनीक और आपातकालीन सेवाओं के विस्तार में योगदान दिया है। इसलिए समाधान निजी क्षेत्र को समाप्त करना नहीं हो सकता। समाधान है, निजी स्वास्थ्य क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही उचित मूल्य और मरीजों के अधिकारों का मजबूत संरक्षण।भारत को ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था चाहिए जिसमें निजी अस्पताल लाभ कमा सकें, लेकिन मरीज की मजबूरी को लाभ काअसीमित अवसर न बनाया जा सके। अस्पताल उद्योग है, लेकिन मरीज केवल ग्राहक नहीं है,वह बीमारी और भय की स्थिति में मदद मांगने वाला नागरिक है।

भविष्य के हवाई सफर की शुरुआत

एविएशन सेक्टर में कार्बन एमिशन को कम करने और सस्टेनेबल ट्रैवल को बढ़ावा देने के लिए बैटरी-इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड विमानों का विकास अब वास्तविकता बनता जा रहा है। हाल ही में अमेरिका में दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक विमान एक्स1 की सफल उड़ान ने यह साबित कर दिया है कि भविष्य के कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट ना सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल होंगे, बल्कि पारंपरिक जेट विमानों की तुलना में ऑपरेटिंग कॉस्ट को भी भारी मात्रा में घटाएंगे। जहां तक भारत जैसे विशाल और तेजी से बढ़ते विमानन बाजार की बात है, तो कम दूरी के रीजनल रूट्स और छोटे शहरों को आपस में जोड़ने के लिए इलेक्ट्रिक एयरक्राफ्ट्स की संभावनाएं असीम हैं। देश में अगर इस दिशा में तेजी से बुनियादी ढांचा विकसित किया जाए, तो आने वाले दशकों में

चार्जिंग पर चलने वाले दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक विमान ने भरी पहली उड़ान, खर्च सिर्फ 5 डॉलर

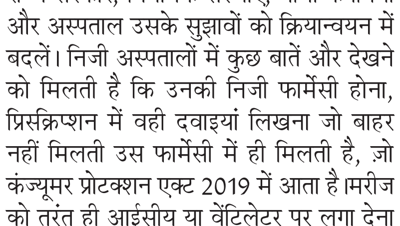

भारत का घरेलू हवाई सफर बेहद किफायती, शांत और पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त हो जाएगा।

एक्स1 की ऐतिहासिक पहली उड़ान

फिलहाल आपको दुनिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक विमान की पहली उड़ान के बारे में बताएं तो स्वीडिश एयरोस्पेस कंपनी हार्ट एयरोस्पेस का यह पायलटयुक्त एक्स1 डिमॉन्स्ट्रेटर विमान न्यूयॉर्क के प्लैट्सबर्ग इंटरनैशनल एयरपोर्ट से बीते बुधवार 12 अगस्त को हवा में उड़ा था। यह विमान लगभग 27 मिनट तक आसमान में रहा और जमीन से 1,100 फीट की ऊंचाई तक पहुंचा। इस उड़ान के दौरान विमान ने 1 मेगावाट (MW) से ज्यादा की पावर दी और पूरी उड़ान में इस्तेमाल हुई बिजली की कीमत मात्र 5 डॉलर, यानी 500 रुपये से भी कम रही।

बता दें कि इस इलेक्ट्रिक विमान का विंगस्पैन, यानी पंखों का फैलाव 106 फीट (32 मीटर) और लंबाई 76 फीट (23 मीटर) है। इसका टेकऑफ वजन 25,000 पाउंड, यानी 11,340 किलोग्राम से ज्यादा है। यह परीक्षण एफएए (एफएए) के स्पेशल एयरवर्थनेस सर्टिफिकेट इन द एक्सपेरिमेंटल कैटिगरी के तहत किया गया, जिसमें टैक्सी, टेकऑफ, क्लाइम और लैंडिंग शामिल थी।

इंट्रेस्टिंग इंजीनियरिंग की रिपोर्ट की मानें तो एक्स1 विमान वास्तविकता में हार्ट एयरोस्पेस के आगामी ईएस-30 प्रोडक्शन एयरलाइनर के लिए एक डिमॉन्स्ट्रेटर है। ईएस -30 एक पारंपरिक फिक्सड-विंक और हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक रीजनल एयरलाइनर होगा, जो 30 यात्रियों को ले जाने में सक्षम होगा और इसके 2031 तक सेवा में आने की उम्मीद है। यूनाइटेड एयरलाइंस, एयर कनाडा और जेएसएक्स जैसी कंपनियों ने पहले ही इस विमान के लिए बुकिंग/कमिटमेंट कर दिए हैं।

यहां बता दें कि इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन से विमान संचालन लागत में पारंपरिक क्षेत्रीय विमानों की तुलना में 40 फीसदी से ज्यादा की कटौती होने की उम्मीद है।

यश की 'टॉक्सिक' को सेंसर बोर्ड से मिली 'ए' सर्टिफिकेट की मंजूरी! कितने घंटे की होगी फिल्म

हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसके बाद से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गईं। अब फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है।

कितने घंटे की होगी फिल्म?

डायरेक्टर गीतू मोहनदास की इस पैन इंडिया एक्शन फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'A' सर्टिफिकेट मिलने की बात कही जा रही है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के जिस वर्जन को पास किया है, उसकी लंबाई करीब 3 घंटे 14 मिनट बताई जा रही है। यानी फिल्म काफी लंबी होने वाली है।

सूत्रों की मानें तो 'टॉक्सिक' की कहानी गोवा के बैकग्राउंड पर आधारित है। हालांकि, फिल्म की कहानी और लोकेशन को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

क्या है 'टॉक्सिक' की कहानी?

ट्रेलर के मुताबिक फिल्म की कहानी एक बाप और बेटे की लड़ाई पर आधारित है। ट्रेलर की शुरुआत में एक बेटा अपने बाप से माफी मांगता है और आगे जाकर यही बेटा अपने बाप के खिलाफ खड़ा नजर आता है। अब क्या है दोनों की कहानी यह तो फिल्म देखकर ही पता चलेगा।

फिल्म की स्टारकास्ट और रिलीज डेट

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोनू निगम ने खोला सिंगिंग का राज, ऑटो-ट्यून के इस्तेमाल पर बोले- 'खुशकिस्मत हूं मैं'

सिंगर सोनू निगम ने कहा है कि वह कुछ चुनिंदा गानों के लिए ऑटो-ट्यून का इस्तेमात करते हैं। इसके साथ ही सोनू ने ऑटो-ट्यून के असली उद्देश्य पर भी चर्चा की।

सोनू क्यों करते हैं ऑटो-ट्यून का इस्तेमाल?

सोनू हाल ही में यूट्यूब पॉडकास्ट गेम चेंजर्सः द म्यूजिक सीरीज पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा, 'मैं कुछ चुनिंदा गानों में ऑटो-ट्यून का इस्तेमाल करता हूं। डिजिटल रिकॉर्डिंग से कभी-कभी असली आवाज थोड़ी बेसुरी लग सकती है।' बातचीत के दौरान ऑटो-ट्यून के असली उद्देश्य समझाते हुए उन्होंने कहा कि इसका इस्तेमाल अच्छे गायक के प्रदर्शन को निखारने के लिए होना चाहिए, ना कि गैर-गायकों को कलाकार बनाने के लिए।

सोनू ने खुद को बताया खुशकिस्मत

सोनू निगम ने आगे अपनी बात करते हुए कहा, 'जो भी हुआ अच्छा ही हुआ। पहले के दिनों में ऑटो-ट्यून के बिना गाना पड़ता था और हम खुशकिस्मत हैं कि हमने इसके बिना ही रियाज किया है। हमें इसकी जरूरत नहीं है लेकिन फिर भी मैं कहूंगा कि मैं अपने कुछ गानों में ऑटो-ट्यून का इस्तेमाल करता हूं।'

सोनू निगम का वर्कफ्रंट

सिंगर सोनू निगम ने हाल ही में फिल्म 'बंटवारा 1947' के गाने 'तबस्सुम' को अपनी आवाज दी है। एआर रहमान द्वारा संगीतबद्ध और जावेद अख्तर द्वारा लिखित इस गाने को अली फजल, ईशा संधिर, करण देओल और कनिका कपूर जैसे अभिनेताओं पर फिल्माया गया है। फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है।

रश्मिका मंदाना ने अंडरवॉटर एक्शन सीक्वेंस में दिखाया दम

रश्मिका मंदाना ने बहुत कम समय में साऊथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बना ली है। 'पुष्पा' की श्रीवल्ली से लेकर 'एनिमल' की गीतांजलि तक, अभिनेत्री ने अलग-अलग किरदारों से दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई है।

लेकिन इस वक्त रश्मिका जिस वजह से सबसे ज्यादा चर्चा में हैं, वह है उनकी आगामी फिल्म 'मायसा' का एक बेहद चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर एक्शन सीक्वेंस, जिसे मेकर्स भारतीय सिनेमा का पहला फीमेल लीड अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस बता रहे हैं। इस खतरनाक और अनोखे स्टंट ने उसके करियर में एक नया मील का पत्थर जोड़ दिया है।

पानी के अंदर 20 घंटे का खतरनाक एक्शन, बिना बॉडी डबल के

'मायसा' के लिए रश्मिका ने जो अंडरवॉटर सीक्वेंस शूट किया है, वह किसी भी कलाकार के लिए आसान नहीं था। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री ने करीब दो दिनों में लगभग 20 घंटे पानी के अंदर रहकर इस सीक्वेंस को पूरा किया।

सबसे खास बात यह है कि उसने इस पूरे स्टंट के लिए किसी बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया और सभी एक्शन खुद ही किए।

फिल्म के निर्देशक रवींद्र पुले ने सोशल मीडिया पर शूटिंग की कुछ झलकियां साझा कीं, जिनमें रश्मिका 'वैटसूट' (गोताखोरी वाली ड्रैस) में नजर आ रही है और उसके आसपास गोताखोर मौजूद हैं। तस्वीरों में वह पानी के अंदर सीक्वेंस को लेकर दिए जा रहे निर्देशों को बेहद ध्यान से सुनती दिखाई देती है। एक अन्य तस्वीर में उसके किरदार की पीठ पर चोट के निशान भी नजर आते हैं, जो इस एक्शन की तीव्रता को दर्शाते हैं।

निर्देशक ने इस सीक्वेंस को भारतीय सिनेमा के लिए एक अनोखा अनुभव 'बताते हुए कहा कि दर्शक पहली बार पानी की गहराइयों के अंदर एक महिला किरदार को इस तरह की लड़ाई करते देखेंगे।

अब तक के मेरे करियर की सबसे मुश्किल चुनौती

रश्मिका ने भी इस अनुभव को अपने करियर का सबसे कठिन लेकिन रोमांचक हिस्सा बताया है। उसने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह उसके जीवन का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण काम था, लेकिन इसी चुनौती ने उसे सबसे ज्यादा उत्साहित भी किया। लगभग 20 घंटे पानी के अंदर शूटिंग करना सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद कठिन होता है। ऐसे सीक्वेंस में सांसों पर नियंत्रण, पानी के दबाव में मूवमैंट और लगातार फोकस बनाए रखना जरूरी होता है ।रश्मिका का बिना बॉडी डबल के इस स्टंट को पूरा करना यह दिखाता है कि वह अपने किरदारों के लिए लगातार सीमाएं तोड़ने को तैयार हैं।

दिखेगा रश्मिका का बिल्कुल अलग अवतार 'मायसा' का निर्देशन रवींद्र पुले कर रहे हैं और इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है । फिल्म को आदिवासी पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताया जा रहा है। यह रश्मिका की पहली फीमेल लीड पैन-इंडिया एक्शन फिल्म है। रिलीज हो चुके फिल्म के फर्स्ट लुक में रश्मिका का बेहद आक्रामक और उग्र अवतार देखने को मिला था- खून से सना चेहरा, हाथ में हथियार और आंखों में गुस्सा । इस लुक ने पहले ही संकेत दे दिया था कि यह फिल्म उसके करियर की सबसे अलग और दमदार फिल्मों में से एक होने वाली है। फिल्म के इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है और इसका टीजर जल्द जारी किया जा सकता है।

कई भाषाओं की फिल्मों में कर रही है काम

रश्मिका इन दिनों भारतीय सिनेमा की व्यस्त अभिनेत्रियों में शामिल है। वह हिंदी के साथ-साथ तेलुगु और अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर रही है। रिपोर्ट्स के और वह करीब 30 नैशनल और अनुसार, उसके पास कई बड़े प्रोजैक्ट्स हैं इंटरनैशनल ब्रांड्स को प्रमोट कर रही है। वह हाल ही में फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आई थी।

डांस सीन फिल्माते हुए लगी चोट

दूसरी ओर रश्मिका 'मायसा' की शूटिंग के दौरान एक डांस सीक्वेंस फिल्माते हुए चोटिल हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, डांस और एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उसके कूल्हे में चोट लगी है।

रश्मिका ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है। रश्मिका ने बताया कि वह कुछ समय से सोशल मीडिया से दूर थी और अब अपनी चोट के बारे में फैंस को जानकारी दे रही है। उसने लिखा कि चोट लगना बिल्कुल भी अच्छा अनुभव नहीं है । रश्मिका ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह उम्मीद कर रही थी कि किसी को उसकी चोट के बारे में पता नहीं चलेगा, लेकिन अब जब सबको पता चल ही गया है तो वह वापस आ गई है।

रश्मिका ने बताया कि उसे यह चोट कुछ समय पहले लगी थी और यह उसकी लगातार तीसरी चोट है। उसने कहा कि उसे अपने शरीर को मशीन की तरह नहीं, बल्कि इंसानी शरीर की तरह ट्रीट करना सीखना चाहिए ।

मेरी चिंता मत करना

रश्मिका ने फैंस को भरोसा दिलाया कि उन्हें ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। उसने बताया कि दर्द जरूर है, लेकिन वह इसे सहन कर पा रही है। मजाकिया अंदाज में उसने कहा कि शायद भगवान उसे यह समझा रहे हैं कि अगर वह खुद ब्रेक नहीं लेगी तो उसे जबरन आराम करना पड़ेगा। रश्मिका ने बताया कि फिलहाल वह अपना समय पहेलियां हल करने में बिता रही है और उसे खुद नहीं पता था कि वह इसमें इतनी अच्छी है।

इंडस्ट्री छोड़ने के लिए खुद को तैयार कर लिया था

'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' यामी के करियर के लिए एक अहम मोड़ साबित हुई। खास बात यह है कि फिल्म की सफलता के साथ यामी और निर्देशक आदित्य धर का रिश्ता भी मजबूत हुआ और बाद में दोनों ने शादी कर ली।

यामी गौतम आज हिंदी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों शुमार है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और दमदार अभिनय के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है, लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब वह बॉलीवुड को अलविदा कहने का मन बना चुकी थी । उसने हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म 'विक्की डोनर' से अपने करियर की शानदार शुरुआत के बावजूद उसे कई वर्षों तक ऐसे मौके नहीं मिले, जिनसे वह बतौर अभिनेत्री खुद को साबित कर पाती।

यामी ने 2012 में फिल्म 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म सफल रही, लेकिन इसके बावजूद 'उसके करियर को वह रफ्तार नहीं मिल सकी, जिसकी उम्मीद की जा रही थी ।

यामी के अनुसार, इंडस्ट्री में उसकी शुरुआत को 'अनकन्वेंशनल' माना गया, क्योंकि उसे पारंपरिक तरीके से लॉन्च होने वाली हीरोइन की तरह पेश नहीं किया गया था। उसका मानना है कि इस धारणा का असर उसके करियर पर भी पड़ा।

कई सालों तक अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों का इंतजार करने के बाद यामी का भरोसा डगमगाने लगा था।

उस दौर को याद करते हुए यामी ने कहा कि उसने खुद को बॉलीवुड से पूरी तरह अलग होने के लिए मानसिक रूप से तैयार कर लिया था । वह हिमाचल प्रदेश वापस लौटने के बारे में सोच रही थी, जहां उसके परिवार की जमीन है। उसने वहां एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने की कल्पना भी कर ली थी।

यामी के अनुसार, उसके माता-पिता ने भी इस फैसले में उसका पूरा साथ दिया और उससे बस इतना कहा कि अगर वह घर लौटना चाहती है तो वे उसका स्वागत करेंगे।

दिलचस्प बात यह रही कि जिस वक्त यामी ने इंडस्ट्री में टिके रहने की जिद छोड़ दी, उसी वक्त उसकी जिंदगी ने एक नया मोड़ ले लिया।

इसके बाद उसे 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' मिली और फिर 'बाला' जैसी फिल्मों ने उसके करियर को नई दिशा दे दी। 2019 में रिलीज हुई इन दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और यामी की अभिनय क्षमता को भी नए सिरे से पहचान मिली।

'उरी' ने बदल दी जीवन की दिशा

'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' यामी के करियर के लिए एक अहम मोड़ साबित हुई। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में था। खास बात यह है कि फिल्म की सफलता के साथ यामी और आदित्य धर का रिश्ता भी मजबूत हुआ और बाद में दोनों ने शादी कर ली ।

स्टार किड्स को बार- बार मौके मिलने से थी आह

यामी ने इंडस्ट्री में आऊटसाइडर होने की चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। हालांकि, उसका कहना है कि परेशानी सिर्फ आऊटसाइडर होने की नहीं थी, बल्कि लगातार खुद को साबित करने की थी ।

उसने बताया कि कई बार उसे लगता था कि वह किसी खास भूमिका के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन वही मौका किसी ऐसे व्यक्ति को बार-बार मिल जाता था, जो पहले से फिल्म इंडस्ट्री के स्थापित माहौल का हिस्सा था ।

यामी के अनुसार, सबसे ज्यादा निराशा इस बात से होती थी कि स्टार किड्स को असफलताओं के बावजूद आगे बढ़ने और खुद को साबित करने के कई मौके मिल जाते हैं, जबकि इंडस्ट्री से बाहर से आने वाले कलाकारों को एक मौका हासिल करने के लिए भी काफी संघर्ष करना पड़ता है।

यामी ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उसे भी उतने मौके मिले होते, तो क्या वह एक अभिनेत्री के तौर पर और आगे नहीं बढ़ती ? उसके अनुसार, यही उसके संघर्ष का सबसे निराशाजनक हिस्सा था।

हालांकि, अब यामी को लगता है कि चीजें काफी बदल चुकी हैं। उसका मानना है कि आज दर्शक इस बात पर कम ध्यान देते हैं कि कोई कलाकार कहां से आया है और इस बात पर ज्यादा ध्यान देते हैं कि वह कितना अच्छा अभिनय करता है, उसकी फिल्म देखने लायक है या नहीं और वह अपने किरदारों का चुनाव किस तरह करता है । हालांकि, यामी अब अपने उस दौर को पीछे छोड़ चुकी है।

उसके लिए संघर्ष के उन वर्षों ने शायद उसे यह समझने में मदद की कि किसी कलाकार का सफर हमेशा सीधा नहीं होता ।

मेरा पहला जुनून है डांस : 'संदीपा धर'

डांस उसके लिए खुद को व्यक्त करने का जरिया बना । जिंदगी में जब भी मुश्किल समय आया, डांस ने उसे संभाला।

संदीपा धर की जिंदगी में डांस का महत्व अभिनय से कहीं अलग और गहरा है । बचपन से ही डांस सीखने वाली संदीपा ने भरतनाट्यम के साथ-साथ कई अन्य डांस फॉर्म भी सीखे हैं। वह खुलकर कहती है कि उसका पहला जुनून डांसिंग है और उसे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि वह एक्ट्रैस से बेहतर डांसर है।

उसके लिए डांस केवल स्टेज पर परफॉर्म करने या दर्शकों का मनोरंजन करने का माध्यम नहीं है ।

वह इसे अपने भावनात्मक संसार से जुड़ा हुआ मानती है। संदीपा बताती है कि वह बचपन से काफी शर्मीली रही है और डांस उसके लिए खुद को व्यक्त करने का जरिया बना ।

जिंदगी में जब भी मुश्किल समय आया, डांस ने उसे संभाला। गुस्सा हो, फ्रस्ट्रेशन हो या कोई बुरा दौर-संदीपा के लिए डांस इन को बाहर निकालने का माध्यम रहा है।

उसका मानना है कि कला के साथ एक खास आध्यात्मिक रिश्ता होता है । वह डांस करते समय खुद को इतना डूबा हुआ महसूस करती है कि बाकी सारी चीजें भूल जाती है। उसके लिए डांस किसी मैडिटेशन (ध्यान - मनन) से कम नहीं और उसे लगता है कि इसके जरिए उसका भगवान से सीधा जुड़ाव बनता है।

यूं पैदा हुआ डांस का जुनून

संदीपा के डांस के सफर की कहानी में माधुरी दीक्षित का नाम बेहद खास है । बचपन में माधुरी के गानों और उसके डांस को देखकर ही संदीपा के मन में डांस सीखने की इच्छा पैदा हुई ।

'दीदी तेरा देवर दीवाना' और 'माए नी माए' जैसे गानों में माधुरी के डांस और एक्सप्रेशन ने संदीपा को इतना प्रभावित किया कि उसने अपनी मां से कहा कि उसे भी ऐसा ही डांस करना है । इसके बाद मां ने उसे कम उम्र में ही भरतनाट्यम की क्लास में डाल दिया।

वह मानती है कि माधुरी के एक्सप्रेशन और ग्रेस का कोई मुकाबला नहीं है। उसके अनुसार, जिस तरह का डांस और अभिनय माधुरी और श्रीदेवी के दौर में देखने को मिलता था, वैसा जादू आज कम ही नजर आता है। संदीपा के लिए माधुरी सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि उसकी डांस प्रेरणा है। उसकी सबसे बड़ी ख्वाहिशों में से एक है कि किसी दिन उसे माधुरी के साथ डांस और स्टेज शेयर करने का मौका मिले।

अब कॉमेडी में दिखेगी संदीपा

डांस और ग्लैमर के बीच संदीपा अपने अभिनय करियर में भी नए प्रयोग कर रही है । उसकी अगली वैब सीरीज ' चुंबक ' जल्द रिलीज होने जा रही है। खास बात यह है कि इसके जरिए वह पहली बार कॉमेडी शैली में कदम रख रही है।

केजरीवाल का बीजेपी व बीसीसीआई अध्यक्ष पर बड़ा हमला

नलसार बैच के नामांकन से जुड़े फरमान को लेकर मांगा मनन कुमार मिश्रा का इस्तीफा

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। एएपी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा पर तीखा हमला बोला है।

केजरीवाल ने बीसीआई द्वारा नलसार के 2026 बैच का नामांकन रोकने से जुड़े हालिया आदेश को तानाशाही फरमान करार देते हुए बीसीआई अध्यक्ष के इस्तीफे की मांग की है।

बीसीआई अध्यक्ष पर राजनीतिक दखलंदाजी का आरोप अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि बीसीआई वकीलों की एक स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, जिसे किसी राजनीतिक दल का प्रकोष्ठ नहीं बनने दिया जा सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीसीआई अध्यक्ष ने नलसार के 2026 बैच के छात्रों का रजिस्ट्रेशन रोकने का तानाशाही फैसला लिया था, लेकिन चौतरफा विरोध और जागरूक नागरिकों के दबाव के कारण इस आदेश को वापस लेना पड़ा।

केंद्र सरकार पर संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार की असहमति दबाने, संस्थाओं पर कब्जा करने और मनमाने आदेश थोपने की प्रवृत्ति बढ़ी है।

लेकिन देश की जनता बार-बार बता रही है, वह न सत्ता का अहंकार स्वीकार करेगी, न लोकतांत्रिक संस्थाओं को राजनीतिक हथियार बनने देगी।

जेपी नड्डा की कोरोनरी एंजियोग्राफी हुई

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- स्वास्थ्य मंत्री जल्द स्वस्थ हों

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के जल्द ठीक होने की कामना की। नड्डा की कोरोनरी एंजियोग्राफी हुई है। एम्स दिल्ली ने इससे पहले बताया था कि बेचैनी महसूस होने के बाद नड्डा को गुरुवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंत्री की कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई। अस्पताल ने बताया कि उनकी हालत अभी स्थिर है और उन्हें निगरानी के लिए कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है। गांधी ने 'X' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, मुझे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा जी के बीमार पड़ने और एम्स में भर्ती होने की खबर मिली है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मैं उनके सफल इलाज और जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।

1000 किलो सोने-चांदी के सिंहासन पर विराजे बांके बिहारी

हरियाली तीज पर हरे रंग के वस्त्र धारण किए हैं, 50 हजार से अधिक भक्तों ने दर्शन किया

मथुरा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा में शनिवार को हरियाली तीज मनाई जा रही है। वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन के लिए मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ है। यहां की गलियां भक्तों से खचाखच भरी हुई हैं। हर तरफ भक्त ही भक्त नजर आ रहे हैं।

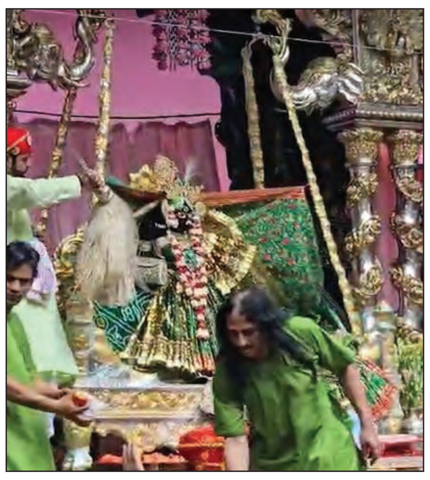

सुबह करीब 8 बजे मंदिर का पट खुला। जैसे ही उन्होंने 10 किलो सोने और 1000 किलो चांदी से बने झूले में हरे रंग की बेशकीमती जड़ाऊ पोशाक में विराजमान बांके बिहारी को देखा। वे भाव विभोर हो गए। हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर आशीर्वाद लिया। जयकारे भी लगाए।

इस समय भगवान को भोग लगाने की तैयारी चल रही है। उन्हें घेवर और फैनी का भोग लगाया जाएगा। अभी तक 50 हजार से अधिक भक्त बांके बिहारी के दर्शन कर चुके हैं।

प्रशासन का अनुमान है कि आज दिनभर 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु मथुरा आ सकते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बांके बिहारी मंदिर से 3 किलोमीटर पहले ही गाड़ियां रोकी जा रही हैं।

वहां से ई-रिक्शा और ई-कार्ट की व्यवस्था की गई है। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने से बहुत लोगों को तीन किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर पहुंचना पड़ रहा है।

शाम को दक्षिण भारतीय शैली के रंगनाथ मंदिर में भगवान गोदा रंगमन्नार चांदी के झूले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। बांके बिहारी मंदिर में हरियाली तीज पर साल में एक बार झूला डाला जाता है।

यहां भगवान बांके बिहारी गर्भगृह से निकलकर आंगन में लगे झूले में विराजमान होते हैं। भगवान बांके बिहारी पहली बार इस झूले में 19 अगस्त 1947 को विराजे थे। जबकि इस झूले को बनवाकर 15 अगस्त 1947 को भगवान को अर्पित किया था।

77 लाख कैश, 14 लाख के आभूषण बरामद

ऑफिस और घर में छिपाकर रखा था रेलवे अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

दुर्ग, 15 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। दुर्ग जिले में रिश्वत मामले में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अधिकारी के रायपुर और भिलाई में आवासीय और कार्यालय परिसरों की तलाशी ली गई जिसमें करीब 77 लाख रुपये नकद और लगभग 14 लाख रुपये मूल्य के आभूषण बरामद किए गए।

जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपी अधिकारी ने एक शिकायतकर्ता से लंबित बिलों के भुगतान को मंजूरी देने के लिए कथित रूप से दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में वह एक लाख रुपये लेने के लिए सहमत हो गया था। सीबीआई ने बताया कि 13 अगस्त को अधिकारी को कथित तौर पर बिचौलिए के माध्यम से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये लेते समय गिरफ्तार किया गया था।

एजेंसी के अनुसार, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के भिलाई में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डीएमई) के पद पर तैनात भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी अनमोल उके को 14 अगस्त को उसके कथित बिचौलिए के साथ गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि इसके बाद रायपुर और भिलाई स्थित आरोपी अधिकारी के आवासीय और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई, जहां से करीब 77 लाख रुपये नकद और 14 लाख रुपये मूल्य के आभूषण बरामद हुए। सीबीआई ने बताया कि अदालत ने अनमोल उके और उसके कथित सहयोगी को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। इसके बाद आरोपी को रायपुर में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी को 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी से 17 जुलाई तक पूछताछ की जाएगी।

सब इंस्पेक्टर पर भ्रष्टाचार का मुकदमा

हमीरपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में पुलिस विभाग से जुड़ा रिश्वतखोरी का मामला सामने आया है। सदर कोतवाली में तैनात सब इंस्पेक्टर नवीन त्रिपाठी के खिलाफ एक महिला की शिकायत पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। महिला ने सब इंस्पेक्टर पर रिश्वत मांगने, धमकी देने और उसके पति को जेल भेजने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक मृगांग शेखर पाठक ने सब इंस्पेक्टर को लाइनहाजिर कर दिया और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।

हमीरपुर शहर के रमेड़ी तरौस मोहाल निवासी रश्मि शर्मा उर्फ अनुष्का ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनके पति रोहित शर्मा चंद्र खाटू श्याम बाबा हेल्थ केयर क्लीनिक, मौदहा में हड्डी रोग विशेषज्ञ के यहां वार्ड ब्वॉय के पद पर काम करते हैं।

महिला के मुताबिक, मोनू नाम के एक व्यक्ति के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था। मोनू ने उनके पति से डॉक्टर का पता पूछा था, जिस पर उन्हें कानपुर के किदवईनगर स्थित चन्द्रभान हॉस्पिटल और हैलट का पता बताया गया था।

मोनू ने कानपुर में इलाज कराया, लेकिन उसका हाथ ठीक नहीं हो सका। इसके बाद उसने सदर कोतवाली में शिकायत देकर रोहित पर हाथ खराब करने का आरोप लगाया। रश्मि शर्मा का आरोप है कि इसी मामले में सदर कोतवाली के सब इंस्पेक्टर नवीन त्रिपाठी ने दबाव बनाकर मोनू को 50 हजार रुपये दिलवा दिए। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद सब इंस्पेक्टर उनके घर पहुंचे और 55 हजार रुपये की मांग की।

पीएम मोदी ही बताएंगे कि कौन दिमागी नक्सली

तेज प्रताप का पलटवार, कहा- ऐसे लोग भाजपा में हो सकते हैं

पटना, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए भाषण में दिमागी नक्सली का जिक्र किया था। अब पीएम मोदी के दिमागी नक्सली पर बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने पलटवार किया है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि यह तो पीएम मोदी ही बताएंगे कि कौन दिमागी तौर पर नक्सली है या पागल है। हो सकता है कि ऐसे बहुत सारे लोग बीजेपी में ही हों।

तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर पलटवार करते हुए कहा, ' अब क्या पहचानने की जरूरत है ये तो पीएम मोदी ही बताएंगे कि कौन दिमागी तौर पर नक्सली है या पागल है। मोदी जी इस बारे में ज्यादा जानते होंगे। वो बिहार आकर, देशभर में घूम-घूमकर निकालेंगे कि कौन आदमी किस माइंडसेट का है। हो सकता है कि वो जिस आदमी को पागल या नक्सली ठहरा रहे हैं, वो उनके ही दल में हो। ऐसे बहुत सारे लोग भाजपा में ही हों।'

जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप ने कहा कि आज स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मैं किसी पर टीका-टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। कौन दिमागी रूप से पागल क्या है, आज स्वतंत्रता दिवस है। सभी लोग स्वतंत्र हैं अपनी बात कहने को।

इससे पहले जन शक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर पटना में अपने कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तेज प्रताप यादव ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 15 अगस्त के मौके पर देशवासियों और सभी लोगों को ढेर सारी शुभकामनाएं। मैं जन शक्ति जनता दल की ओर से बधाई देने का काम करता हूं।

वहीं तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार से बेउर जेल में तैनात पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों को लेकर मांग कर दी। तेज प्रताप ने कहा कि पटना के बेउर जेल में तैनात पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी बिहार की सुरक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण प्रहरी हैं। जानकारी मिल रही है कि कई कर्मियों से लगातार 14-15 घंटे तक ड्यूटी कराई जा रही है। उन्हें पर्याप्त छुट्टी व आराम नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में बिहार सरकार से मांग करता हूं कि बेउर जेल में तैनात कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए।

निहंग बोला- वाहेगुरु के आदेश पर हमला किया

सुखबीर बादल के सामने आते ही किया वार, मजीठिया का दावा- हाथ पर 150 टांके लगे, हड्डी फ्रैक्चर

लुधियाना, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम एवं शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुद्वारा माता साहिब में हमला करने वाले निहंग जसपाल सिंह ने दावा किया कि उसे हमला करने का आदेश गुरु साहिब से मिला था।

उसने कहा कि जब वह नांदेड़ में गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर रहा था उस समय उसे आदेश हुआ। उसके बाद जब सुखबीर बादल उसके सामने आए, तो उसने खंजर निकालकर उस पर वार कर दिया। उधर, अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने दावा किया कि सुखबीर बादल के हाथ में सात-आठ टांके नहीं बल्कि 150 के करीब टांके लगे हैं और उनके हाथ की हड्डी भी फ्रैक्चर हुई है। मजीठिया का कहना है कि सुखबीर बादल को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में दिखाया है। बिक्रम मजीठिया का कहना है कि जल्दी ही अकाली दल का एक शिष्टमंडल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलेगा और सुखबीर बादल पर लगातार हो रहे हमलों की जांच एनआईए से करवाने की मांग करेंगे। सुखबीर बादल पर 13 अगस्त को हमला हुआ था।

कट्टरपंथियों ने पुलिस पर हमला कर संविधान को चुनौती दी : वीरेश शांडिल्य

अंबाला, 15 अगस्त (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि कट्टरपंथियों ने पुलिस पर जानलेवा हमला किया जिसमें डीएसपी का हाथ कट गया और आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी गंभीर घायल हो गए।

यह हमला पुलिस पर नहीं संविधान, कानून व तिरंगे पर है। वीरेश शांडिल्य ने हमलावरों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने व कट्टरपंथियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने युवा सिखों को गुमराह करने वाले जगदीश सिंह झींडा को भी गिरफ्तार करने की मांग की। क्योंकि झींडा ने खुलेआम अपनी साजिश मीडिया को बताई कि वह तो एक महीने के लिए अपने कपड़े लेकर आए हैं। शांडिल्य ने कहा कि नेशनल

हाईवे जाम कर सीधा संविधान पर हमला किया और पुलिस पर हमला सोची समझी साजिश थी ताकि लोगों में कट्टरपंथियों की दहशत बढ़े। जिस तरीके से कट्टरपंथी जीटी रोड पर पहुंच कर परमानेंट कब्जा करना चाहते थे इस साजिश में खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह का पिता तरसेम सिंह भी शामिल है जो पंजाब से कट्टरपंथियों के साथ हरियाणा का माहौल खराब करने के लिए पहुंचा था। यह उसी कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह का पिता तरसेम सिंह है जिसने गुरुग्रंथ साहिब की आड़ में पंजाब के थानों पर हमले किए और जिसके बाद अमृतपाल सिंह के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज हुआ और वह असम के डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।

वीरेश शांडिल्य ने मांग की है कि गंभीर घायल डीएसपी वीरेंद्र को प्रमोट किया जाए और 25 लाख की आर्थिक सहायता दी जाए और घायल पुलिस कर्मियों को 10-10 लाख की आर्थिक सहायता दी जाए।

वीरेश शांडिल्य ने एसपी से मांग की है कि वह जग्गी सिटी सेंटर के बाहर उन ट्रैक्टर ट्रोली मालिकों की शिनाख्त कर मुकदमा दर्ज करें जिन्होंने ट्रैक्टर ट्रोली पर जरनैल सिंह भिंडरावाला के पोस्टर लगाए थे।

एमपी सरकार ने खाद की बिक्री पर लगाई रोक

स्टॉक मिलान के नाम पर फैसला, 82 लाख किसानों की बढ़ी टेंशन, कालाबाजारी का भी खतरा

भोपाल, 15 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में सरकार ने खाद की बिक्री पर रोक लगा दी है। 14 अगस्त शाम 7 बजे से आगामी आदेश तक खाद की बिक्री बंद रहेगी। इससे खरीफ सीजन में किसानों की परेशानी बढ़ गई है।

प्रदेश के करीब 82 लाख किसान प्रभावित होंगे। इनमें सबसे ज्यादा धान उगाने वाले किसान टेंशन में हैं।

कृषि विभाग के मुताबिक भारत सरकार के आईएफएमएस पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और खाद विक्रेताओं के वास्तविक स्टॉक का मिलान किया जाएगा। रोक विपणन संघ, सहकारी समितियों, एमपी एग्रो और निजी खाद विक्रेताओं के केंद्रों पर लागू रहेगी।

यह फैसला ई-टोकन व्यवस्था के विरोध में किसानों के आंदोलन के बाद आया है।

किसान और किसान संगठनों को डर है कि खाद की बिक्री पर रोक से फसल को भारी नुकसान हो सकता है। बिक्री कब शुरू होगी और किसानों को खाद कहां से मिलेगी, सरकार ने कोई व्यवस्था नहीं की। कालाबाजारी का खतरा भी बढ़ सकता है।

बता दें कि, खाद बिक्री पर रोक ऐसे समय लगी है, जब प्रदेश में किसान ई-टोकन व्यवस्था का विरोध कर चुके हैं।

किसानों ने 28 और 29 जुलाई को नर्मदापुरम से पैदल भोपाल पहुंचकर दो दिन आंदोलन किया था।

10 साल की उम्र में नशे का आदी हुआ मासूम

झगड़े की जांच करने पहुंची पुलिस को मिला, बैकग्राउंड सुन हिल गए सब

रायपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से एक बेहद संवेदनशील और दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां बच्चों के बीच हुई एक मामूली सी लड़ाई की शिकायत पर जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो एक 10 साल के मासूम बच्चे की दर्दनाक जिंदगी का पर्दाफाश हुआ। पिता की मौत और मां के छोड़कर चले जाने के बाद यह बच्चा पूरी तरह अकेला था और कम उम्र में ही नशे की बुरी आदत की चपेट में आ गया था। पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई से ज्यादा बच्चे के पुनर्वास को प्राथमिकता दी है।

यह पूरा मामला राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ इलाके का है। जानकारी के अनुसार, 9 अगस्त को एक स्थानीय निवासी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि स्कूल के मैदान में खेलते समय उसके छोटे बेटे के साथ मारपीट की गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच करते हुए उस 10 साल के बच्चे को अपनी सुरक्षा में ले लिया, जिस पर मारपीट का आरोप था। जब पुलिस ने बच्चे की पृष्ठभूमि की जांच की, तो सच्चाई जानकर अधिकारियों के भी होश उड़ गए। पुलिस की पूछताछ और दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आया कि इस बच्चे के सिर से बहुत पहले पिता का साया उठ चुका था। कई साल पहले उसके पिता की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद उसकी मां भी उसे छोड़कर चली गई। तब से यह मासूम बच्चा बिना किसी अभिभावक या देखरेख के अकेले जीवन गुजार रहा था। परिवार और समाज का साथ न मिलने के कारण वह गलत संगत में पड़ गया। राजनांदगांव की एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि बच्चे को नशे की लत लग गई थी और वह अक्सर छोटी-छोटी बातों पर झगड़ों में शामिल होने लगा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इसे महज जुवेनाइल मिसकंडक्ट मानने के बजाय एक गंभीर सामाजिक और मानवीय समस्या के रूप में लिया। पुलिस ने बच्चे को सजा दिलाने के बजाय उसे बाल कल्याण समिति और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया। नियमों का पालन करते हुए और उचित काउंसलिंग के बाद, बच्चे को रायपुर स्थित 'नई उम्मीद' नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया है।

बांगो डैम के 5 गेट खुले, हसदेव नदी में छोड़ा गया पानी

35 गांवों में बाढ़ का अलर्ट, 2 दिन भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने कई जगह भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है। झारखंड और उससे लगे पश्चिम बंगाल के ऊपर बना डिप्रेशन अभी सक्रिय है। इसके असर से अगले दो दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। इसके बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आ सकती है।

कोरबा में लगातार बारिश के बीच मिनीमाता बांगो डैम का जलस्तर 92.48% पहुंच गया है। एहतियातन 5 गेट खोलकर 3005 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा गया। इसके बाद प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। नदी किनारे बसे 35 गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया गया है।

पिछले 24 घंटे में सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में भारी से

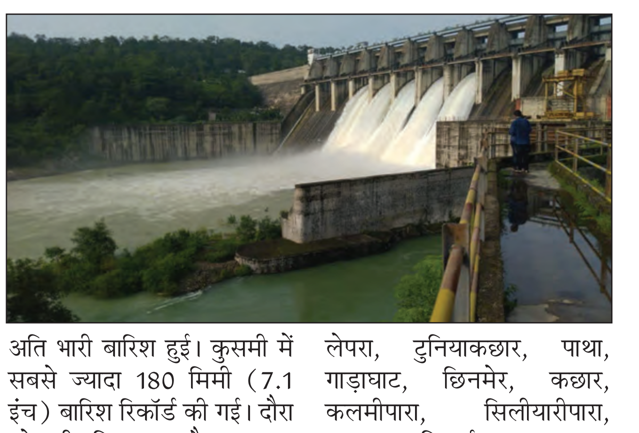

अति भारी बारिश हुई। कुसमी में सबसे ज्यादा 180 मिमी (7.1 इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। दौरा कोचली, बिहारपुर और प्रतापपुर में 130-130 मिमी (5.1-5.1 इंच) बारिश हुई।

मिनीमाता बांगो डैम के 5 गेट खोले जाने के बाद प्रशासन ने जिले के 35 गांवों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। इनमें बांगो, चर्रा, पोड़ी-उपरोड़ा, कोनकोना, लेपरा, टुनियाकछार, पाथा, गाड़ाघाट, छिनमेर, कछार, कलमीपारा, सिलीयारीपारा, जूनापारा, तिलाईडांड, डुगुपारा, टुंगुमांड़ा, छिर्रापारा, मछलीबाटा, कोरियाघाट, धनगांव, डोंगाघाट, नरमदा, औराकछार, सोनगुड़ा, जेलगांव, झाबू, नवागांव, तिलसाभाठा, लोतलोता, स्याहीमुड़ी, कोडा, हथमार, झोरा और सिरकीकला शामिल हैं।

राजधानी में आज (15 अगस्त) को आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ दौर में बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है।

प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रहा। प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई।

मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों में उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी से अति भारी बारिश के साथ कुछ स्थानों पर गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना जताई है।

बाजारों में नकली पनीर की भरमार

यूपी में 7,686 किलोग्राम खाद्य विभाग ने कराया नष्ट, 6 एफआईआर

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बाजार में बिकने वाले पनीर की गुणवत्ता को लेकर उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की 24 विशेष टीमों ने दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद बनाने वाली इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 25 विनिर्माण इकाइयों पर कार्रवाई की गई, जबकि तीन इकाइयां नॉन-ऑपरेशनल मिलीं। जांच के दौरान पनीर बनाने में औद्योगिक प्रयोग के लिए इस्तेमाल होने वाले रसायनों और पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के इस्तेमाल के मामले सामने आए। कई जगह खाद्य पदार्थों के निर्माण में साफ-सफाई के मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था।

चंडीगढ़ में सिख कैदियों की रिहाई के लिए हंगामा

पुलिस ने ड्रोन से आंसू गैस के गोले फेंके, बेअंत सिंह की हत्या के दोषी को पैरोल की मांग

मोहाली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब की जेलों में सजा पूरी कर चुके सिख बंदियों की रिहाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी शनिवार को पुलिस से भिड़ गए।

उन्होंने सिख बंदियों की रिहाई के साथ पूर्व सीएम बेअंत सिंह की हत्या में शामिल जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की मांग की।

कौमी इंसाफ मोर्चा की अगुवाई में मोहाली से चंडीगढ़ में गवर्नर हाउस जा रहे प्रदर्शनकारी वाईपीएस चौक के पास इकट्ठा हुए। उन्हें रोकने के लिए चंडीगढ़ पुलिस ने एहतियात के तौर पर बॉर्डर सील कर दिया।

इस दौरान उग्र भीड़ ने ट्रैक्टर की मदद से बैरिकेडिंग तोड़ने की

कोशिश की तो पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। इस पर भी प्रदर्शनकारी नहीं माने तो उन्हें खदेड़ने के लिए उन पर गन और ड्रोन की मदद से आंसू गैस के गोले दागे गए।

इसके बाद प्रदर्शनकारी पीछे हट गए। मोर्चा के नेताओं ने 21 अगस्त को पंजाब बंद का ऐलान किया है।

इससे पहले चंडीगढ़ में गवर्नर हाउस के करीब पहुंचे शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष और पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान को हिरासत में ले लिया गया।

वहीं, एसएसपी कंवरदीप कौर ने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। इससे कुछ जवान घायल हुए हैं।

25 पैसे का पेट्रोल, 20 पैसे का दूध, 88 रुपये का सोना

1947 में कितनी सस्ती थी दुनिया; आज 'मल्टीबैगर' हो गईं कीमतें

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आज भारत 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आजादी के बाद से अब तक रोजमर्रा की कई चीजों की कीमतें इतनी कम थीं कि सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। 1947 में पेट्रोल करीब 25-27 पैसे प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध करीब 12 पैसे प्रति लीटर और 10 ग्राम सोना करीब 88.62 रुपये में मिलता था। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पेट्रोल 100 रुपये के आसपास या उससे ऊपर है, दूध 60 रुपये से अधिक प्रति लीटर बिक रहा है और सोने का भाव 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच चुका है। आइए जानते हैं कि 1947 से अब तक रोजमर्रा से जुड़ी कौन सी चीजें कितनी महंगी हो गई हैं।

1947 में 25 पैसे में मिलता था पेट्रोल

आज पेट्रोल की कीमत किसी भी परिवार के मासिक बजट का अहम हिस्सा है। लेकिन आजादी के दौर में एक लीटर पेट्रोल की कीमत करीब 25-27 पैसे बताई जाती है। अलग-अलग ऐतिहासिक स्रोतों में इसमें थोड़ा अंतर मिलता है। 2026 में दिल्ली में पेट्रोल 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर बना हुआ है और 15 अगस्त को प्रमुख शहरों में ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यानी जिस पेट्रोल की एक लीटर मात्रा के लिए तब एक रुपये से भी कम खर्च होता था, आज उसके लिए 100 रुपये से ज्यादा देने पड़ सकते हैं। हालांकि केवल कीमतों की तुलना से उस दौर की वास्तविक क्रय शक्ति का पूरा अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि तब लोगों की आय और अर्थव्यवस्था का आकार भी आज से बिल्कुल अलग था।

दूध की कीमत भी कई गुना बढ़ी

1947 के लिए उपलब्ध पुराने मूल्य-संदर्भों में फुल क्रीम दूध की कीमत करीब 12 पैसे प्रति लीटर बताई गई है। कुछ लोकप्रिय ऐतिहासिक सूचियों में 20 पैसे का आंकड़ा भी मिलता है, इसलिए पुराने आंकड़ों में अंतर दिखाई देता है। आज दिल्ली में दूध की खुदरा कीमत करीब 60 रुपये प्रति लीटर के आसपास है। मई 2026 में मदर डेयरी ने भी दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने इसके पीछे किसानों से दूध खरीदने की बढ़ी लागत समेत अन्य इनपुट कॉस्ट को वजह बताया था। इससे साफ है कि दूध जैसी रोजमर्रा की वस्तु की कीमत में भी आजादी के बाद लंबी अवधि में बड़ा बदलाव आया है।

88.62 रुपये का सोना अब 1.5 लाख के पार

सबसे दिलचस्प तुलना सोने की है। 1947 में 10 ग्राम सोने की कीमत करीब 88.62 रुपये बताई जाती है। 2023 में यही कीमत करीब 59,000 रुपये तक पहुंच चुकी थी और 2025 में सोना 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। अब 2026 में सोने की तेजी ने पुराने सारे आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। 14 अगस्त 2026 को भारतीय बाजार में सोने की कीमत करीब 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने की रिपोर्ट सामने आई। पिछले कुछ दिनों में घरेलू सोने की कीमत में करीब 7 फीसदी की तेजी भी दर्ज की गई। इस हिसाब से 1947 के 88.62 रुपये से 1.52 लाख रुपये तक का सफर बेहद बड़ा है। हालांकि इसे सीधे निवेश का रिटर्न मानना सही नहीं होगा, क्योंकि सोने की कीमत पर वैश्विक बाजार, डॉलर, ब्याज दरें, आयात शुल्क और भू-राजनीतिक परिस्थितियों जैसे कई कारकों का असर पड़ता है।

चावल से लेकर साइकिल तक, बदल गई कीमतों की तस्वीर

आजादी के शुरुआती दौर में सिर्फ पेट्रोल, दूध और सोना ही सस्ते नहीं थे। पुराने मूल्य आंकड़ों के मुताबिक 1947 में चावल करीब 12 पैसे प्रति किलो और आलू करीब 25 पैसे प्रति किलो के आसपास थे। एक साधारण साइकिल की कीमत करीब 20 रुपये बताई जाती है। समय के साथ महंगाई, उत्पादन लागत, मजदूरी, टैक्स, परिवहन खर्च और लोगों की आय में बदलाव के साथ इन वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ती गईं।

क्या 1947 का 1 रुपया आज हजारों रुपये के बराबर है?

पुराने समय की कीमत देखकर अक्सर यह सवाल उठता है कि आखिर तब का 1 रुपया आज कितना होता। इसका जवाब सिर्फ कीमतों को आज की कीमत से गुणा करके नहीं निकाला जा सकता। महंगाई मापने के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जैसे अलग-अलग आर्थिक पैमाने इस्तेमाल किए जाते हैं। इसके अलावा 1947 में भारत की अर्थव्यवस्था, औसत आय, रोजगार का ढांचा और उपभोग की आदतें आज से काफी अलग थीं।

15 अगस्त पर सोने के भाव में नरमी, चांदी के भाव में भी बदलाव, आज का रेट

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए आज का दिन अहम है। 15 अगस्त 2026 को सोने की कीमतों में हल्की नरमी देखने को मिली है। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव करीब 1,53,030 रुपए प्रति 10 ग्राम है, जो पिछले दिन के मुकाबले 710 कम है। वहीं चांदी की कीमत करीब 2.50 लाख रुपए प्रति किलो बनी हुई है। बता दें कि आज शनिवार और स्वतंत्रता दिवस होने के कारण घरेलू कमोडिटी मार्केट में ट्रेडिंग सेशन नहीं है।

दिल्ली में आज कितना है सोने का भाव?

दिल्ली में 15 अगस्त को 24 कैरेट गोल्ड 1,53,030 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है। 14 अगस्त को यही भाव 1,53,740 रुपए था। यानी एक दिन में 10 ग्राम सोने की कीमत में 710 की गिरावट आई है। वहीं 22 कैरेट सोने का भाव करीब 1,41,150 रुपए प्रति 10 ग्राम है। प्रति ग्राम के हिसाब से 22 कैरेट सोना 14,115 रुपए और 24 कैरेट सोना 14,821 रुपए के आसपास है।

चांदी का आज क्या भाव है?

दिल्ली में आज चांदी का रेट करीब 2,50,000 रुपए प्रति किलो है। यानी 100 ग्राम चांदी की कीमत लगभग 25,000 रुपए और 10 ग्राम का भाव करीब 2,500 रुपए

बैठता है। चांदी के भाव में अगस्त के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। दिल्ली में 1 अगस्त को इसका भाव करीब 2.35 लाख रुपए प्रति किलो था, जबकि अगस्त में अब तक यह 2.55 लाख रुपए प्रति किलो के उच्च स्तर तक भी पहुंच चुका है।

क्या सोना खरीदना चाहिए?

सोने की कीमतें लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन की तेजी या गिरावट देखकर खरीदारी का फैसला करना सही नहीं माना जाता। अगर खरीदारी शादी या किसी जरूरी जरूरत के लिए है तो ग्राहक ज्वेलर का रेट, मेकिंग चार्ज और जीएसटी जरूर देखें। निवेश के लिए सोना खरीदने वालों को भी बाजार के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखना चाहिए।

अनिल अंबानी की कंपनी से आई बड़ी खबर

फंड जुटाने और नए निदेशकों की नियुक्ति पर लगी मुहर

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। एक समय भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार रहे अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर ने शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 को अपनी 32वीं वार्षिक आम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न की। इस बैठक में शेयरधारकों ने कंपनी के भविष्य और वित्तीय मजबूती से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता कंपनी के कार्यकारी निदेशक, सीईओ और सीएफओ श्री नीरज पारख ने की। बैठक में कोरम पूरा होने के बाद कार्यवाही शुरू की गई, जिसमें कंपनी के निदेशकों, वैधानिक ऑडिटर्स और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों ने हिस्सा लिया।

फंड जुटाने पर विशेष जोर

इस एजीएम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रिलायंस पावर द्वारा पूंजी जुटाने के प्रस्तावों को मंजूरी मिलना रहा। शेयरधारकों ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के माध्यम से प्रतिभूतियां जारी करने और नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर जारी करने के विशेष प्रस्तावों को पारित कर दिया है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी आने वाले समय में

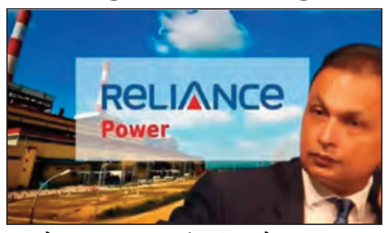

अपने विस्तार या कर्ज प्रबंधन के लिए बाजार से फंड जुटाने की तैयारी में है। कंपनी ने फाइलिंग में बताया कि सदस्यों को बताया गया कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने रिमोट ई-वोटिंग के लिए केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की सेवाएं ली हैं और ई-वोटिंग प्रक्रिया के लिए स्क्रूटिनाइजर के तौर पर एमएस. दयाल एंड लोहिया, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के पार्टनर अनिल लोहिया या उनकी अनुपस्थिति में खुशित जैन को नियुक्त किया है।

निदेशक की नियुक्ति की हरी झंडी

बैठक के दौरान 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के ऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय विवरणों को अपनाया गया। इसके अलावा, श्री सचिन महापात्रा को रोटेशन के आधार पर निदेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया। साथ ही, डॉ. अविनाश गुप्ता को स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी मिल गई।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन: मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर का पहला खंड 2027 में होगा शुरू

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत अब हाई स्पीड रेल के नए युग में प्रवेश करने की तैयारी में है। देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला हिस्सा 2027 में शुरू किए जाने का लक्ष्य है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, गुजरात में सूरत और बिलिमोरा के बीच करीब 50 किलोमीटर लंबे सेक्शन पर 15 अगस्त 2027 तक ट्रेन का संचालन शुरू करने की योजना है। वहीं, पूरे 508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर को 2029 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

कितनी रहेगी स्पीड

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना देश के परिवहन क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। इस कॉरिडोर पर ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। जापानी हाई स्पीड रेल तकनीक पर आधारित इस परियोजना में अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय मौजूदा रेल सेवाओं की तुलना में काफी कम हो जाएगा। परियोजना के पहले चरण में गुजरात के सूरत और बिलिमोरा के बीच करीब 50 किलोमीटर के हिस्से को तैयार किया जा रहा है। इसी सेक्शन पर

शुरुआती ट्रायल और संचालन शुरू किया जाएगा। इसे पूरे कॉरिडोर के लिए महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है। इस हिस्से के शुरू होने के बाद गुजरात देश में हाई स्पीड रेल सेवा का अनुभव करने वाला पहला राज्य बनेगा। मुंबई के पास इस परियोजना की सबसे खास इंजीनियरिंग संरचनाओं में से एक समुद्र के नीचे बनने वाली रेल टनल है।

समुद्र के नीचे से गुजरेगी टनल

यह टनल करीब 7 किलोमीटर लंबी होगी और समुद्र के नीचे से गुजरेगी। यह भारत की पहली ऐसी रेल टनल होगी, जिसमें हाई स्पीड रेल संचालन के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का बड़ा हिस्सा एलिवेटेड बनाया जा रहा है। ट्रैक को ऊंचे पिलरों पर बनाने से जमीन अधिग्रहण की जरूरत कम होती है। साथ ही, लेवल क्रॉसिंग और अन्य बाधाओं से बचते हुए ट्रेन को तेज गति से चलाने में मदद मिलती है। परियोजना में कई बड़े पुल, वायाडक्ट और अन्य आधुनिक संरचनाएं भी शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कर्क	मे	कर्क---	03-56 बजे
चंद्र	कन्या	मे	सिंह---	06-07 बजे
मंगल	मिथुन	मे	कन्या---	08-14 बजे
बुध	कर्क	मे	तुला---	10-18 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक---	12-29 बजे
शुक्र	कन्या	मे	धनु---	14-44 बजे
शनि	मीन	मे	मकर---	16-48 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ---	18-40 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन---	20-17 बजे
			मेष---	21-53 बजे
			वृष---	23-37 बजे
			मिथुन---	01-40 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष रविवार 16 August 2026
तिथि - चतुर्थी 16-53 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - हस्त 03-50 रात्रि तक उप चित्रा
योग - साध्य 04-07 तक उप शुभ
करण - विष्टी 16-53 तक उप बव
विशेष: वरद विनायक दूर्वा चतुर्थी व्रत
भद्रा काल 16-53 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 17-05 से 18-40 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06-01 - 07-35	अशुभ	शुभ।	18-42 - 20-05	शुभ
चंचल	07-35 - 09-10	शुभ	अमृत	20-05 - 21-30	शुभ
लाभ	09-10 - 10-45	शुभ	चंचल	21-30 - 22-55	शुभ
अमृत	10-45 - 12-20	शुभ	रोग	22-55 - 00-20	अशुभ
काल	12-20 - 13-55	अशुभ	काल	00-20 - 01-46	अशुभ
शुभ	13-55 - 15-30	शुभ	लाभ	01-46 - 03-11	शुभ
रोग	15-30 - 17-05	अशुभ	उत्पात	03-11 - 04-36	अशुभ
उत्पात	17-05 - 18-42	अशुभ	शुभ	04-36 - 06-01	शुभ

विदेशी संपत्ति पर लगेगा 30% कर

छोटे करदाताओं के लिए 31 दिसंबर तक बताने का मौका

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि 'फॉरिन एसेट्स ऑफ स्मॉल टैक्सपेयर्स-डिस्क्लोजर स्कीम' (फास्ट-डीएस) यानी छोटे करदाताओं की विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने वाली योजना के तहत 31 दिसंबर 2026 तक घोषणा की जा सकती है। इस योजना के तहत करदाताओं को 30 फीसदी कर देना होगा। इसके साथ ही कर के बराबर यानी 30 फीसदी की अतिरिक्त रकम भी देनी होगी।

किन लोगों को मिलेगा योजना का लाभ?

छोटे करदाताओं के लिए विदेशी संपत्ति की स्वेच्छा से जानकारी देने की यह योजना 2026-27 के बजट में घोषित की गई थी। इसमें छात्र, युवा पेशेवर, तकनीकी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी और विदेश जाकर रहने वाले भारतीय यानी एनआरआई जैसे लोग शामिल हैं। शनिवार को इस योजना के नियम जारी किए गए। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि यह योजना पात्र करदाताओं को कुछ ऐसी विदेशी संपत्तियों की जानकारी देने का मौका देती है, जिनका पहले खुलासा नहीं किया गया था।

क्या-क्या जानकारी दे सकेंगे?

इसमें ऐसी विदेशी आय की जानकारी भी दी जा सकती है, जिस पर पहले कर (टैक्स) नहीं दिया गया था। इसके अलावा, ऐसी विदेशी संपत्तियों की भी जानकारी दी जा सकती है, जिन्हें पहले घोषित नहीं किया गया था। इसके लिए तय कर या शुल्क देना होगा। यह योजना 16 अगस्त 2026 से लागू होगी। ऑनलाइन घोषणा 31 दिसंबर 2026 तक दाखिल की जा सकेगी। जिस संपत्ति की जानकारी इस योजना के तहत दी जाएगी, उसकी उचित बाजार कीमत 31 मार्च 2026 की स्थिति के आधार पर तय की जाएगी।

किन दो श्रेणियों में कर सकेंगे घोषणा?

इस योजना के तहत घोषणा करने के लिए दो बड़ी श्रेणियां बनाई गई हैं। पहली श्रेणी में भारत के बाहर मौजूद ऐसी संपत्ति शामिल है, जिसकी जानकारी पहले नहीं दी गई थी। इसमें ऐसी विदेशी आय भी शामिल है, जिस पर कर नहीं दिया गया था। इस मामले में अघोषित संपत्ति की कुल कीमत 1 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।दूसरी श्रेणी में भारत के बाहर मौजूद ऐसी संपत्ति शामिल है, जिस पर पहले ही कर दिया जा चुका है।

इसमें वह संपत्ति भी शामिल है, जिसे करदाता ने उस समय खरीदा था, जब वह भारत का निवासी नहीं था। लेकिन ऐसी संपत्ति की जानकारी आयकर रिटर्न की संबंधित अनुसूची में नहीं दी गई थी। ऐसी घोषणाओं के लिए 5 करोड़ रुपये की सीमा तय की गई है। ऐसी घोषणा पर 1 लाख रुपये का शुल्क देना होगा।योजना के तहत कुल रकम दो हिस्सों में होगी। पहला हिस्सा घोषित अघोषित विदेशी संपत्ति या आय की कीमत का 30 फीसदी टैक्स होगा। दूसरा हिस्सा कर के बराबर ही होगा। यानी जितना टैक्स दिया जाएगा, उतनी ही अतिरिक्त रकम भी देनी होगी।

सेबी ने ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म्स को गिफ्ट सिटी आईएफएससी के उत्पाद पेश करने की अनुमति दी

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर्स (ओबीपीपी) द्वारा पेश किए जा सकने वाले उत्पादों का दायरा बढ़ा दिया। अब ये प्लेटफॉर्म गिफ्ट सिटी में इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (आईएफएससीए) द्वारा विनियमित प्रतिभूतियां और निवेश उत्पाद भी पेश कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य कारोबार को आसान बनाना और ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध निवेश विकल्पों का विस्तार करना है।संशोधित नियामकीय ढांचे के तहत, ओबीपीपी अब सेबी, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) और आईएफएससीए सहित विभिन्न वित्तीय क्षेत्र के नियामकों द्वारा विनियमित उत्पाद और प्रतिभूतियां पेश कर सकेंगे।सेबी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी और आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 85 के तहत जारी कुछ निर्दिष्ट कर-बचत बॉन्ड को भी इन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेश करने की मंजूरी दी है।बाजार नियामक ने कहा कि आईएफएससीए द्वारा विनियमित उत्पादों, प्रतिभूतियों और सेवाओं को गिफ्ट-आईएफएससी में काम करने वाले सेबी-पंजीकृत स्टॉक ब्रोकरों पर लागू ढांचे के अनुसार पेश किया जाना चाहिए।इन पेशकशों में फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के नियमों का भी पालन करना होगा। इसमें विदेशी निवेश से जुड़े नियम और लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत निर्धारित सीमाएं शामिल हैं। घरेलू और विदेशी निवेश उत्पादों के बीच भ्रम से बचने के लिए सेबी ने अनिवार्य किया है कि आईएफएससीए द्वारा विनियमित उत्पादों को ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म पर स्पष्ट रूप से अंतरराष्ट्रीय या विदेशी निवेश साधन के रूप में चिह्नित किया जाए। संशोधित नियमों के तहत विनियमित वित्तीय उत्पादों को ओबीपीपी के बॉन्ड प्लेटफॉर्म पर एक अलग सेक्शन के माध्यम से या प्रदाता द्वारा संचालित किसी अन्य समर्पित वेबसाइट अथवा प्लेटफॉर्म के जरिए प्रदर्शित किया जा सकेगा।इन उत्पादों पर संबंधित वित्तीय नियामकों के नियम भी लागू रहेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रदाताओं को ऐसे उत्पादों के लिए निवेशकों पर लागू शिकायत निवारण व्यवस्था की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। इसका उद्देश्य पारदर्शिता और निवेशक संरक्षण सुनिश्चित करना है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपकी महत्वाकांक्षा और रचनात्मकता में वृद्धि होगी, जिससे आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए उत्सुक होंगे। आप ऊर्जा और पहल से भरपूर हैं, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। आपकी तीक्ष्ण सोच आपको अवसरों को शीघ्रता से पहचानने में मदद करती है, हालाँकि संघर्ष की किसी भी प्रवृत्ति को नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप कुछ समय से एक बदलाव पर विचार कर रहे है। आज आप एक ऐसे अवसर को देखेंगे जो आपको आकर्षित करेगा । सक्रिय रहे और निर्णय ले । आपको एक साक्षात्कार कॉल भी मिल सकती है। आपके आत्मविश्वास और विषय ज्ञान के साथ, एक साक्षात्कार को उतीर्ण करना आपके लिए कभी समस्या नहीं रही है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
शांत, केंद्रित मानसिकता आपको कार्यों को मजबूती और निरंतरता के साथ करने में मदद करती है। आपको कुछ क्षणों के लिए हिचकिचाहट या संयम का अनुभव हो सकता है, लेकिन निरंतर प्रयास सफलता सुनिश्चित करता है। पढ़ाई में किसी भी देरी के साथ धैर्य रखें। व्यावहारिक बुद्धि आपके विकास में सहायक होती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका स्वाभाविक करिश्मा निखरता है, जिससे आपके आस-पास के लोगों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना आसान हो जाता है। आप साहसिक विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ पहल करेंगे और उत्साह के साथ परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँगे। भावनात्मक बुद्धिमत्ता अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी रचनात्मकता और अनुशासन एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आपको केंद्रित और उत्पादक बने रहने में मदद मिलती है। आप भावनात्मक रूप से असंगत महसूस कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। सत्ता संघर्ष से बचें या टीम वर्क में अभिमान को हस्तक्षेप करने न दें।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा)
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ठ है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

ग्लोबल स्पेस मार्केट का 10 फीसदी हिस्सा हासिल कर सकता है भारत : अमेरिकी वाणिज्य विभाग

वॉशिंगटन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अगले सात सालों में ग्लोबल स्पेस मार्केट में भारत की हिस्सेदारी पांच गुना बढ़ सकती है। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि पॉलिसी में सुधार और अमेरिका के साथ करीबी रिश्तों से भारत के प्राइवेट स्पेस इंडस्ट्री की वृद्धि में तेजी आएगी। यह जानकारी अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने दी है। अभी ग्लोबल स्पेस मार्केट में भारत की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम है। लेकिन विभाग के इंटरनेशनल ट्रेड एडमिनिस्ट्रेशन ने अपने अगस्त के 'एयरोस्पेस एंड डिफेंस एक्सपोर्टर अलर्ट' में अनुमान लगाया है कि अगले पांच से सात सालों में यह हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। विभाग ने कहा, भारत का प्राइवेट सेक्टर स्पेस इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है और भारत सरकार के निजीकरण की दिशा में उठाए गए कदमों से इंटरनेशनल स्पेस कंपनियों के लिए भी मौके बनेंगे। इस अलर्ट में भारत के स्पेस सेक्टर को मार्केट ऑफ द मंथ बताया गया है। इसमें अमेरिकी कंपनियों के लिए सैटेलाइट सिस्टम, एडवांस्ड स्पेसफ्लाइट, कनेक्टिविटी, मैन्युफैक्चरिंग और संबंधित टेक्नोलॉजी में निवेश के मौकों पर जोर दिया गया। 1963 में भारत के पहले रॉकेट लॉन्च के समय से ही अमेरिका और भारत स्पेस के क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। वह रॉकेट अमेरिका में बना 'नाइक-अपाचे' था। तब से यह साझेदारी वैज्ञानिक आदान-प्रदान, संयुक्त वर्किंग ग्रुप और मिलकर किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स के जरिए बढ़ी है। नासा और अमेरिकी कंपनियों ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) को टेक्नोलॉजी और पार्ट्स भी सप्लाई किए हैं। विभाग ने कहा कि भारत के नए स्पेस स्टार्टअप्स अमेरिका में अपने कामकाज और मैन्युफैक्चरिंग की मौजूदगी को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

डॉलर जमा के लिए स्वैप सुविधा केवल 31 अगस्त तक जुटाई गई जमा पर उपलब्ध होगी: आरबीआई

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। निवेशकों के मजबूत रिस्पॉन्स से विदेशी मुद्रा प्रवाह में वृद्धि के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) (एफसीएनआर (बी)) जमा के लिए अपनी स्वैप सुविधा को निर्धारित समय से पहले समाप्त करने की घोषणा की।

आरबीआई ने कहा कि अब यह स्वैप सुविधा केवल 31 अगस्त 2026 तक जुटाई गई एफसीएनआर (बी) जमा के लिए उपलब्ध होगी। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, "एफसीएनआर (बी) जमा के लिए स्वैप सुविधा को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया और इसके परिणामस्वरूप हुए विदेशी मुद्रा प्रवाह को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि एफसीएनआर (बी) जमा के लिए स्वैप सुविधा केवल 31 अगस्त 2026 तक जुटाई गई जमा के लिए उपलब्ध होगी। इस सुविधा के तहत स्वैप यानी एफसीएनआर (बी) जमा का लाभ आरबीआई से 11 सितंबर 2026 तक लिया जा सकता है।"इस महीने की शुरुआत में आरबीआई ने कहा था कि उसकी रियायती विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा के तहत जून में योजना शुरू होने के बाद से 40.816 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह हुआ है। अधिकृत डीलर बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इसमें सबसे बड़ा योगदान एफसीएनआर (बी) जमा का रहा। 31 जुलाई तक इस सुविधा के तहत कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह 40.816 अरब डॉलर रहा।

सीएम भजनलाल ने बीकानेर को दे डाली 807 करोड़ की सौगातें

मिनी सचिवालय से लेकर ट्रॉमा सेंटर तक

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर जिले के विकास को नई रफ्तार देते हुए करीब 807 करोड़ रुपये की लागत वाले 90 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया है। बीकानेर के मेघासर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज का नया भारत काम की नीयत और तय समय पर परिणाम देने के लिए जाना जाता है। डबल इंजन की सरकार जिस भी जनहितकारी परियोजना का शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी निर्धारित समय सीमा के भीतर ही पूरा किया जाता है। इन विकास परियोजनाओं से बीकानेर जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, कृषि, परिवहन और बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण होगा, जिससे आम जनजीवन और अधिक सुगम बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इनमें लूणकरणसर में मिनी सचिवालय का निर्माण, श्रीडूंगरगढ़ में 25 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक ट्रोमा सेंटर व उप जिला चिकित्सालय का निर्माण और बीकानेर शहर के म्यूजियम सर्किल पर नए ओवरब्रिज (पुल) का निर्माण शामिल है।

म्यूजियम सर्किल पर यातायात को सुगम बनाने के लिए पुल निर्माण, बीकानेर पश्चिम में नया आयुर्वेदिक औषधालय, और एसपी मेडिकल कॉलेज में यूरो साइंसेज भवन का सुदृढ़ीकरण।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्रमोन्नयनः मेघासर उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत किया गया। खाजूवाला के राजकीय प्राथमिक विद्यालय को उच्च प्राथमिक विद्यालय में बदला गया।

नई प्राथमिक शालाएं: चक 610-200 आरडी ढूडी पेट्रोल पंप के सामने, सत्तासर और जीवन सिंह की ढाणी में नए सरकारी प्राथमिक विद्यालय खोलने का ऐलान।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मेघासर के संस्थापक वीर शिरोमणि मेघो जी की अष्टधातु से निर्मित विशाल अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वीर मेघो जी की यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को त्याग, शौर्य, अदम्य साहस और राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी।

कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा सहित क्षेत्र के प्रमुख विधायक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले के विकास को मजबूत करने के लिए तैयार हो चुकी कुल 664 करोड़ रुपये की 74 परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने औपचारिक उद्घाटन किया।

सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्सः पीएम कुसुम योजना (घटक-ए और सी) के तहत 371 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 47 नए सौर ऊर्जा संयंत्रों का लोकार्पण।

सड़क सुदृढ़ीकरणः 105 करोड़ रुपये की लागत से एमडीआर पलाना से खाजूवाला, भूरासर से बल्लर और पूगल रोड से मकेरी मार्ग का चौड़ाईकरण व नवीनीकरण।

बिजली एवं कृषि इंफ्रास्ट्रक्चरः 24 करोड़ रुपये की लागत से 132 केवी जीएसएस हद्दां, 15 करोड़ रुपये से कृषि उपज मंडी समिति बीकानेर में विकास कार्य, बीछवाल में 5 करोड़ का मरुधरा बॉटनिकल गार्डन और मुकाम में 5 करोड़ का नया सीएचसी भवन।

विद्युत ग्रिडः शेरूणा में 98 करोड़ रुपये की लागत से 220 केवी जीएसएस एवं ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण।

करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बीकानेर विकास प्राधिकरण के नवीन कार्यालय भवन का निर्माण।

4.5 करोड़ रुपये की लागत से गजसुखदेसर, बगसेऊ, लीलका, राताडिया, बिदासरिया, जाखासर नया, रानेर और मिठडिया में उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों का निर्माण।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि की राशि को प्रदेश में 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही किसानों को बिजली बिलों में 61 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने 'स्वतंत्रता दिवस' पर मांगी माफ़ी

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर स्थित बड़ी चौपड़ पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित भारतीय जनता पार्टी के ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान एक अनपेक्षित विवाद सामने आया है। समारोह में तिरंगा फहराने के बाद जब राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजाने की बारी आई, तब साउंड सिस्टम पर उसका मूल स्वरूप बजने के बजाय एक गलत धुन बज गई। इस तकनीकी और मानवीय चूक के कारण मंच पर मौजूद सभी नेता और कार्यकर्ता असहज हो गए। देखते ही देखते इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में तेजी से वायरल हो गया।

राष्ट्रीय पर्व के इस मंच पर राष्ट्रगीत के साथ हुई इस चूक की गंभीरता को समझते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तुरंत सामने आकर पार्टी की तरफ से नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार की और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी।

15 अगस्त की सुबह बड़ी चौपड़ पर भाजपा के पारंपरिक कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्य मंच से तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के ठीक बाद नियमानुसार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन होना था।

साउंड ऑपरेटर और साउंड टीम की लापरवाही के कारण 'वंदे मातरम' का प्रामाणिक ऑडियो बजने के बजाय कोई अन्य धुन लाउडस्पीकर पर बज उठी।

राष्ट्रगीत का मूल स्वरूप न बजने से मंच पर मौजूद सांसद मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंद आचार्य और अन्य वरिष्ठ नेता असहज हो गए। आयोजन समिति ने तुरंत ऑडियो को सही करने की कोशिश की, लेकिन तब तक मौके पर मौजूद लोगों और मीडिया कैमरों में यह घटना कैद हो चुकी थी।

घटना होते ही मदन राठौड़ ने बिना किसी देरी के मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी और पार्टी की ओर से गहरा खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह आयोजन की व्यवस्था संभालने वाली टीम की ओर से हुई एक गंभीर तकनीकी और मानवीय चूक थी। एक जिम्मेदार पद पर होने के नाते मैं इस गलती की पूरी नैतिक जिम्मेदारी लेता हूं।

राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है, और इस गलती के लिए मैं जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगता हूं।'

'फहरने' के बजाए 'नीचे गिरा' तिरंगा, झंडारोहण के दौरान दो शर्मसार करने वाली घटनाएं

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जहां पूरा राजस्थान आजादी के जश्न में डूबा नजर आया, वहीं दूसरी ओर करौली और सवाई माधोपुर जिलों से प्रशासनिक लापरवाही और अव्यवस्था को उजागर करने वाली दो अप्रत्याशित घटनाएं सामने आईं। दोनों ही स्थानों पर आधिकारिक ध्वजारोहण समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज पोल से छूटकर नीचे आ गिरा। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे राष्ट्रीय पर्व पर तैयारियों और जमीनी व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जुड़ी इस प्रकार की चूक ने न केवल समारोह में मौजूद अधिकारियों और नागरिकों को हैरान कर दिया, बल्कि स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं।

करौली जिला मुख्यालय स्थित त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा था। मंच पर जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ध्वजारोहण के लिए पहुंचे थे।

ध्वजारोहण के समय जब तिरंगे की डोरी खींची गई, तो ध्वज की गांठ नहीं खुली। दबाव बढ़ने के कारण तिरंगा पोल से टूटकर सीधे नीचे आ गिरा। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद प्रशासनिक अमले और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। इसे आयोजन से जुड़े कार्मिकों की सीधी लापरवाही माना जा रहा है।

सवाई माधोपुर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान घटी। यहां जिला कलेक्टर कानाराम सीरवी की अनुपस्थिति में कार्यवाहक कलेक्टर गौरव बुडानिया ध्वजारोहण कर रहे थे।

कार्यवाहक कलेक्टर जैसे ही ध्वज फहराने की प्रक्रिया पूरी करने वाले थे, ठीक उसी पल तिरंगा पोल से अचानक नीचे गिर गया। इस अनपेक्षित घटनाक्रम से कार्यवाहक कलेक्टर और वहां मौजूद सभी अधिकारी व कर्मचारी क्षण भर के लिए पूरी तरह असहज और हैरान रह गए।

कलेक्ट्रेट परिसर जैसे मुख्य प्रशासनिक केंद्र में ध्वजारोहण के पूर्व निरीक्षण और री-चेकिंग न होने को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई है।

स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय और गौरवपूर्ण अवसर पर दोनों जिलों से सामने आई इन तस्वीरों के बाद स्थानीय निवासियों और सोशल मीडिया यूजर्स में रोष देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब पूरे देश में आजादी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है, तब इस तरह की लापरवाही बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

ध्वजारोहण से पहले पोल, रस्सी और ध्वज की गांठ की जांच करना संबंधित आयोजन टीम की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। ऐसे में आमजन अब यह सवाल उठा रहे हैं कि इन दोनों मामलों में जिम्मेदार कार्मिकों पर क्या कार्रवाई की जाएगी और भविष्य के लिए क्या सबक लिए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर बीकानेर में ई बसों का संचालन हुआ शुरू

सीएम भजनलाल ने दिखाई हरी झंडी

बीकानेर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर शहर में स्वतंत्रता दिवस पर ई बसों का संचालन शुरू हो गया है।। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पांच ई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके बाद आईजीएनपी भू जल संसाधन विभाग के बाहर ई बसों को हरी झंडी दिखाई जाएगी। इस दौरान केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीकानेर से पीएम-ई बसों को हरी झंडी के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की यह पहल स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त राजस्थान की ओर एक अहम कदम है। हमारी सरकार विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन को निरंतर बढ़ावा दे रही है। नगर निगम ने ई बस सेवा के संचालन के प्रारंभ होने को लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी की। बीकानेर शहर में प्रथम चरण में 75 ई बसों का संचालन प्रारंभ होना है। एमजीएसयू के सामने ई बस डिपों का निर्माण व तैयारी कार्य अंतिम दौर में है। अब तक पांच ई बसे बीकानेर पहुंच चुकी है, जिनको शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाई।

निगम अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिन पांच ई बसों को हरी झंडी दिखाई, उनका संचालन दो रूट पर होगा। ये रूट है गंगासिंह विश्वविद्यालय-करमीसर तिराहा, गंगानगर सर्कल, म्यूजियम चौराहा, हल्दीराम प्याऊ, जोधपुर बाईपास तक। जबकि दूसरा रूट एमजीएसयू से करमीसर तिराहा, गंगानगर तिराहा, रोडवेज बस स्टैण्ड, आरसीपी-आईजीएनपी, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर, आरटीओ तिराहा, खारा औद्योगिक क्षेत्र तक है। बीकानेर नगरीय क्षेत्र में ई बसों का संचालन के लिए प्राथमिक तौरपर 25 रूट का चयन सक्षम स्तर कर यात्री किराया निर्धारण किया जा चुका है।

झंडारोहण कर परेड की सलामी ली। ध्वजारोहण के बाद हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल, विधायक सिद्धि कुमारी, डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, जेठानंद व्यास, ताराचंद सारस्वत, सीएस वी. श्रीनिवास, डीजीपी राजीव शर्मा, देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया, शहर अध्यक्ष सुमन छाजेड़, विश्वकर्मा कौशल बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी सहित कई स्थानीय नेता मौजूद है।

लुत्फी गैंग का गुर्गा मोहम्मद रज्जाक गिरफ्तार

8 फरार अपराधियों की तलाश जारी

भीलवाड़ा, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दुबई में भारतीय मूल के व्यापारी मुकेश टेलर के अपहरण और रंगदारी मामले में भीलवाड़ा की सुभाषनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दुबई की जेल में बंद भारत के भगोड़े अपराधी फजले रउफ उर्फ 'लुत्फी' गैंग के गुर्गे रज्जाक मोहम्मद उर्फ रियाज (निवासी मोहम्मदी कॉलोनी) को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी रज्जाक 1 जुलाई को दुबई में व्यापारी के अपहरण की वारदात को अंजाम देने के बाद भीलवाड़ा के गांधीनगर निवासी मोइन खान के साथ भारत भाग आया था। मोइन को पुलिस पिछले महीने उदयपुर से गिरफ्तार कर चुकी है।

इसके अलावा, मोइन को शरण देने के आरोप में बदनोर निवासी वसीम मोहम्मद और भीलवाड़ा में पीड़ित व्यापारी के परिजनों को धमकाकर वसूली करने के मामले में शास्त्रीनगर निवासी योगेश मूंदड़ा की भी पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं, लुत्फी की पत्नी और गैंग की सह-सरगना फहीम फातिमा की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने मामले में वांछित तीन अन्य गुर्गों इमरान उर्फ चुन्नूलाला, जिशान खान और रियाज हसन उर्फ राजू पठान की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। वहीं, जेल में बंद योगेश मूंदड़ा और वसीम मोहम्मद की जमानत याचिकाएं भी पहले ही खारिज की जा चुकी हैं। जाहिद उर्फ बादशाहः अहमदाबाद के चर्चित राधिका जिमखाना हत्याकांड का सजायाफ्ता और पैरोल से फरार।

इमरान उर्फ चुन्नी लाला व जिशान खानः प्रतापगढ़ के वरिष्ठ अधिवक्ता जे. जोशी हत्याकांड के सजायाफ्ता व पैरोल से फरार हार्डकोर अपराधी।

एसीबी ने औषधि निरीक्षक के खिलाफ किया मामला दर्ज

निजी अस्पताल संचालक से दवाओं में खामी बताकर रिश्वत मांगने का आरोप

बूंदी, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बूंदी स्थित औषधि निरीक्षक कोटा निवासी रोहिताश नागर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। नागर पर एक निजी अस्पताल संचालक से दवाओं में कुछ खामियां पाए जाने पर रिश्वत मांगने का आरोप है। यह प्रकरण अप्रेल महीने का बताया जा रहा है। बूंदी एसीबी ने मामला दर्ज कर अनुसंधान के लिए पत्रावली एसीबी के कोटा ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह कानावत के पास भेज दी है।

चितौड़ रोड स्थित रघुवर हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर लक्ष्मण गुर्जर ने 23 अप्रेल 2026 को एसीबी चौकी को रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने बताया था कि औषधि निरीक्षक नागर ने उनके हॉस्पिटल की दवा दुकान के निरीक्षण के नाम पर एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। दवाओं में कुछ खामियां बताई। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई थी लेकिन गोपनीयता भंग होने से यह कार्रवाई सफल नहीं हो सकी। हालांकि सत्यापन में 50 हजार रुपए की मांग की पुष्टि हुई। बूंदी एसीबी के उप उधीक्षक नीरज गुप्ता ने बताया कि इस पूरे प्रकरण में अन्य अधिकारी भी संदेह के दायरे में है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक ट्रैप योजना विफल होने के बाद अब बूंदी चौकी में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई एसीबी महानिदेशक के हस्तक्षेप के बाद की गई है। जानकारी के अनुसार, परिवादी डॉ. गुर्जर ने 23 अप्रेल को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद एसीबी टीम ने गोपनीय तरीके से जांच शुरू की।

ओबीसी आरक्षण पर मंत्री अजय रावत का कांग्रेस पर प्रहार, बोले- बरगला रहा है विपक्ष

डोटसरा को दी नसीहत

भरतपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस समारोह में भरतपुर पहुंचे प्रभारी मंत्री अजय रावत ने प्रदेशवासियों और भरतपुरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं. समारोह के बाद उन्होंने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर सरकार का पक्ष रखा. उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आरक्षण से जुड़ी प्रक्रिया आगे बढ़ी है और जो निर्णय हुआ है, वह सही है. मंत्री रावत ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में इस दिशा में कोई ठोस काम नहीं किया गया. उनके मुताबिक, वर्तमान सरकार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर इस विषय को आगे बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि यदि प्रक्रिया में कहीं कोई कमी या खामी रह गई है तो उसे भी देखा जाएगा, लेकिन केवल राजनीतिक आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करना उचित नहीं है. कांग्रेस के आरोपों पर तीखा पलटवारः ओबीसी आरक्षण की श्रेणी और आरक्षण की लॉटरी में कमी किए जाने के कांग्रेस के आरोपों पर मंत्री ने तीखा पलटवार किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम केवल उल्टी-सीधी बातें कर जनता का ध्यान भटकाना रह गया है. कांग्रेस के पास फिलहाल कोई ठोस मुद्दा नहीं है और चुनाव नजदीक आने के कारण इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं. मंत्री ने कहा कि चुनाव में जाने के लिए जनता को बरगलाना कांग्रेस की पुरानी फितरत रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से कांग्रेस की ओर से आए दिन ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका आधार तथ्यों से अधिक राजनीतिक बयानबाजी है. राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों के बीच आरक्षण को लेकर राजनीतिक बहस तेज है. हाल ही में 309 निकायों के लिए सीट आरक्षण की सूची जारी हुई है और आरक्षण प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं. डोटासरा को तथ्यात्मक बोलने की नसीहतः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों पर भी मंत्री अजय रावत ने निशाना साधा. उन्होंने कहा कि डोटासरा आए दिन बिना पूरी जानकारी और तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखते हैं. उनको किसी भी मुद्दे पर सोच-समझकर और तथ्यों के आधार पर बात करनी चाहिए, यदि विपक्ष तथ्यात्मक तरीके से किसी विषय को उठाता है तो उसकी बात जनता को भी समझ में आती है और सरकार भी उस मुद्दे को गंभीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई कर सकती है. उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उसकी जिम्मेदारी है कि वह सरकार की कमियों को तथ्यों के साथ सामने रखे. लेकिन बिना तथ्य के लगाए गए आरोपों से न तो जनता को सही जानकारी मिलती है और न ही सरकार के सामने कोई ठोस विषय पहुंचता है.

करंट लगने से 2 साल की बच्ची समेत 3 सगी बहनों की मौत

बारां, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बारां जिले के सदर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में शनिवार को दर्दनाक हादसे में 3 सगी मासूम बहनों की मौत हो गई। हादसा खेत पर बने घर में हुआ जहां कूलर में करंट आने से तीनों बच्चियां इसकी चपेट में आ गईं। मृतकों में 7 साल की सलोनी, 3 साल की अवंतिका और 1 साल की संध्या शामिल हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

बारां जिले के सदर थाना अधिकारी नवल किशोर मीणा ने बताया कि गुना जिले के सिरसी थाना क्षेत्र के करनावता गांव निवासी मदनलाल सहरिया फतेहपुर गांव में एक किसान के यहां खेतीहर मजदूरी का काम करता है। मदनलाल अपने परिवार के साथ किसान के खेत पर बने घर में रह रहा था। शनिवार को परिजन खेत पर मजदूरी करने गए हुए थे। इस दौरान तीनों बच्चियां घर पर ही थीं। पीछे से घर में हादसा हो गया।

खाटूश्यामजी दर्शन को आ रहा परिवार हादसे का शिकार

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी कार; 4 लोगों की मौत

सीकर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटूश्यामजी के दर्शन को आ रहे परिवार देर रात हादसे का शिकार हो गया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी के मुताबिक हादसा देर रात एमपी में शिवगढ़ के पास हुआ। झाबुआ जिले के पारा से खाटूश्यामजी दर्शन के लिए आ रहे परिवार की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह घिसटते हुए आगे जाकर पलट गई। हादसे में 9 लोगों में से 4 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

90 साल के दादा की मौत का राज खुला

पोते पर हत्या का आरोप; दोस्त भी शामिल

पाली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पाली जिले में देसूरी थाना क्षेत्र के गुड़ा भोप सिंह के नदी में 90 वर्षीय बुजुर्ग अमर सिंह का शव मिलने के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे में पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि घटना में शामिल विधि से संघर्षरत एक नाबालिग को बाल कल्याण नियमों के तहत संरक्षण में लिया है।

बाली वृताधिकारी पारस चौधरी ने बताया कि 12 अगस्त को गुड़ा भोप सिंह के पास नदी में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और एमओबी टीम की सहायता से साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान करीब 90 वर्षीय अमर सिंह राजपूत निवासी गुड़ा भोप सिंह के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में हत्या अन्य स्थान पर कर शव नदी में फेंके जाने की आशंका हुई।

भाई की अंतिम विदाई में पहुंची बहन की भी चली गई जान

सीकर, 15 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व है, लेकिन राजस्थान में सीकर के नीमकाथाना क्षेत्र से सामने आई एक घटना ने इस रिश्ते की गहराई को बेहद मार्मिक तरीके से सामने ला दिया। यही नहीं रक्षा बंधन पर्व के लगभग एक पखवाड़े पहले भाई-बहिन के जिंदगियों की डोर एक ही दिन टूटने से जुड़ी और बहेद दिल को छूने वाली मार्मिक घटना हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

दरअसल, नीमकाथाना दरीबा गांव में अपने आखिरी भाई की अंतिम विदाई में पहुंची 65 वर्षीय बहन प्रभाती देवी भाई का शव देखते ही इस कदर भावुक हुईं कि उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें संभाल पाते, इससे पहले ही उनकी भी मौत हो गई। कुछ ही घंटों के अंतराल में भाई-बहन की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार की ओर से इसे भाई की मौत के गहरे सदमे से जोडक़र देखा जा रहा है।

इंदिरम्मा हाउसिंग टावर्स के लिए 60 हजार से अधिक आवेदन

20 अगस्त के बाद लॉटरी प्रक्रिया
सितंबर के पहले सप्ताह से शुरू होगा निर्माण कार्य

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की सीमा में निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए बनाए जा रहे इंदिरम्मा हाउसिंग टावर्स के लिए 16 विधानसभा क्षेत्रों से अब तक 60,014 आवेदन प्राप्त हुए हैं। हाउसिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन वी.पी. गौतम ने बताया कि आवेदनों की जांच के बाद 20 अगस्त के बाद पारदर्शी तरीके से लॉटरी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन आवासों के निर्माण के लिए टेंडर पहले ही बुलाए जा चुके हैं और सितंबर के पहले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि 16 विधानसभा क्षेत्रों में 7,340 फ्लैटों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। औसतन एक फ्लैट के लिए 8.18 आवेदक सामने आए हैं।

गौतम ने बताया कि इंदिरम्मा हाउसिंग टावर्स योजना का विस्तार करते हुए एलबी नगर, गोशामहल, मुशीराबाद और चंद्रायनगुट्टा विधानसभा क्षेत्रों में भी चयनित सरकारी भूमि पर आवास बनाए जाएंगे। इन चार क्षेत्रों में कुल 1,920 फ्लैट बनाए जाएंगे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 480 फ्लैटों का निर्माण किया जाएगा। इन आवासों का क्षेत्रफल 528 वर्गफुट होगा। सरकार लाभार्थियों को जमीन निःशुल्क उपलब्ध कराने के साथ ही 5 लाख रुपये की सब्सिडी भी देगी। एलबी नगर के अम्मंगुल (हयातनगर), गोशामहल, मुशीराबाद के जामिस्तानपुर तथा चंद्रायनगुट्टा के फलाकनुमा के समीप बंदलगुड़ा में स्टिल्ट प्लस 10 मंजिल के टावर्स बनाए जाएंगे।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

शुध्दिपत्र सं. ई-02-बीजेडए-2026, दि.13-08-2026

ई-निविदा सूचना सं.-डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/26/2026, दि.24-07-2026 के तहत आमंत्रित निविदा सं.ई-19-पूर्व-बीजेडए-2026 के लिए, निम्न परिवर्तन किया गया है तथा जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

मौजूदा बंद करने की तिथिः 11-08-2026

इस बंद तिथि को अब दि.25-08-2026 पढा जाना चाहिए।

कृपया ध्यान दें कि, उपरोक्त निविदा सूचना के अन्य नियम & शर्ते अपरिवर्तित रहेंगी।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक, (कार्य), विजयवाडा

निविदा सूचना सं. जीएनटी/ई.04&05/टीआरडी/2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ठेकेदारों से दि.07-09-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.04/टीआरडी/2026-27, टेंडर शीर्षकः जीएनटी डिवीजनः- 1. नये ओएचइ स्ट्रक्चर सहित ट्रैक को उंचा उठाने के कारण लीनींग/क्रिटीकल& लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। 2. जंग लगे कैन्टिलेवर्स, बहुत पुराने इन्सुलेटर्स & कम्पोजिट इन्सुलेटर्स का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य रु.4,20,18,463.00, अग्रधन रु.8,40,400.00, निविदा दस्तावेज का मूल्य(गैर-वापसी)- शून्य

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.05/टीआरडी/2026-27, टेंडर शीर्षकः/जीएनटी-केसीसी सेक्शनः गूंटूर-नाम्बूर स्टेशनों के बीच किमी 3/25-27 पर एलसी नं.03 के स्थान पर 4 लेन आरओबी का निर्माण-25केवी ओएचइ परिवर्तन कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.44,67,842.56, अग्रधन रु.89,400.00, निविदा दस्तावेज का मूल्य (गैर-वापसी)- शून्य

ई-बोली या ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि & समयः 07-09-2026 के 15.30 बजे तक।

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा।

किसीभी विस्तृत जानकारी हेतु दि.12-08-2026 से 07-09-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। किसीभी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को केवल www.ireps.gov.in पोर्टल से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/गुंटूर

निविदा सूचना सं.-वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-वर्क्स-03

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-कार्य-03, कार्य विवरणः वीएसकेपी डिवीजन पर एर्थ लीकेज डिटेक्टर्स का प्रावधान। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, निविदा मूल्य रु.1,31,69,592.00 (रु.एक करोड उनहत्तर लाख पांचसौ & बानवे मात्र), बोली सुरक्षा/जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.2,63,400.00 (रु. दो लाख तिरसठ हजार & चारसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, प्रस्ताव या आफर की वैधताः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः कार्यो हेतु जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, टेंडरिंग प्रणालीः खुली निविदा-सिंगल पैकेट।

निविदा बंद करने की तिथि & समयः 04-09-2026 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज & शुध्दिपत्रः वेबसाइट- https://www.ireps.gov.in देखें।

पत्राचार हेतु डाक का पताः

एसआर.डीएसटीई/वीएसकेपी का कार्यालय, डीआरएम आफिस बिल्डिंग, दोंडापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, विशाखापत्तनम

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-35&36-2026-27, दि.14-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-35-26-27, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः इलेक्ट्रिकल इन्स्टाल्लेशंस पर पावर क्वालिटी रिस्टोरर का प्रावधान & आईजीइए रिकमन्डेशंस (फेज-॥) का सुधार कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.2,17,60,119.20

बंद करने की तिथि & समयः 04-09-2026 के 15.00 बजे

निविदा सं.-जीटीएल-इएम-36-26-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-ऊर्जा आपूर्ति विश्वसनीयता के सुधार हेतु गुंटकल सेक्शन में एलटीयुजी केबुल्स कवरिंग सर्विस बिल्डिंग्स/कालोनियों सहित ओएच लाइन का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य रु.5,81,86,756.42

बंद करने की तिथि & समयः 04-09-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। निविदा शुध्दिपत्र यदि कोई होतो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

SCoRA217

निविदा नियम शर्तेंज़्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

वरंगल में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

मंत्री कोंडा सुरेखा ने किया ध्वजारोहण, स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल के खुशी महल परिसर में 80वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना की पर्यावरण, वन एवं देवदाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा, डीसीपी अंकित कुमार, डीएफओ निखिता, जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा पुलिस की सलामी लेने से हुई। इसके बाद राष्ट्रगान और देशभक्ति गीतों के पश्चात उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा भारत रत्न डॉ. बी.आर. आंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद मंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान राष्ट्रगान और तेलंगाना राज्य गीत का सामूहिक गायन किया गया। इसके बाद मंत्री ने पुलिस परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं तथा सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए जिला प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और जनता को संबोधित किया।समारोह में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें मंत्री कोंडा सुरेखा ने देखा और विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान मंत्री कोंडा सुरेखा और जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को माला एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों ने डबल बेडरूम मकानों की मांग रखी। मंत्री ने तत्काल उनकी मांग पर सकारात्मक आश्वासन दिया। मंत्री की घोषणा पर समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंत्री कोंडा सुरेखा के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके बाद मंत्री ने जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) जी. संध्यारानी, अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) वाई.वी. गणेश सहित अन्य अधिकारियों के साथ विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। समारोह में जनप्रतिनिधियों, जिला अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, स्वतंत्रता सेनानियों, विद्यार्थियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia
www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना संख्याः21/2026, दि.14-08-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर जाएं & अपने प्रस्तावों या आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को उक्त वेबसाइट पर देख सकते हैं। मैन्युएल रुप से प्रेषित आफर्स अमान्य हैं।

डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी विचार नही किया जायेगा। निविदा की नियत तिथि की बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्ताव या इन्डिगेनस आफर्स, केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किये जायेंगे।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
67255011B	एएमएफ पैनल सहित डिजेल जनरेटर सेट 400केवीए
29261063	संबध्द 3 फेज के ई-70 ब्रेक सिस्टम हेतु इपी रिले वाल्व के प्रति किट
75261416	पीवीसी (फ्लूरिंग शीट)
75261209	डीटीबीटी ब्लाक
77261105	पु पेन्ट (दो पैक)
81261462	शील्डींग गैस मिक्सचर
80261201	एन्टि वेयर एचवायडी आयल वीजी68
81261443	3 मदों युक्त पेनेट्रेट सिस्टम
82261448A	मोनोकम्पोनेन्ट इनसुलिन रिकाम्बिनेन्ट डीएनए
82260815A	आइएक्सइकेआयजेडयुएमएबी80 एमजी/एमएल सिंगल डोज इंजेक्शन
73261001A	एक्सल एन्ड कैप स्क्रू
76261092	सालिड एमआयजी/एमएजी वेल्डिंग फिल्लर वायर-1.2 एमएम डाया क्लास-1
60267549	ईआरसी एमके-वीटी-5919 का प्रापण
60267547	(आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी-4865 हेतु) एनसीआर जीआरएसपी का प्रापण
60267156	डीआरजी नं. टी-8747 संबध्द सीजीआरएसपी का प्रापण
56261236	संबध्द 220 एमएम हेतु पावर ट्रांसमिशन एस्सेम्बली
56261003	संबध्द 48वी, 200एएच वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड
56255290A	मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर की आपूर्ति
47261001	संबध्द 0.5 एचपी सेल्फ%यु 2013 प्राइमिंग मोनो ब्लाक पम्प
38262181A	संबध्द एडाप्टर (नैरो जा) क्लास 'इ'6'x11 आरडीएसओ नं.एबी/आरबी-39-2002
38265018	फालोअर सहित ड्राफ्ट गेयर
38265017	पालिमर पैकिंग वाशर साइज 105 डाया x 57 डाया xएमएम
33261600	स्फ्रोइलास्टिक रब्बर बेयरिंग
30261494	ब्रेक बीम कम्प्लीट
30261397	फूट स्टेप आरेंजमेन्ट
33261537	सर्कूट बोर्ड पावर सप्लाई
82255007C	रूम नं.1,2,3 के लिए मोडुलर आपरेशन थियेटर
29265015	बीएचइएल मेक आयजीबीटी आक्सीलरी कनवर्टर्स 3-फेज लोकोज हेतु स्पेस का सेट
29265016	बीएचइएल मेक आयजीबीटी ट्रैक्शन कनवर्टर्स 3-फेज लोकोज हेतु स्पेस का सेट
29265014	संबध्द 3-फेज लोकोज के बीएचइएल मेक टीसीएन वीसीयुज हेतु स्पेस का सेट ।

नोटः निविदा खोलने की नियत तिथियों का विवरणः क्रम सं.01 दि.25-08-2026, क्रम सं.02 दि.28-08-2026, क्रम सं.03 से 26 दि.31-08-2026, क्रम सं.27 दि.03-09-2026, क्रम सं.28&29 दि.08-09-2026, क्रम सं.30 दि.09-09-2026

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना सं.16/2026 दि.17-07-2026 निविदा सं. -एलवाय265419 नियत तिथि 11-08-2026 के स्थान पर नियत तिथि 24-08-2026 पढा जाना चाहिए, मौजूदा नियत तिथि 07-07-2026 के स्थान पर नियत तिथि 31-08-2026 पढा जाना चाहिए।

निविदा सूचना सं.10/2026 दि.05-06-2026 निविदा सं. -60266003 मौजूदा नियत तिथि 07-07-2026 के स्थान पर नियत तिथि 31-08-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया रेलवे वेबसाइट पर जाएं।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना संख्याएं- सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/27, 30& 31/टीएफ/ओटी/2026-27, दि.13-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.07-09-2026, दि.10-09-2026 & दि.11-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/27/टीएफ/ओटी/2026-27, सं.-ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-27-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग- एक आरबीजी रूम & 3 जीएमटीज के लिए आरडीएम पर बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु.43,38,343.00, अग्रधन रु.86,800.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा खोलने की तिथिः 07-09-2026

ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/30/टीएफ/ओटी/2026-27, सं.-ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-30-ओटी-2026-27, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग-मानिकगढ पर गुड्स लोडिंग लाइन का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.1,08,98,676.60, अग्रधन रु.2,18,000.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा खोलने की तिथिः 10-09-2026

ई-निविदा सं.-ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/31/टीएफ/ओटी/2026-27, सं.-ईटेंडर नं. इ-एम-एससी-31-ओटी-2026-27,

कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन-बिजली रखरखाव विभाग-आरएमवाय पर लांगर लूप लाइन, आरबीजी बिल्डिंग & गूम्प्टी का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं।

निविदा मूल्य रु.86.06,118.50, अग्रधन रु.1,72,100.00, सीटीएफ रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, निविदा खोलने की तिथिः 11-09-2026

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, (रखरखाव) /सिकंदराबाद

सं.-एनडब्ल्यू/डब्ल्यू॥।/निविदा सूचना/2026-27, दि.13-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः टी-202627-2-033, प्राधिकरणः को-आर्ड., कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः एसडब्ल्यू-।- एसएसपी/पी. वे एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत सेस्स मरम्मत/चौडीकरण या वाइडनिंग कार्य (4.20 किमी)। एसडब्ल्यू-॥-एसएसपी/पी. वे/एमयुई क्षेत्राधिकार के तहत सेस्स मरम्मत/चौडीकरण या वाइडनिंग कार्य (6.30 किमी)। एसडब्ल्यू-॥।- एडीइएन/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पी.वे/एनइडी के अंतर्गत खराब बेकार नाले या ड्रैन्स-450एमएमX450एमएम को प्रतिस्थापित कर नई साइड ड्रैन्स का निर्माण करना (0.750एम)। निविदा मूल्य रु.33957213.21, अग्रधन रु.679200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-034, प्राधिकरणः को-आर्ड., कार्य विवरणःएनइडी डिवीजन (एनइ सेक्शन) पर सुविधाओं व मौजूदा रन्निंग रूम्स में इनफ्रास्ट्रक्चर तथा क्रू लाबीज का विस्तार/उन्नयन।

निविदा मूल्य रु.4108036.44, अग्रधन रु.82200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-035, प्राधिकरणः को-आर्ड., कार्य विवरणः 02 (दो) वर्ष की अवधि के लिए, डीओसी/एनइडी पर रेस्ट हाउस की साफ सफाई हाउसकीपींग तथा रखरखाव कार्य।

निविदा मूल्य रु.553501.12, अग्रधन रु.11100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः चौबीस महिने, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-033, समानान्तर स्वभाव का कार्य(रु.50 लाख मूल्य से अधिक) -झोनल कार्यो को छोडकर कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य।

निविदा संख्याः टी-202627-2-034 तथा टी-202627-1-035

समानान्तर स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-शून्य

उपरोक्त निविदा दि.08-09-2026 के 15.00 बजे बंद होगी।

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। कोई भी शुध्दिपत्र आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

A654 एसआर. डीइएन/को-आर्ड./नान्देड

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी & निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

संपत्ति पर बैंक ऋण दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

60 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देकर संपत्ति हड़पने का आरोप

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय अपराध स्टेशन के जासूसी विभाग के अधिकारियों ने संपत्तियों के बदले बैंक ऋण दिलाने और बाद में उन्हीं संपत्तियों को तीसरे पक्ष को हस्तांतरित कर निर्दोष लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कोंडापुर निवासी 34 वर्षीय नुनावत युगंधर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में वर्ष 2016 से आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह 20 से अधिक मामलों में संलिप्त बताया गया है। केंद्रीय अपराध स्टेशन के आर्थिक अपराध शाखा दल-5 में दर्ज अपराध संख्या 128/2026 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 420 में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शिकायतकर्ता को 60 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई थी। इस दौरान बिक्री विलेख के साथ एक समझौता ज्ञापन भी तैयार किया गया था, जिसमें आरोपी ने संबंधित संपत्ति को आगे नहीं बेचने का आश्वासन दिया था। आरोप है कि बाद में आरोपी ने शिकायतकर्ता की जानकारी के बिना उक्त बिक्री विलेख का दुरुपयोग किया और संपत्ति को तीसरे व्यक्ति के नाम हस्तांतरित कर दिया। आरोपी ने इसी संपत्ति को जमानत के रूप में प्रस्तुत कर एक्सिस बैंक से करीब 1.50 करोड़ रुपये का ऋण भी प्राप्त किया। ऋण की किस्तों का भुगतान नहीं किए जाने पर बैंक अधिकारियों ने शिकायतकर्ता को ऋण चुकाने का नोटिस भेजा।

वीरुला सैनिक स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई

मुख्यमंत्री ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद जवानों को नमन किया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता दिवस समारोहों के तहत सिकंदराबाद स्थित जनरल के. वी. कृष्ण राव परेड मैदान में वीरुला सैनिक स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में देश की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में सैन्य गरिमा और अनुशासन का विशेष प्रदर्शन देखने को मिला। पदकों से अलंकृत अधिकारी और सैनिक पूर्ण सैन्य वेशभूषा में समारोह में शामिल हुए। सैन्य बैंड की मौजूदगी ने पूरे वातावरण को गौरव और श्रद्धा से भर दिया। उपस्थित लोगों ने देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। श्रद्धांजलि समारोह की शुरुआत सबसे कनिष्ठ सैनिक द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद स्टेशन के पूर्व सैनिकों और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने वीर सैनिकों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह के अंत में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वीरुला सैनिक स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। समारोह का समापन सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने तथा देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

एक्सपायरी कच्चे माल से खाद्य पदार्थ बनाने का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

करीब 4.07 लाख रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ और कच्चा माल जब्त

कमाई बढ़ाने के लिए एक्सपायरी सामग्री इस्तेमाल करने की साजिश

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त की कार्यबल, शमशाबाद क्षेत्र की टीम ने खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर अवैध रूप से खाद्य पदार्थों का निर्माण और वितरण करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 4.07 लाख रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ और कच्चा माल जब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बालापुर के कोठापेट निवासी 38 वर्षीय मोहम्मद खालिद, जो केएसएम फूड प्रोडक्ट्स का मालिक है, तथा तुर्कामेजाल स्थित श्रीदिपुरम कॉलोनी निवासी 44 वर्षीय संतोष कुमार, कंपनी के प्रबंधक, के रूप में हुई है। शमशाबाद क्षेत्र की कार्यबल टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर रंगारेड्डी जिले की आदिबटला नगरपालिका के बोंग्लूर गांव स्थित केएसएम फूड प्रोडक्ट्स के परिसर पर छापा मारा। जांच के दौरान वहां एक्सपायरी कच्चे माल और बिना लेबल वाले स्वाद एवं खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल कर खाद्य उत्पाद तैयार किए जाने का पता चला। परिसर में स्वच्छता की स्थिति भी अत्यंत खराब पाई गई। पुलिस ने मौके से करीब 1,560 डिब्बे सोनपापड़ी और कॉटन सोनपापड़ी बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत 2.26 लाख रुपये है। इसके अलावा पल्लिपट्टी और चिक्की के कुल 240 डिब्बे बरामद किए गए, जिनकी कीमत करीब 34,800 रुपये बताई गई। तलाशी के दौरान विभिन्न प्रकार के बिना लेबल वाले स्वाद और खाद्य सामग्री भी मिली।

गवर्नर के 'एट होम' कार्यक्रम में सीएम व मुख्य न्यायाधीश समेत कई गणमान्य हुए शामिल

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल द्वारा पारंपरिक 'एट होम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने उपस्थित अतिथियों के लिए चाय-नाश्ते का विशेष आयोजन किया। कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद, राज्य के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, उत्तम कुमार रेड्डी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सांसद, एमएलसी, विधायक, विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अतिथि भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का वातावरण सौहार्दपूर्ण और गरिमामय रहा, जहां सभी अतिथियों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं साझा कीं।

श्री अखंड रामायण पारायणम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर (हैदराबाद)। श्री सिद्धि विनायक सूर्यमुखी हनुमान मंदिर, 9 नं., मीर आलम पार्क, भाग्यनगर, हैदराबाद में अखंड रामायण पारायणम का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस पुण्य अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल बलदेवा एवं चंद्रशेखर चव्हाण ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति रही।

अखंड रामायण के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श, मर्यादा, सत्य, धर्म एवं संस्कारों का संदेश समाज तक पहुँचाने का पावन प्रयास किया गया। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। आयोजन की सफलता के लिए दत्ता बिरादार, प्रेम भाई, के. विनोद भाई, चंदू, नागेंद्र, राजू, पवन, किशोर मार्ने, जगदीश, केशव, वरुण सहित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज युवा समिति के समस्त सदस्यों ने सहयोग एवं परिश्रम किया।

दम्मईगुड़ा स्थित राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित ध्वजारोहण एवं रक्तदान शिविर मे उपस्थित अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, ताराराम गेहलोत, मोटाराम, मगाराम बर्फा, सुशील भायल, नेमाराम काग, खेताराम(काकू), नेमाराम पँवार, रुपाराम सेणचा, प्रकाश सोयल, देवाराम परमार, पुनाराम सोलंकी व अन्य ।

आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने हैदराबाद स्थित अपने हेड ऑफिस में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पालोड द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उसके बाद राष्ट्रगान के गायन के साथ हुई। इस समारोह में बैंक के डायरेक्टर - अमित लड्ढा (गग्गू), सीए अलका ज़ंवर, देवेंद्र झावर, कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोष्णीवाल, मुकुंदलाल बहेती; मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ हनुमंदास राठी; जनरल मैनेजर कमल किशोर राठी; अन्य अधिकारी, स्टाफ सदस्य और उनके परिवार के लोग शामिल हुए।

उप्पल कॉंचवानी सिंगारम स्थित कुमावत समाज बन्धुओफ़ द्वारा आयोजित 15 अगस्त ध्वजा रोहण कार्यक्रम मे उपस्थित सरंक्षक अमरचन्द अड़ाणिया, अध्यक्ष भीयाराम मंगलोड़ा, सचिव रमेश अड़ाणिया, परामर्शदाता श्रवणकुमार मालीवाड़, पदाधिकारी व समाज बन्धु ।

अमृतधाम आश्रम में झंडारोहण

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतत्र वार्ता)। अमृतधाम आश्रम में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में ध्वजारोहण कार्यक्रम विश्व जागृति मिशन के केंद्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड द्वारा सैकडों गुरूभक्तो की उपस्थिति में धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्र गीत के साथ वंदेमातरम गायन का सामूहिक पठन किया गया । इस महत्वपूर्ण महोत्सव के शुभ अवसर पर एक विशेष आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड नें फरवरी में 4 से 7 फरवरी को सदगुरुदेव सुधांशु महाराज के पावन सान्निध्य में चार दिवसीय भक्ति-सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, सत्संग व मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा,आश्रम के पंडित सर्वज्ञ शर्मा,शशी शर्मा,आशीष मैथी,राजू भागचंदानी,धनराज नागरे,लक्ष्मण बिरादर, ओमप्रकाश, राजकुमार मालगे,प्रदीप लेले,पवन लोहिया,गुरू शर्मा,कमलेश पंजवानी,सुरेश बिरादर ,श्रीमती शिबानी मैथी,ज्योती गुप्ता,सुदेश दत्ता,नागेश्वरी शेंडगे, आदि उपस्थित थे ।

2036 ओलंपिक के लिए देशभर में टैलेंट हंट

गांव-गांव जाकर खेल प्रतिभाओं को तलाशेगी सरकार, पीएम मोदी का बड़ा एलान

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत अपनी स्वतंत्रता के 80 साल पूरे होने के अवसर पर जश्न मना रहा है। 1947 में मिली आजादी के बाद से हर साल देश का मुख्य समारोह लाल किले पर होता है। आज भी पीएम मोदी ने लाल किले पर ध्वजारोहण करने के बाद परेड की सलामी ली। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से 13वीं बार देशवासियों को संबोधित करते हुए खेल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों के लिए प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए गांव-गांव टैलेंट हट चलाया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज भारत खेल की दुनिया में जगह बना रहा है। भारत का राष्ट्रगान आज दुनिया में हर पोडियम में सुनाई देता है। टॉप्स योजना ने इसे काफी बढ़ावा दिया है। खेलो इंडिया गेम्स, स्पोर्ट्स के लिए कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, आदि में युवाओं के लिए काफी जगह बनी है। हम 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर उभर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत खेल की दुनिया में अपनी जगह बना रहा है। उन्होंने कहा, 'हम अक्सर अपना राष्ट्रगान सुनते हैं और बहुत बार तिरंगे को ऊंचा होते देखते हैं। टॉप्स योजना ने बड़ी सफलता हासिल की है। चाहे खेलो इंडिया गेम्स हों, यूनिवर्सिटी गेम्स, बीच गेम्स, विंटर गेम्स, खेल प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स मेडिसिन या स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।'

पीएम मोदी ने कहा कि भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है और वह 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'ओलंपिक में करीब 40 खेल विधाएं और लगभग 350 स्पर्धाएं होती हैं। यह दुखद है कि हम इनमें से कम से कम दो-तिहाई स्पर्धाओं में हिस्सा तक नहीं ले पाते, क्योंकि हम क्वालिफाई ही नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा कि भारत को अपने खेल आधार को व्यापक बनाने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि 2036 ओलंपिक में खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार रहें। कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें विकसित करने के लिए टैलेंट हंट इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा होगा।

पीएम मोदी ने कहा, 'हमने तय किया है कि 2036 में हमें कम से कम तीन-चौथाई स्पर्धाओं में हिस्सा लेना चाहिए। हम पांच से 15 साल की उम्र के बच्चों के लिए देशव्यापी टैलेंट हंट शुरू कर रहे हैं। पांच से 15 उम्र के बच्चों में प्रतिभा ढूंढने के लिए गांव-गांव, स्कूल-स्कूल एक टैलेंट हंट चलाया जाएगा, ताकि देश के हर कोने में प्रतिभाओं की पहचान की जा सके। उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।'

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब भारत गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। 2026 ग्लासगो खेलों के समापन समारोह के दौरान औपचारिक रूप से मेजबानी भारत को सौंपी गई थी। भारत इस आयोजन के शताब्दी संस्करण की मेजबानी करेगा। अहमदाबाद दिल्ली के बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने वाला भारत का केवल दूसरा शहर होगा। नई दिल्ली ने 2010 में इन खेलों की मेजबानी की थी। 2030 के आयोजन में पारंपरिक भारतीय खेलों के साथ प्रमुख खेल विधाओं को भी शामिल किए जाने की उम्मीद है। इसका व्यापक उद्देश्य भारत की पदक संभावनाओं को मजबूत करना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम परिसर उन प्रमुख स्थलों में शामिल है, जिनके आसपास अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन केंद्रित रहेगा। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेल खेलों के बुनियादी ढांचे को विकसित करने, उभरती प्रतिभाओं की पहचान करने और 2036 ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों की मजबूत सीरीज तैयार करने का एक और अवसर प्रदान करेंगे। ओलंपिक की हर खेल विधा में प्रतिस्पर्धा करने के प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान से भारत की दीर्घकालिक खेल योजनाओं को एक नई दिशा मिलती है। अब ध्यान कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान करने और खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए जरूरी समर्थन देने पर केंद्रित होगा।

भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट: खराब रोशनी से पहले दिन स्टंप्स तक

पडिक्कल 131 रन पर नाबाद

राहुल 77 पर रिटायर्ड हर्ट; स्कोर-288/2

कोलंबो, 15 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन भारत ने 2 विकेट पर 288 रन बना लिए। गॉल में देवदत्त पडिक्कल ने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। वह 131 रन बनाकर नाबाद लौटे। ऋषभ पंत 27 रन पर क्रीज पर हैं।

पडिक्कल ने 178 गेंदों पर शतक लगाया

पडिक्कल ने 178 गेंदों पर 131 रन बनाए। उनकी पारी में 12 चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी की।

गिल 16 और यशस्वी 32 रन पर आउट

यशस्वी जायसवाल 32 रन बनाकर रन आउट हुए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल 16 रन पर आउट हुए। प्रभात जयसूर्या ने उनका कैच लाहिरू उदारा के हाथों कराया।

गिल के आउट होने के बाद पडिक्कल और ऋषभ पंत ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़ लिए हैं।

राहुल 77 रन पर रिटायर्ड हर्ट

केएल राहुल ने 162 गेंदों पर 77 रन बनाए। उन्होंने 9 चौके और एक छक्का लगाया। क्रैम्प की वजह से उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, मानव सुथार, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंकाः लाहिरू उदारा, निशान फर्नांडो, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), सोनल दिनूषा, केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा।

श्रीलंका दौरे के बाद बीसीसीआई करेगी अजीत अगरकर की किस्मत का फैसला, रोहित शर्मा से जुड़े विवाद के बाद कुर्सी पर खतरा?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। अजीत अगरकर की कुर्सी पर अब खतरा मंडरा रहा है. सितंबर में चीफ सिलेक्टर के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है. पहले बताया जा रहा था कि वह एक और साल के लिए भारतीय मेंस टीम के मुख्य चयनकर्ता होंगे. हालांकि, अब अजीत अगरकर की बीसीसीआई से उनके फ्यूचर को लेकर मीटिंग होगी. रोहित शर्मा के आखिरी मैच की खबर लीक होने से जुड़े विवाद के बाद बीसीसीआई और सिलेक्टर्स के रिश्तों में खटास की अफवाहें सामने आ रही थीं. इसी वजह से अगरकर के फ्यूचर पर सवालिया निशान है.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के बाद बीसीसीआई की मुलाकात चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर से होगी. इसी बीच अगरकर के फ्यूचर को लेकर चर्चा होने वाली है. सितंबर में अगरकर को चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में 3 साल पूरे हो जाएंगे और उनका कार्यकाल एक साल आगे बढ़ाया जा सकता है. रिपोर्ट्स में बताया गया था कि रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और चयनकर्ताओं के विचारों में मतभेद के बीच इस बैठक का आयोजन किया गया. चयनकर्ताओं ने पहले ही रोहित शर्मा को बता दिया था कि वह इंग्लैंड सीरीज के बाद उनसे आगे बढ़ने का विचार कर रहे हैं, वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया था कि रोहित तब तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे, जब तक वह प्लानिंग का हिस्सा हैं.

रिपोर्ट में यह भी दावा गया था कि बीसीसीआई चाहती है कि चयनकर्ता 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक हर एक सीरीज के आधार पर रोहित शर्मा के फ्यूचर को लेकर फैसला लें. सैकिया के बयान ने चयनकर्ताओं को नाराज कर दिया था. मीटिंग में अगरकर के फ्यूचर समेत रोहित शर्मा के आखिरी मैच से जुड़े विवाद को लेकर बातचीत हो सकती है.

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सितंबर के अंत में वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है. इस श्रृंखला में रोहित शर्मा खेलते हुए नजर आएंगे. इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स वनडे में 138 रन की जोरदार पारी खेलने के बाद रोहित ने अगली सीरीज में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है. 27 सितंबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे खेला जाएगा. यह रोहित का टीम इंडिया की जर्सी में कमबैक मैच होगा.

काव्या मारन के लिए थोड़ी खुशी, थोड़ा गम

एक टीम फाइनल में पहुंची, दूसरी बाहर

द हंड्रेड, 15 अगस्त (एजेंसियां)। द हंड्रेड में सनराइजर्स फ्रेंचाइजी की मालकिन काव्या मारन के लिए 14 अगस्त का दिन डबल इमोशन वाला रहा. इस दिन उन्हें खुशी और गम दोनों मिले और ऐसा हुआ क्रिकेट के मैदान पर मची हलचल की वजह से. 14 अगस्त को द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स की मेंस और वीमेंस की टीम अपना-अपना एलिमिनेटर मुकाबला खेलने उतरी. मगर उसे जीतकर फाइनल में जाने का टिकट सिर्फ महिलाओं की टीम को ही मिल सका. सनराइजर्स लीड्स मेंस, एलिमिनेटर मुकाबला हारकर फाइनल की रेस से बाहर हो गई.

सनराइजर्स लीड्स वीमेंस ने 14 अगस्त को खेले एलिमिनेटर मुकाबले में साउदर्न ब्रेव को 5 विकेट से हराया. साउदर्न ब्रेव वीमेंस ने पहले खेलते हुए 100 गेंदों में 7 विकेट खोकर 114 रन बनाए, जिसमें सबसे ज्यादा 32 रन विकेटकीपर बल्लेबाज और ओपनर लिजेले ली ने बनाए. सनराइजर्स लीड्स की ओर से अनाबेल सदरलैंड और हना बेकर ने 2-2 विकेट लिए. जबकि दीप्ति शर्मा ने 15 गेंदों में 24 रन देकर 1 विकेट लिया.

दीप्ति शर्मा ने सनराइजर्स लीड्स वीमेंस के रन चेज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया. 115 रन के मिले लक्ष्य को सनराइजर्स लीड्स वीमेंस ने 11 गेंद पहले ही हासिल कर लिया. उन्होंने 89 गेंदों में 5 विकेट पर 116 रन बनाए, जिसमें दीप्ति शर्मा 28 रन बनाकर नाबाद रहीं. इस एलिमिनेटर को जीतने के साथ ही सनराइजर्स लीड्स वीमेंस फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही.

सनराइजर्स लीड्स मेंस की बात करें तो उसका सफर एलिमिनेटर में ही थम गया. मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहले खेलते हुए 100 गेंदों में 4 विकेट पर 186 रन का स्कोर बनाए, जिसमें पॉल वॉल्टर के 80 रन और हेनरिक क्लासन के 63 रन की बड़ी भूमिका रही. जवाब में 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स लीड्स मेंस 100 गेंदों में 7 विकेट पर 166 रन ही बना सकी और 20 रन से एलिमिनेटर मैच हार गई.

द हंड्रेड के मेंस और वीमेंस का फाइनल 16 अगस्त को लॉर्ड्स पर खेला जाएगा. वीमेंस फाइनल में सनराइजर्स लीड्स के सामने अब ट्रेंट रॉकेट्स की चुनौती होगी, जो अपने पहले खिताब की तलाश में है.

इंग्लैंड सीरीज से पहले बाबर के हाथ में लगी चोट

वार्म-अप मैच में गेंद लगने के बाद मैदान छोड़ा; 17 अगस्त को करेंगे प्रैक्टिस

लंदन, 15 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज शुरू होने से चार दिन पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के हाथ में चोट लगी। प्रोफेशनल काउंटी क्लब सेलेक्ट 11 के खिलाफ वार्म-अप मैच में बल्लेबाजी के दौरान इंग्लैंड अंडर-19 के तेज गेंदबाज मैनी लम्सडैन की उछलती गेंद उनके दाएं हाथ के बॉटम हैंड पर लगी।

बाबर 5 रन पर थे। चोट के बाद वे दर्द में दिखे और आगे बल्लेबाजी नहीं की। टीम डॉक्टर के आकलन के बाद पीसीबी ने उन्हें एहतियातन मैच से आराम दिया है। बोर्ड के मुताबिक बाबर 17 अगस्त को हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर टीम के ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेंगे।

बाबर को यह चोट केंट में पाकिस्तान और प्रोफेशनल काउंटी क्लब सेलेक्ट XI के बीच चल रहे तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच के दौरान लगी। मैनी लम्सडैन की उछलती गेंद उनके दाएं हाथ के बॉटम हैंड पर लगी। गेंद लगने के बाद बाबर दर्द में दिखे और इसके बाद बल्लेबाजी जारी नहीं रखी।

टीम डॉक्टर के शुरुआती आकलन के बाद पीसीबी ने बाबर को प्रैक्टिस मैच के बाकी हिस्से में नहीं खेलने की सलाह दी। बोर्ड ने कहा है कि बाबर 17 अगस्त को हेडिंग्ले में पाकिस्तान टीम के अगले ट्रेनिंग सेशन में शामिल होंगे। यानी फिलहाल उन्हें सीरीज से बाहर किए जाने की कोई बात नहीं कही गई है।

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीन टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला 19 अगस्त से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 27 अगस्त से लॉर्ड्स और तीसरा 9 सितंबर से एजबेस्टन में होगा। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत में इंग्लैंड 24.36% के साथ 7वें और पाकिस्तान 22.22% के साथ 8वें स्थान पर है। दोनों टीमों के लिए सीरीज अंक तालिका में स्थिति सुधारने का मौका है।

पाकिस्तान ने अपना पिछला टेस्ट दौरा वेस्टइंडीज में 1-1 से बराबर किया था। दूसरे टेस्ट में 8 विकेट की जीत के साथ टीम ने विदेश में लगातार 8 टेस्ट हारने का सिलसिला भी तोड़ा था। इंग्लैंड सीरीज से पहले शान मसूद की चोट से वापसी पाकिस्तान के लिए राहत की बात है।

स्टेलिया की उपकप्तान गार्डनर पर चीटिंग के आरोप

पूर्व पत्नी ने कहा- इसी वजह से हुआ तलाक, दोनों ने पिछले साल की थी शादी

मेलबोर्न, 15 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान एश्ले गार्डनर पर चीटिंग के आरोप लगे हैं। उनकी पूर्व पत्नी मोनिका राइट ने उन पर साथी खिलाड़ी जॉर्जिया वोल के साथ संबंध में होने का आरोप लगाया है। राइट ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर कार्रवाई नहीं करने और गार्डनर को उपकप्तान बनाए रखने की आलोचना की थी। दोनों ने 2025 में शादी की थी। शादी करीब एक साल ही चल पाई। दोनों ने तलाक फाइल कर रखा है। आरोप के बावजूद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गार्डनर को महिला टीम की उपकप्तान बनाए रखा है। इस पर सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा- 'बोर्ड स्तर पर इस मुद्दे पर चर्चा हुई। बोर्ड ने इस बारे में अपडेट मांगा था, जो हमने दिया।' ग्रीनबर्ग ने कहा- 'इसका नतीजा यह रहा कि बोर्ड गार्डनर के उपकप्तान पद पर बने रहने का पूरा समर्थन करता है। गार्डनर को इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया था और बोर्ड उनके लिए बहुत ऊंचा सम्मान रखता है।' ग्रीनबर्ग ने साफ किया कि उपकप्तान के तौर पर गार्डनर वोल के प्लेइंग-11 या टीम में चयन को लेकर खिलाड़ी या चयनकर्ताओं से कोई बातचीत नहीं कर सकेंगी। उन्हें ऐसे किसी भी दूसरे मामले से भी दूर रहना होगा, जिससे हितों के टकराव की संभावना बन सकती है। ग्रीनबर्ग ने इस पर कहा, 'हां, यह सही है। हमें लगता है कि यह जरूरी है। भले ही वास्तविक टकराव न हो, लेकिन बाहर के लोगों, टीम की दूसरी खिलाड़ियों या स्टाफ को टकराव की आशंका दिख सकती है।' ग्रीनबर्ग ने कहा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को गार्डनर और वोल के रिश्ते के बारे में सार्वजनिक होने से पहले पता था। उन्होंने बताया कि इस मामले के बाद खिलाड़ियों के रिश्तों और लीडरशिप रोल के लिए वर्कप्लेस पॉलिसी में एक्स्ट्रा सॉल्यूशन जोड़े हैं।

चोटिल जेमिमा एशिया कप से बाहर

एशियाड भी नहीं खेलेंगी, प्रतिका को मौका

इंडिया का पहला मैच 30 अगस्त को होगा

मुंबई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स हैमस्ट्रिंग चोट के कारण एशिया कप और एशियन गेम्स से बाहर हो गई हैं। उन्हें यह चोट इसी महीने इंग्लैंड में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान लगी थी। उनकी जगह प्रतिका रावल को टीम में शामिल किया गया है।

बीसीसीआई ने बताया कि 25 साल जेमिमा की मेडिकल टीम ने जांच की है। जांच में उनकी हैमस्ट्रिंग में गंभीर स्तर का टियर मिला है।

विमेंस एशिया कप 2026

भारत के मुकाबले

तारीख	Vs	समय
30 अगस्त	थाईलैंड	6:30 PM
3 सितंबर	हांगकांग-चीन	6:30 PM
5 सितंबर	पाकिस्तान	6:30 PM

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। एशिया कप 28 अगस्त से 5 सितंबर तक दुबई में खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने बताया कि इंग्लैंड में द हंड्रेड लीग के एक मैच में 3 अगस्त को जेमिमा के दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी।

मेडिकल टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनकी जांच की। इसमें हाई-ग्रेड टियर इंजरी कन्फर्म हुई है।

एशियन गेम्स जापान के नागोया में 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेला जाएगा। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में होगा।

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमालिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, प्रेमा रावत, राधा यादव, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़ और प्रतिका रावल।

मैच के दौरान गर्लफ्रेंड से बात कर रहा था क्रिकेटर, बीसीसीआई ने उठाया कड़ा एक्शन

चेन्नई, 15 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के युवा क्रिकेटर के खिलाफ बीसीसीआई की एसीएसयू समिति ने कड़ा एक्शन लिया है. तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक मैच के दौरान एक खिलाड़ी ने 'प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया' के कुछ नियमों का उल्लंघन किया, जिस वजह से उस पर भारी जुर्माना लगाया गया है. बताया जा रहा है कि मैच के दौरान वह अपनी गर्लफ्रेंड से चैटिंग कर रहा था, जिससे पीएमओए के नियमों का उल्लंघन हुआ. पहले इस खिलाड़ी पर दो साल का बैन लगने वाला था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया गया. पीटीआई को टीएनसीए के सीनियर अधिकारी ने बताया, 'टीएनसीए अभी खिलाड़ी का नाम नहीं बताएगा, क्योंकि तहकीकात चल रही है. मैं यह बता सकता हूं कि यह लेफ्ट हैंडर है और उन्होंने तमिलनाडु के लिए पिछले रणजी सीजन में दो अर्धशतक लगाए थे. वह एक मैच के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड को मैसेज करते हुए पकड़े गए. उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं लगे हैं लेकिन मैच के दौरान पीएमओए में मोबाइल का उपयोग करना प्रतिबंधित है. इसी वजह से नियमों का उल्लंघन हुआ है.' बीसीसीआई की एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट ने मामले की जांच करने के बाद क्रिकेटर पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया. रिपोर्ट में बताया गया है कि 26 साल के इस क्रिकेटर को पहले 2 साल के लिए बैन करने की बात सामने आई थी, लेकिन फिर इस बात पर चर्चा हुई कि यह उल्लंघन इतना भी बड़ा नहीं है.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश 426 पर ऑलआउट

पहली पारी में 228 रनों की बढ़त, तंजिद हसन ने 101 रन की पारी खेली

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), 15 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 426 रन बनाए और 228 रन की बढ़त हासिल की। डार्विन टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश की पारी खत्म की। बांग्लादेश ने 2006 में फतुल्लाह में बनाए 427 रन के अपने सर्वोच्च स्कोर की बराबरी करने से सिर्फ एक रन से चूक गया। मेहदी हसन मिराज ने 65 रन की अहम पारी खेली, जबकि निचले क्रम के बल्लेबाजों ने टीम की बढ़त को 200 के पार पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए थे। इसके जवाब में बांग्लादेश ने दूसरे दिन तंजिद हसन के 101 रन और नजमुल हुसैन शांतो के 84 रन की मदद से बढ़त हासिल की थी। तीसरे दिन बांग्लादेश ने 351/6 से आगे खेलना शुरू किया। मेहदी हसन मिराज ने एक छोर संभाले रखा और निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम की बढ़त को 200 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने 154 गेंदों पर 65 रन की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल रहा। मिराज ने तस्कीन अहमद के साथ भी अहम साझेदारी की। हालांकि, इसके बाद जोश हेजलवुड की ऑफ स्टंप से बाहर जाती फुल गेंद पर ड्राइव खेलने की कोशिश में गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर एलेक्स कैरी के हाथों में चली गई।

ऑस्ट्रेलिया की खराब फील्डिंग तीसरे दिन भी जारी रही। बांग्लादेश के 400 रन पूरे करने के बाद स्टीव स्मिथ ने तस्कीन अहमद का आसान कैच छोड़ दिया। तस्कीन ने पैट कमिंस की गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर शॉट खेला, जहां स्मिथ कैच नहीं पकड़ सके। अगर वह कैच ले लेते तो टेस्ट में उनके 219 कैच हो जाते और वे सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन जाते। फिलहाल स्मिथ और जो रूट 218-218 कैच के साथ बराबरी पर हैं। ऑस्ट्रेलिया ने मैच में अब तक छह कैच छोड़े हैं। शनिवार सुबह बांग्लादेश के गिरे तीनों विकेट जोश हेजलवुड ने लिए। उन्होंने हसन महमूद को 14 और तैजुल इस्लाम को 17 रन पर आउट करने के बाद मेहदी हसन मिराज को 65 रन पर पवेलियन भेजा। मिराज का कैच विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने लिया। इसके साथ ही हेजलवुड ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए।

हॉकी वर्ल्डकप में भारत की जीत से शुरुआत

वेल्स को 3-1 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने 2 गोल दागे

वावर (बेल्जियम), 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। उसने शनिवार को अपने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया।

7वें मिनट में संजय ने पेनल्टी पर गोल करके टूर्नामेंट में भारत के गोल का खाता खोला। फिर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें और 43वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागे।

56वें मिनट में वेल्स के सैम वेल्श ने गोल करके हार के अंतर को कम किया। यहां रेफरी वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक देने वाले थे, लेकिन रेफरी के हाथ व्हीसिल छूट गई। जब तक वे व्हीसिल बजाते सैम ने गोल कर दिया।

महिलाओं में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जीते

महिला हॉकी वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 2-0 से और जर्मनी ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप के टॉप पर हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.